ಶುಭ್ ಲಾಭ್

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

DAILY

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

मुख्यमंत्री के दबाव के आगे झुकते हुए लोकायुक्त ने दी क्लीन चिट? विजयेंद्र @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | शुक्रवार, 24 जनवरी, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-7 | अंक-23

पराक्रम दिवस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा

कंफर्ट जोन से बचें, श्रेष्ठता दक्षता पर फोकस करें युवा

नई दिल्ली, 23 जनवरी (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए देश के युवाओं का आह्वान किया कि वे विकसित भारत के निर्माण के लिए आरामतलबी से दूर रह कर श्रेष्ठता, परिश्रम एवं दक्षता पर फोकस करके वैश्विक स्तर पर सर्वश्रेष्ठ हासिल करें।

श्री मोदी ने नेताजी की जयंती पर ओड़ीशा के कटक में आयोजित पराक्रम दिवस कार्यक्रम को वीडियो लिंक से संबोधित करते हुए कहा कि आज जब हमारा देश विकसित भारत के संकल्प की सिद्धि में जुटा है, तब नेताजी सुभाष के जीवन से हमें निरंतर प्रेरणा मिलती है। नेताजी के जीवन का सबसे बड़ा लक्ष्य था- आजाद हिंद। उन्होंने अपने संकल्प की सिद्धि के लिए अपने फैसले को एक ही कसौटी पर परखा-आजाद हिंद।

प्रधानमंत्री ने कहा, नेताजी एक समृद्ध परिवार में जन्मे, उन्होंने सिविल सर्विसेस की परीक्षा पास की। वो चाहते तो अंग्रेजी शासन में एक वरिष्ठ अधिकारी बनकर आराम की जिंदगी जीते, लेकिन उन्होंने आजादी के लिए कष्टों को चुना, चुनौतियों को चुना, देश विदेश में भटकना पसंद किया, नेता जी सुभाष कंफर्ट जोन के बंधन में नहीं बंधे। इसी तरह आज हम सभी को विकसित भारत के निर्माण के लिए अपने कंफर्ट जोन से बाहर निकलना है। हमें खुद को ग्लोबली बेस्ट बनाना है, एक्सीलेंस को चुनना ही है, एफिशिएंसी पर फोकस करना है।

उन्होंने कहा कि नेताजी ने देश की स्वतंत्रता के लिए आजाद हिंद फौज बनाई, इसमें देश के हर क्षेत्र हर वर्ग के वीर और वीरांगनाएं शामिल थीं। सबकी भाषाएं अलग-अलग थीं, लेकिन भावना एक थी देश की

आजादी। यही एकजुटता आज विकसित भारत के लिए भी बहुत बड़ी सीख है। तब स्वराज के लिए हमें एक होना था, आज विकसित भारत के लिए हमें एक रहना है।

श्री मोदी कहा, आज देश में विश्व में हर तरफ भारत की प्रगति के लिए अनुकूल माहौल है। दुनिया भारत की ओर देख रही है कि कैसे हम इस 21वीं सदी को भारत की शताब्दी बनाते हैं और ऐसे महत्वपूर्ण कालखंड में हमें नेताजी सुभाष की प्रेरणा से भारत की एकजुटता पर बल देना है। हमें उन लोगों से भी सतर्क रहना है, जो देश को कमजोर करना चाहते हैं, जो देश की एकता को तोड़ना चाहते हैं।

उन्होंने कहा, नेताजी सुभाष भारत की विरासत पर बहुत गर्व करते थे। वे अक्सर भारत के समृद्ध लोकतांत्रिक इतिहास की चर्चा करते थे और उससे प्रेरणा लेने के लिए समर्थक थे। आज भारत गुलामी की मानसिकता से बाहर निकल रहा है। अपनी विरासत पर गर्व करते हुए विकास कर रहा है। मेरा सौभाग्य है कि आजाद हिंद सरकार के 75 वर्ष पूरे होने पर लाल किले पर मुझे तिरंगा फहराने का मौका मिला था। उस ऐतिहासिक अवसर को मैं कभी भूल नहीं सकता। नेताजी की विरासत से प्रेरणा लेते हुए हमारी सरकार ने 2019 में दिल्ली के लाल किले में नेताजी सुभाष को समर्पित म्यूजियम का निर्माण किया। उसी साल सुभाष चंद्र बोस आपदा प्रबंधन पुरस्कार शुरू किए गए। 2021 में सरकार ने निर्णय लिया कि नेताजी की जयंती को अब पराक्रम दिवस के रूप में मनाया जाएगा। इंडिया गेट के समीप नेताजी की विशाल प्रतिमा लगाना, अंडमान में द्वीप का नाम नेताजी के नाम पर रखना, गणतंत्र दिवस की परेड में आईएनए के जवानों को नमन करना, सरकार की इसी भावना का प्रतीक है।

श्री मोदी ने कहा कि बीते 10 वर्षों में देश ने यह भी दिखाया है कि तेज विकास से सामान्य जन का जीवन भी आसान होता है और सैन्य सामर्थ्य भी बढ़ता है। बीते दशक में 25 करोड़ भारतीयों को गरीबी से बाहर निकाला गया है, यह बहुत बड़ी सफलता है। आज गांव हो या शहर हर तरफ आधुनिक अवसंरचना का निर्माण हो रहा है, साथ ही भारत की सेना की ताकत में भी अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। आज विश्व मंच पर भारत की भूमिका बढ़ रही है, भारत की आवाज बुलंद हो रही है, वो दिन दूर नहीं जब भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक ताकत बनेगा।

▶10पर

हिंदू आध्यात्मिक सेवा मेला उद्घाटन समारोह में भैयाजी जोशी बोले

कभी-कभी हिंसा जरूरी होती है

अहमदाबाद, 23 जनवरी (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ नेता भैयाजी जोशी ने बड़ा बयान दिया है । भारत को शांति के पथ पर सभी को साथ लेकर चलने पर जोर देते हुए आरएसएस लीडर ने कहा कि अहिंसा की अवधारणा की रक्षा के लिए कभी-कभी हिंसा 'आवश्यक' होती है। उन्होंने गुजरात विश्वविद्यालय के मैदान में हिंदू आध्यात्मिक सेवा मेला के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही।

उन्होंने कहा, हिंदू सदा ही अपने धर्म की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं। अपने धर्म की रक्षा के लिए, हमें वे काम भी करने होंगे जिन्हें दूसरे लोग अधर्म करार देंगे और ऐसे काम हमारे पूर्वजों ने किए थे। जोशी ने पौराणिक ग्रंथ महाभारत का हवाला देते हुए कहा कि पांडवों ने अधर्म को खत्म करने के लिए युद्ध के नियमों की अनदेखी की।

उन्होंने कहा, इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि हिंदू धर्म में अहिंसा का तत्व निहित है । हालांकि, कभी-कभी हमें अहिंसा की अवधारणा की रक्षा के लिए हिंसा का सहारा लेना पड़ता है । अन्यथा, अहिंसा की अवधारणा कभी सुरक्षित नहीं रहेगी। हमारे महान पूर्वजों ने हमें यह संदेश दिया है। आरएसएस नेता के अनुसार, भारत के लोगों को शांति के पथ पर सबको साथ लेकर चलना होगा क्योंकि जो सबको साथ लेकर चल सकता है वही शांति स्थापित कर सकता है । उन्होंने कहा कि अगर कोई धर्म लोगों को अपने-अपने धर्मों का पालन करने की अनुमति नहीं देता है तो शांति स्थापित नहीं होगी। जोशी ने कहा, भारत के अलावा कोई भी ऐसा देश नहीं है जो सभी देशों को साथ लेकर चलने में समर्थ हो। 'वसुधैव कुटुंबकम' हमारी आध्यात्मिकता की अवधारणा है

'वसुधैव कुटुंबकम' हमारी आध्यात्मिकता की अवधारणा

। अगर हम पूरी दुनिया को एक परिवार मान लें तो कोई संघर्ष नहीं होगा।

उन्होंने कहा, जब हम कहते हैं कि भारत को मजबूत बनना चाहिए, तो हम असल में दुनिया को आश्वासन दे रहे हैं कि एक मजबूत भारत और एक मजबूत हिंदू समुदाय सभी के हित में है क्योंकि हम कमजोर और वंचितों की रक्षा करेंगे. यह विश्व के हिंदुओं से जुड़ी विचारधारा है ।

आरएसएस नेता ने कहा कि दुनियाभर में यह मिथक है कि चर्च या मिशनरी जैसी कुछ ही संस्थाएं निस्वार्थ सेवा कर रही हैं। उन्होंने कहा, हमारी एक प्राचीन परंपरा है जिसमें हमारे मंदिरों या गुरुद्वारों में प्रतिदिन लगभग एक करोड़ लोगों को भोजन कराया जाता है । हिंदू धार्मिक संगठन केवल अनुष्ठान करने तक ही सीमित नहीं हैं, वे स्कूल, गुरुकुल और अस्पताल भी संचालित करते हैं।

उन्होंने कहा कि जब लोग खुद को हिंदू कहते हैं तो इसमें कई पहलू शामिल होते हैं, यह एक धर्म, आध्यात्मिकता, विचारधारा, सेवा और जीवनशैली है।

▶10पर

चेक बाउंस मामला

राम गोपाल वर्मा को तीन महीने की सजा

कोर्ट ने जारी किया गैर-जमानती वारंट

मुंबई, 23 जनवरी (एजेंसियां)।

बॉलीवुड फिल्म निर्देशक और प्रोड्यूसर राम गोपाल वर्मा को चेक बाउंस मामले में अंधेरी मजिस्ट्रेट कोर्ट ने तीन महीने की सजा सुनाई है। यह मामला सात साल पुराना है, लंबी सुनवाई के बाद अदालत ने राम गोपाल वर्मा को दोषी ठहराया है।

अदालत ने राम गोपाल वर्मा के खिलाफ गैर-जमानती वारंट भी जारी किया है, क्योंकि वह सुनवाई के दौरान कोर्ट में पेश नहीं हुए थे।

मामला श्री नामक कंपनी द्वारा 2018 में दायर किया गया था, जिसमें महेश चंद्र मिश्रा के माध्यम से राम गोपाल वर्मा की फर्म के खिलाफ चेक बाउंस का आरोप लगाया गया था। आरोप था कि वर्मा ने एक चेक जारी किया था, जो बाउंस हो गया। इसके बाद शिकायतकर्ता ने अदालत का रुख किया था।

अंधेरी मजिस्ट्रेट कोर्ट ने मामले की सुनवाई करते हुए राम गोपाल वर्मा को दोषी ठहराया और उन्हें तीन महीने कैद की सजा सुनाई। इसके अलावा, कोर्ट ने वर्मा को निर्देश दिया कि वह शिकायतकर्ता को 3.72 लाख रुपये का मुआवजा भी दें। सात साल तक इस मामले की सुनवाई के बावजूद राम गोपाल वर्मा कोर्ट में पेश नहीं हुए, जिसके चलते कोर्ट ने उनके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया।

चेक बाउंस का मामला तब बनता है जब कोई व्यक्ति चेक जारी करता है, लेकिन वह चेक बैंक में जमा करने पर बाउंस हो जाता है। चेक बाउंस होने की स्थिति में शिकायतकर्ता के पास कानूनी विकल्प होते हैं, जिसमें आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है।

पंजाब में सीएम की सुरक्षा में चूक

मुख्यमंत्री को जहां फहराना था तिरंगा वहीं लिखे खालिस्तानी नारे और दीवार पर टांग दिया झण्डा

अमृतसर, 23 जनवरी (एजेंसियां)।

गणतंत्र दिवस को लेकर प्रदेश की पुलिस चाकचौबंद और मुस्तैद होने का दावा कर रही है परन्तु यहां सुरक्षा में चूक का बड़ा मामला सामने आया है। मिली जानकारी के अनुसार, फरीदकोट में गणतंत्र दिवस के कार्यक्रम स्थल नेहरू स्टेडियम के अलावा रेलवे स्टेशन के आसपास सिख फॉर जस्टिस की तरफ से खालिस्तान के नारे लिखे गए और दीवार पर खालिस्तान झंडा भी लगाया गया।

नेहरू स्टेडियम में 26 जनवरी को मुख्यमंत्री भगवंत मान द्वारा झंडा फहराया जाना था, जिसको लेकर पुलिस द्वारा सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध का दावा था। खालिस्तान समर्थकों की इस कार्रवाई ने प्रबंधों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। इसी बीच अपुष्ट सूत्रों राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री के फरीदकोट में होने वाले कार्यक्रम को तब्दील कर दिया है। अब मुख्यमंत्री पटियाला या मोहाली में से एक जगह झंडा फहराएंगे। फरीदकोट में इस पूरी कार्रवाई के बारे में सिख फॉर जस्टिस के प्रमुख व आतंकी गुरपतंव पन्नू ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो भी जारी किया है। इस वीडियो में पन्नू ने सीएम भगवंत मान को धमकी दी है। जानकारी मिलते ही पुलिस प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर इन नारों को साफ करवाया। एसपी जसमीत सिंह ने बताया कि पुलिस ने मौके पर पहुंच कर हालात का जायजा लिया है और इस संबंध में केस दर्ज करके अगली

▶10पर

ईडी ने बंगाल में एक साथ 10 जगहों पर मारा छापा

मचा हड़कंप, आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद

नई दिल्ली, 23 जनवरी (एजेंसियां)।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार को पश्चिम बंगाल में कई स्थानों पर छापेमारी और तलाशी शुरू की. ईडी की टीम ने ज्यादातर कोलकाता और उसके आसपास के इलाकों में छापेमारी की। छापेमारी राज्य से संचालित एक कॉल सेंटर-सह-क्रिप्टोकरेंसी रैकेट के संबंध में की जा रही है। सूत्रों के अनुसार, वर्तमान में ईडी अधिकारियों की विभिन्न टीमें कोलकाता और उसके आसपास के विभिन्न स्थानों पर छापेमारी और तलाशी अभियान चला रही हैं। एजेंसी की प्रत्येक टीम को सीएपीएफ के जवान सुरक्षा दे रहे हैं ।

सूत्रों के अनुसार, यह विशेष रैकेट फर्जी कॉल सेंटरों के माध्यम से सॉफ्टवेयर से संबंधित सेवाएं देने के बहाने विदेशों में रहने वाले लोगों को धोखा देने और उसके बाद क्रिप्टोकरेंसी के रूप में एकत्र की गई राशि को विदेश में भेजने में शामिल था। छापेमारी और तलाशी अभियान सुबह 8 बजे से 10 अलग-अलग स्थानों पर एक साथ शुरू हुआ। जानकारी के अनुसार, ईडी अधिकारियों की कार्रवाई अभी भी जारी है। जिन स्थानों पर ईडी की टीम छापेमारी और तलाशी अभियान चला रही है उनमें कोलकाता में बल्लीगंज, तोपसिया और पिकनिक गार्डन, साल्ट लेक, राजारहाट और शहर के उत्तरी बाहरी इलाके में सेक्टर वी का सूचना प्रौद्योगिकी केंद्र शामिल हैं ।

सूत्रों ने बताया कि ईडी अधिकारियों ने कई स्थानों से कई आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद किए हैं, जिनमें कागजी और डिजिटल दोनों तरह के दस्तावेज शामिल हैं।

▶10पर

जलगांव ट्रेन दुर्घटना

मृतकों की संख्या बढ़कर 13 हुई, 8 शवों की पहचान हुई

जलगांव, 23 जनवरी (एजेंसियां)।

जलगांव ट्रेन दुर्घटना स्थल में पटरियों के किनारे एक क्षत विक्षत शव बरामद होने के साथ ही इस दुर्घटना में मरने वालों की संख्या बढ़कर 13 हो गई है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि शव का सिर्फ धड़ बरामद हुआ है।

दुर्घटना उत्तरी महाराष्ट्र के जलगांव जिले में बुधवार शाम हुई। मुंबई जा रही पुष्पक एक्सप्रेस में चेन खींचने की घटना के बाद कुछ यात्री ट्रेन से नीचे उतरे थे और वह विपरीत दिशा से आ रही दूसरी ट्रेन की चपेट में आ गए।

विशेष पुलिस महानिरीक्षक दत्तात्रेय कराले ने समाचार एजेंसी को बताया, हमने अब तक 13 में से आठ शवों की पहचान कर ली है, जिनमें से दो की पहचान उनके आधार कार्ड से हुई है।

जलगांव जिला सूचना अधिकारी युवराज पाटिल ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि जिन आठ मृतकों की पहचान हुई है उनमें से चार नेपाल से थे।

उन्होंने बताया कि घटना में घायल हुए 15 लोगों में से 10 का फिलहाल इलाज हो रहा है। इनमें से नौ का पचोरा सिविल अस्पताल में और एक का जलगांव शहर के एक अस्पताल में इलाज हो रहा है, जबकि मामूली रूप से घायल अन्य लोगों को छुट्टी दे दी गई है।

इस बीच, रेलवे के एक प्रवक्ता ने बताया कि लखनऊ-मुंबई पुष्पक एक्सप्रेस बृहस्पतिवार देर रात करीब एक बजकर 20 मिनट पर महाराष्ट्र की राजधानी में अपने अंतिम गंतव्य छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) पर पहुंची।

▶10पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 82,570/-
(प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 92,850/-
(प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 30°
न्यूनतम : 20°

केंद्रीय मंत्री ने किया बड़ा खुलासा

वायरस-बैक्टीरिया नहीं गांव में घोला गया जहर!

श्रीनगर, 23 जनवरी (एजेंसियां)।

जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले के एक गांव में रहस्यमयी मौतों से हड़कंप मच गया है। हालात को काबू में करने के लिए जिला प्रशासन ने कई कड़े कदम उठाए हैं। यहां तक की कोरोना काल की तरह कंटेनमेंट जोन लगाने तक की नौबत आ गई है. आखिर गांव में एक साथ लोगों की मौत कैसे हुई इस पर कई तरह के सवाल खड़े हो रहे हैं। इसे लेकर केंद्रीय मंत्री ने बड़ी जानकारी दी है और बताया है कि किस वजह से लोगों की जान गई है। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले के एक गांव में रहस्यमयी तरीके से 17 लोगों की जान चली गई थी। इसे लेकर जानकारी देते हुए केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि लखनऊ स्थित सीएसआईआर द्वारा की गई शुरुआती जांच में पाया गया कि यह न तो वैक्टीरियल है और न ही वायरल। जांच में जहरीले पदार्थ पाए गए हैं। अब यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि आखिर यह जहर किस तरह का है। अगर किसी तरह की साजिश का पता चलता है तो कार्रवाई की जाएगी।

कश्मीर के राजौरी में रहस्यमयी बीमारी' पर मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा, अभी हमारी जांच चल रही है। अभी तक हम इतना समझ पाए हैं कि यह कोई वायरस या बैक्टीरिया नहीं है। हमारी अपनी मेडिकल टीम, पुलिस टीम सभी यह पता लगाने के लिए जांच कर रही है कि यह क्या है। इसमें कुछ समय लग रहा है क्योंकि अभी तक हम यह पता नहीं लगा पाए हैं कि यह सब क्यों हो रहा है। गांव की स्थिति को नियंत्रित करने के लिए तीन कंटेनमेंट जोन में विभाजित किया गया है।

▶10पर

सीईसी राजीव कुमार की फर्जी बयानों के खिलाफ चेतावनी

चुनाव में फर्जी बातों के प्रति सावधान रहें

नई दिल्ली, 23 जनवरी (एजेंसियां)।

भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) राजीव कुमार ने लोकतांत्रिक देशों में चुनाव का प्रबंधन करने वाले निकायों को चुनावी प्रक्रियाओं में विश्वास को खत्म करने वाले फर्जी बातों के प्रति सावधानी बरतने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि ऐसी बातें चुनाव-की महत्वपूर्ण व्यवस्थाओं को ही आहत करने के लिए फैलायी जाती हैं।

श्री कुमार ने कहा कि ऐसी फर्जी बातों का मुख्य उद्देश्य चुनाव के मर्मस्थल को बेधना होता है। श्री कुमार गुरुवार को राजधानी में चुनाव प्रबंधन करने वाले राष्ट्रीय निकायों और लांकतांत्रिक चुनाव पद्धतियों के क्षेत्र में काम करने वाले वैश्विक संगठनों के एक अंतराष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन कर रहे थे।

मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा, इस तरह के मनगढ़ंत आख्यान सामान्यत: ऐसे समय फैलाए जाते हैं जब चुनाव प्रक्रिया किसी महत्वपूर्ण मोड़ पर होती है।

दो दिन का यह सम्मेलन चुनाव प्रबंधन के प्रमुख समकालीन मुद्दों पर चर्चा के लिए आयोजित किया गया है जिसमें भूटान, जॉर्जिया, नामीबिया, उज्बेकिस्तान, श्रीलंका, इंडोनेशिया, कजाकिस्तान, आयरलैंड, मॉरीशस, फिलीपींस, रूसी संघ, ट्यूनीशिया और नेपाल सहित 13 देशों के चुनाव प्रबंधन निकायों (ईएमबी) के लगभग 30 प्रतिनिधि इसमें भाग ले रहे हैं। 'वैश्विक चुनाव वर्ष 2024: लोकतांत्रिक स्थानों की पुनरावृत्ति, ईएमबी के लिए सीख' विषय पर सम्मेलन का आयोजन ईसीआई द्वारा भारत और अन्य देशों में 2024 में चुनाव

▶10पर

कार्टून कॉर्नर

भाजपा मेरे लिए मां की तरह है, फिलहाल पार्टी छोड़ने की कोई योजना नहीं: श्रीरामुलु

रेड्डी के बेबुनियाद आरोपों को नहीं सुनूंगा

बल्लारी/शुभ लाभ ब्यूरो। पूर्व मंत्री बी. श्रीरामुलु ने अफवाहों को खारिज करते हुए कहा कि फिलहाल मेरी पार्टी छोड़ने की कोई योजना नहीं है। अगर ऐसी स्थिति उत्पन्न होती है तो वह केंद्रीय अधिकारियों के साथ इस पर चर्चा करेंगे और अगला निर्णय लेंगे। इससे पहले उन्होंने कहा था कि यदि पार्टी ने मेरे साथ सही व्यवहार नहीं किया तो मैं अपमान बर्दाश्त नहीं करूंगा। उन्होंने घोषणा की थी कि यदि जरूरत पड़ी तो वे भाजपा छोड़ने को तैयार हैं।

इसी बीच गुरुवार को बल्लारी स्थित अपने आवास पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिए यह स्पष्ट करते हुए उन्होंने कहा फिलहाल मेरी पार्टी छोड़ने की कोई योजना नहीं है। भाजपा मेरे लिए मां की तरह है। दशकों तक उसने मुझे सबकुछ दिया और मेरा पालन-पोषण किया। उन्होंने कहा कि वह मां-बेटे के रिश्ते को इतनी जल्दी नहीं खोना चाहते।

हम भी एक राजनीतिक पृष्ठभूमि वाला परिवार हैं। हम सड़कों से नहीं हैं। मैं 40 वर्षों से राजनीति में हूं और मैंने कई उतार-चढ़ाव देखे हैं। हार-जीत कोई नई बात नहीं है। रेड्डी के इस बयान पर कि उन्होंने बी. श्रीरामुलु का पालन-पोषण किया है, उन्होंने कहा मेरे पीछे कार्यकर्ताओं की एक टीम है। गली जनार्दन रेड्डी झूठ पर किला बनाने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोग इतने मूर्ख नहीं हैं कि इस

बात पर विश्वास कर लें। मैं बल्लारी या राज्य में किसी के आशीर्वाद से नहीं पला-बढ़ा। मैं बल्लारी में दमनकारी परिवारों के खिलाफ सड़कों पर लड़ते हुए बड़ा हुआ हूं। मैंने पार्टी को जमीनी स्तर से संगठित किया है। उन्होंने कहा कि इसी तरह पार्टी ने मुझे मान्यता दी। भाजपा ने मुझे एक आम आदमी के रूप में पहचाना और आगे बढ़ाया। अगर कुछ नहीं था तो उन्होंने मुझे मोलकालूर और बादामी में एक ही समय में टिकट क्यों दिए? भाजपा जानती है कि श्रीरामुलु की ताकत क्या है। मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह के भी संपर्क में हूं। क्या जनार्दन रेड्डी ने मुझे जिताने के लिए कोई जादू किया? मैं अभी तक जनार्दन रेड्डी के साथ बड़ा नहीं हुआ हूं। मैं एक जमीनी स्तर के समुदाय से आता हूं और अपनी कड़ी मेहनत से आगे बढ़ा हूं। उन्होंने गुर्राहट के साथ कहा मैं बच्चा नहीं हूं जो रेड्डी के बेबुनियाद आरोपों को सुनूंगा। कोर कमेटी की बैठक में राज्य प्रभारी राधा मोहन दास ने मुझ पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि संदूर विधानसभा क्षेत्र उपचुनाव में भाजपा की हार के लिए मैं जिम्मेदार हूं।

उन्होंने कहा कि मैंने इसका संतुलित उत्तर दिया है। मुझे इस बात पर बहुत गुस्सा आया कि बैठक में मेरे बगल में बैठे प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने एक भी शब्द नहीं कहा। डी.वी. सदानंद गौड़ा के अलावा किसी ने भी बात नहीं की, जो मेरी ओर से बैठक में मौजूद थे। श्रीरामुलु ऐसे व्यक्ति नहीं हैं जो पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल हों या किसी उम्मीदवार को हराने के लिए षड्यंत्र रचें, चाहे उसे टिकट मिले या न मिले।

उन्होंने जनार्दन रेड्डी से अपील की कि वे कम से कम अब तो झूठ बोलना बंद करें। यह कहना सही नहीं है कि श्रीरामुलु मेरी वजह से बड़े हुए। हर राजनेता के अपने समर्थक और प्रशंसक होते हैं। मैंने न केवल जिले में बल्कि राज्य के विभिन्न हिस्सों में भी पार्टी को संगठित करने के लिए कड़ी मेहनत की है। यहां तक कि बल्लारी में भी, जहां कुछ भी नहीं है, मैंने यह सुनिश्चित करने के लिए कड़ी मेहनत की है कि भाजपा 9 में से 8 निर्वाचन क्षेत्रों में जीत हासिल करे। यह सब भूलकर उन्होंने चेतावनी दी कि यदि रेड्डी मेरे बारे में बोलेंगे तो मुझे भी बोलना पड़ेगा।

श्री रविशंकर जी से मुलाकात कर लिया आशीर्वाद

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मैं भारत हूँ फाउंडेशन अंतर्राष्ट्रीय संस्थान के कर्नाटक क्षेत्र के सर्वश्री महेंद्र मुणोत 'गौप्रेमी, सामाजिक कार्यकर्ता सज्जन राज मेहता, बीदासर परिषद के पूर्व अध्यक्ष अरविंद सिंघी, बी.पी. हरिहरण, उपेंद्र कुमार गौड़ा ने श्रीश्री रविशंकर जी के आश्रम में दर्शन कर गुरुदेव से निवेदन किया कि हमारे भारत को हिंदी में भारत व अंग्रेजी में इंडिया कहा जाता है। हम भारतीय चाहते हैं कि विश्व की हर भाषा में हमारे देश का नाम केवल 'भारत' रहे जिसके लिए हम लोगों ने 'भारत नाम सम्मान' गीत को विभिन्न 22 भारतीय भाषाओं में संगीतबद्ध किया है। हम चाहते हैं कि आपका आशीर्वाद 'एक राष्ट्र-एक नाम केवल भारत' को मिले। गुरुदेव ने सब कुछ सुना और आशीर्वाद स्वरूप सभी को अपने कर कमलों से दुपट्टा पहनाये। बहुत ही जल्द गुरुदेव की पावन सानिध्यता में एक विशाल कार्यक्रम 'एक राष्ट्र-एक नाम केवल भारत' का आयोजन होगा।

कर्नाटक सरकार माइक्रोफाइनेंस संस्थानों को विनियमित करने में विफल : बोम्मई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा सांसद बसवराज बोम्मई ने कांग्रेस के नेतृत्व वाली राज्य सरकार पर माइक्रोफाइनेंस संस्थानों (एमएफआई) पर नियंत्रण खोने का आरोप लगाया है, जिसके कारण कमजोर नागरिकों का व्यापक उत्पीड़न हो रहा है। यहां गुरुवार को मीडिया को संबोधित करते हुए बोम्मई ने आरोप लगाया कि माइक्रोफाइनेंस एजेंसियां महिलाओं से जबरन मंगलसूत्र छीनने सहित चरम उपायों का सहारा ले रही हैं। उन्होंने दावा किया कि इस शोषण के कारण परिवार अपने घर छोड़ने को मजबूर हो गए हैं, यहां तक कि कुछ ने अपनी जान भी ले ली है। बोम्मई ने कहा सरकार कानून लागू करने में विफल रही है। इन संस्थानों में कोई डर नहीं है और उपद्रवी तत्वों को वसूली करने की अनुमति दी जा रही है। उन्होंने विरोधाभासी रुख के लिए सरकार की आलोचना की और कहा कि हालांकि यह महिला-केंद्रित कार्यक्रमों का समर्थन करने का दावा करती है, लेकिन यह कुछ माइक्रोफाइनेंस कंपनियों द्वारा किए जा रहे उत्पीड़न को रोकने में असमर्थ है। बोम्मई ने एच.डी. कुमारस्वामी के मुख्यमंत्री के कार्यकाल के दौरान उच्च ब्याज दर पर ऋण देने की प्रथाओं को विनियमित करने के लिए पेश किए गए एक कानून को याद किया। हालांकि, इस कानून पर अदालत ने रोक लगा दी थी। उन्होंने मौजूदा सरकार से आग्रह किया कि वह रोक हटाने, कड़े नियम लागू करने और इस क्षेत्र पर नियंत्रण वापस पाने के लिए कदम उठाए।

कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार भ्रष्टाचार, कानून और व्यवस्था की विफलता पर केंद्रित: सांसद

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। सांसद कैप्टन बृजेश चौटा ने कांग्रेस के नेतृत्व वाली राज्य सरकार पर सार्वजनिक धन का दोहन करने, हिंदू समुदाय की भावनाओं को कमजोर करने और चरमपंथी विचारधाराओं का समर्थन करने का एक ही एजेंडा चलाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा राज्य में कानून और व्यवस्था की स्थिति पूरी तरह से ध्वस्त हो गई है। अकेले 2023 में, कर्नाटक भर में 563 से अधिक बलात्कार के मामले दर्ज किए गए, जिनमें से 178 बेंगलूरु में थे। इसके अलावा, यौन उत्पीड़न के 6,042 मामले दर्ज किए गए, जिनमें से 1,321 बेंगलूरु में थे। नवंबर 2024 के आंकड़े बताते हैं कि राज्य भर में बलात्कार के 540 मामले हैं, जिनमें से 166 बेंगलूरु में और 5,873 यौन उत्पीड़न के मामले

हैं, जिनमें से 1,381 शहर में हैं। कर्नाटक में महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं।

चौटा ने कांग्रेस के पराजित उम्मीदवारों पर पुलिस ट्रांसफर रैकेट में शामिल होने का भी आरोप लगाया, महिलाओं, मवेशियों और ठेकेदारों की सुरक्षा के बारे में चिंता व्यक्त की। उन्होंने बेंगलूरु को राज्य की अपराध राजधानी करार दिया। बेंगलूरु में तीन गायों के थन काटने जैसी घटनाओं और राज्य में अराजक तत्वों के खुलेआम घूमने जैसी घटनाओं से राज्य की विफलता स्पष्ट है। सरकार ने पीएफआई से जुड़े मामलों सहित महत्वपूर्ण मामलों को वापस ले लिया है और विधान सौधा में लगाए गए पाकिस्तान समर्थक नारों पर चुप रही है। हम मुख्यमंत्री और गृह मंत्री से जवाबदेही की मांग करते हैं। विधायक डॉ. भरत वाई शेट्टी ने भी वामनजूर गोलीबारी पर चिंता जताई और सवाल उठाया कि अपराधी के हाथों में बिना लाइसेंस वाली बंदूक कैसे पहुंच गई। उन्होंने कोटेकर डकैती मामले की गहन जांच की मांग की और स्थानीय साजिशकर्ताओं की संलिप्तता की संभावना जताई।

चन्दन वाला महिला मंडल की आम सभा आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। चन्दन वाला महिला मण्डल द्वारा आशापूरी माताजी मंदिर के परिसर में आम सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ नवकार मंत्र के जाप से हुआ। इस दौरान अध्यक्षा आशाबाई मेहता ने स्वागत भाषण दिया। मंत्री रोशनबाई पिछोलिया ने गतिविधि का विवरण दिया। जिसमें उन्होंने बताया कि निशुल्क 18 शिविर में 600 लोगों का ऑपरेशन हुआ। 35 बार ओलीजी का तप सम्पन्न कराया। गौशाला, अनाथ श्रम, कोडि अस्पताल में अन्न, वस्त्र, फल आदि का वितरण किया गया। मण्डल गुरु दर्शन के लिए भी अनेक बार जाता रहा। कोषाध्यक्षा मेहताबाई ने अपनी रिर्पोट पेश की। कार्यक्रम में सर्वसम्मति से भाग्यवंती को अध्यक्ष एवं सरलाबाई रांका को मंत्री बनाया गया। कार्यक्रम में सुशीलाबाई लुंकड़ को संघ नाइका का पदभार सौंपा गया। इस कार्यक्रम में प्रेमबाई सुराणा, सुशीलाबाई दोसी, मिश्रीबाई दक, किरणबाई, चंन्द्राकांता सांड, गीताबाई, प्रकाशबाई बगानी, सरोजबाई बोहरा, अंजनाबाई सुखलेचा, पुष्पाबाई बोहरा, लीलाबाई कटारिया उपस्थित थी।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *श्री सालसर बालाजी सेवा ट्रस्ट बेंगलूरु के नव निर्माणाधीन मंदिर के गर्भगृह की पूजा का भव्य आयोजन 12 से 14 अप्रैल 2025 के मध्य आयोजित किया जाएगा। यह शुभ अवसर श्री सिदेश्वर ब्रह्म ऋषि गुरुवर के पावन कर कमलों द्वारा संपन्न होगा। इस संबंध में ट्रस्ट की कोर कमेटी एवं ट्रस्टिगणों ने श्री सिदेश्वर ब्रह्म ऋषि गुरुवर से भेंट कर उन्हें कार्यक्रम में आमंत्रित किया। यह आयोजन रंका कॉलोनी, बीटीएम लेआउट में स्थित मंदिर में होगा। तैयारियां जोरों पर चल रही हैं, और इससे धर्मप्रेमी जनता के लिए एक प्रेरणादायक एवं आस्था से भरपूर अवसर का लाभ लेने का अवसर मिलेगा।*

दंपति मृत पाए गए, नोट में साहूकारों द्वारा उत्पीड़न का आरोप

बागलकोट/शुभ लाभ ब्यूरो। जिले के मुधोल तालुक के एक गांव में गुरुवार को एक किराना दुकान के मालिक और उनकी पत्नी मृत पाए गए।

राहगीरों ने सुबह घाटप्रभा नदी के किनारे मल्लप्पा लाली (55) और उनकी पत्नी महादेवी लाली (50) के शव देखे और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। दंपति ने एक पत्र छोड़ा है जिसमें कहा गया है कि उन्हें साहूकारों द्वारा लगातार परेशान किया जा रहा था। उन्होंने मेटगुड गांव में अपनी दुकान चलाने के लिए ऋण लिया था। मामला दर्ज कर लिया गया है।

मानसिक शांति के लिए मंत्रजाप और ध्यान जरूरी: आचार्य

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो। आचार्य विमलसागरसूरीश्वर ने कहा कि मानसिक शांति के लिए ध्यान और मंत्रजाप अत्यंत आवश्यक है। ये मन की खुराक है। जिस प्रकार तन को स्वस्थ रखने के लिये पौष्टिक भोजन करना पड़ता है, उसी प्रकार मन को शांत और स्वस्थ रखने के लिये ध्यान व मंत्रजाप करने चाहिए। आधुनिक युग का मनुष्य अधिक से अधिक भौतिक साधन-सामग्रियों में उलझकर बेहद परेशान हो रहा है। जीवन का अंत है, पर उसकी इस दौड़ का कोई अंत नजर नहीं आ रहा। जितने साधन और जितनी सुविधाएं हम अर्जित करते हैं, उतनी ही मानसिक शांति नष्ट होती जाती है। ध्यान और मंत्रजाप मानसिक शांति के प्रयोगसिद्ध अमोघ उपाय हैं। आकाश, पाताल और धरती, कोई कहीं भी पहुंचे, आखिरकार सभी को शांति और स्वस्थता के लिए ध्यान की शरण में आना हैं, मंत्रजाप से तारतम्यता प्राप्त करनी है। बुधवार प्रातः आदिनाथ जैन भवन में संगीतमय मंत्रजाप और साधना की विधियों

का मार्गदर्शन देते हुए जैनाचार्य ने साधकों को यह संदेश दिया। उन्होंने कहा कि तीन या तीन से अधिक स्वरों और व्यंजनों के जोड़ से बीजमंत्रों का निर्माण होता है। वे ध्वनिविज्ञान के अद्भुत आविष्कार हैं। प्राचीनकाल से इन बीजमंत्रों के हजारों-लाखों सफल प्रयोग हुए हैं। भौतिक संपादनों के बीच हर मनुष्य को ध्यान के प्रयोग और इष्टमंत्रों के जाप कर जीवन को निरापद और आनंदमय बनाने का प्रयत्न करना चाहिए। शांति से जीने का यही रास्ता है। देर-सबेर सभी को इस मार्ग पर आना है। प्रातः और रात को दो धर्मसभाएं भी यहां आयोजित हुईं। आचार्य विमलसागरसूरीश्वर ने कहा कि मन की भूख असीम है। उसे नियंत्रित कर जीवन को श्रद्धा, भक्ति और पवित्रता से ओतप्रोत बनाना चाहिए। वही श्रेष्ठ शकुन हैं। गणि पद्मविमलसागर ने बताया कि आध्यात्मिक अभिरुचि और साधना के बिना साधनों की कोई महत्ता सिद्ध नहीं होती। जहां साधन हार जाते हैं, वहां साधना जीवन को सही मार्ग देती है। गृहस्थ जीवन में दोनों का संतुलन साधकर ही आप सफल हो सकते हैं।

लोकेश तातेड़ अध्यक्ष, संजय सुराणा मंत्री बने

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जैन युवक संघ, अलसूर के द्विवार्षिक चुनाव में 2025 -26 के लिए लोकेश तातेड़ को अध्यक्ष, संजय सुराणा को मंत्री एवं महावीर सुराणा को कोषाध्यक्ष चुना गया। बुधवार रात जैन भवन में आयोजित चुनाव सभा में श्रावक संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया एवं अजीत लोढ़ा तथा दीपक सेठिया के निर्देशन में संचालित चुनाव प्रक्रिया में दीपक बोहरा एवं संदीप गादिया को उपाध्यक्ष तथा संजय बांठिया और अभिषेक बांठिया को सह मंत्री चुना गया। नव निर्वाचित सदस्यों को श्रावक संघ की ओर से बधाई देते हुए मंत्री अभय कुमार बांठिया ने कहा कि धार्मिक और सामाजिक सेवा के लिए युवकों को हमेशा तत्पर रहना चाहिए। संघ सेवा पुण्य का अवसर होता है और अवसर का सदुपयोग कर हम कई कीर्तिमान बना सकते हैं। अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने नई टीम को शुभकामनाएं दी। अभय कुमार बांठिया के मंगल पाठ के साथ चुनाव सभा संपन्न हुई।

क्या भाजपा के अंदरूनी कलह के दौरान शिवकुमार ने ऑपरेशन हस्त किया शुरू?

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। केपीसीसी अध्यक्ष डी.के. शिवकुमार ने भाजपा में विभाजन का लाभ उठाने और प्रभावशाली नेताओं को आकर्षित करने के लिए एक मास्टर प्लान तैयार किया है। आने वाले दिनों में ग्राम पंचायत और जिला पंचायत के चुनाव होने हैं, ऐसे में डी.के. शिवकुमार ने एक मास्टर प्लान तैयार किया है। कांग्रेस पार्टी को मजबूत करने और उस अवसर पर अधिक कांग्रेस उम्मीदवारों को जितवाने की योजना है। इसके लिए, ऑपरेशन का एक और दौर शुरू कर दिया गया है। केपीसीसी अध्यक्ष बनने के बाद से डी.के. शिवकुमार पार्टी कार्यकर्ताओं को सशक्त बनाने और अन्य दलों के प्रभावशाली लोगों को आकर्षित करने के लिए लगातार काम कर रहे हैं। इसी कड़ी में विधानसभा चुनाव से पहले बीजेपी के प्रभावशाली नेता रहे जगदीश शेट्टर और लक्ष्मण सावदी कांग्रेस में शामिल हो गए। बाद में विधानसभा चुनाव के दौरान कई नेता कांग्रेस में शामिल हो गए। कुछ स्थितियों में नेताओं का आना-जाना सामान्य बात है। चुनाव के दौरान इस प्रकार का अभियान चलाने से एक खास माहौल बनता है, जिसका फायदा कांग्रेस को मिला है। तीन विधानसभा क्षेत्रों के उपचुनावों के

दौरान भाजपा के सी.पी. योगेश्वर को पार्टी में शामिल किया गया। परिणामस्वरूप, कांग्रेस को तीनों निर्वाचन क्षेत्रों में भारी जीत हासिल हुई।

अब कांग्रेस के सामने जिला पंचायत और तालुका पंचायत चुनावों की चुनौती है। यह चुनाव जमीनी स्तर पर पार्टी संगठन को मजबूत करने और इसे कैडर आधारित पार्टी में बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस प्रकार, डी.के. शिवकुमार एक और दौर की शुरुआत कर रहे हैं और अपनी सारी शक्ति को मजबूत कर रहे हैं। भाजपा में इस समय गुटबाजी की राजनीति तेज है। बसनगौड़ा पाटिल यतनाल जैसे नेता वैचारिक रूप से कांग्रेस के विरोधी हैं। इसके अलावा डी.के. शिवकुमार भी उनसे निजी टकराव में उतर गए हैं। सूत्रों का कहना है कि डी.के. शिवकुमार ने जनार्दन रेड्डी से टकराव में चल रहे श्रीरामलु और ऐसे ही नरम हिंदुत्व समर्थकों को कांग्रेस की ओर आकर्षित करने की पहल की है। पार्टी के भीतर ही इस बात पर आपत्तियां उठ रही हैं कि जब पार्टी के मूल और वफादार कार्यकर्ताओं को सशक्त बनाना संभव नहीं है, तो अप्रवासी नेताओं को सत्ता देना कितना सही है। लेकिन कहा जा रहा है कि डी.के. शिवकुमार को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता और उन्होंने चुनावों को ध्यान में रखते हुए यह काम अपने हाथ में ले लिया है।

मुख्यमंत्री के दबाव के आगे झुकते हुए लोकायुक्त ने दी क्लीन चिट? विजयेंद्र

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई. विजयेंद्र ने कहा कि यह संभव है कि लोकायुक्त ने मुख्यमंत्री के दबाव में आकर मुडा मामले में क्लीन चिट दे दी हो। अगर क्लीन चिट दी गई तो हम इसके खिलाफ लड़ेंगे।

यहां मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि हालांकि लोकायुक्त जांच एजेंसी ने मुडा घोटाले में मुख्यमंत्री को क्लीन चिट दे दी है, जैसा कि मीडिया में बताया गया है। लोकायुक्त जांच ठीक से नहीं हो रही है। उन्होंने विश्लेषण किया कि भाजपा द्वारा कई दिनों से व्यक्त की जा रही यह आशंका कि मुख्यमंत्री दबाव में आ गए हैं, सच प्रतीत होती है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भी एक प्रेस नोट जारी किया। उन्होंने मीडिया को बताया कि मुडा घोटाले में कितने करोड़ रुपए शामिल थे। दूसरी ओर, राज्य उच्च न्यायालय ने भी मैसूरु मुडा घोटाले की तह तक जाकर जांच की है। इस बीच, मुख्यमंत्री और राज्य सरकार ने राज्यपाल को अपमानजनक तरीके से अपमानित किया। यदि यह सच है कि लोकायुक्त ने उच्च न्यायालय के फैसले के साथ ही अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की थी, तो यह निश्चित रूप से सही नहीं है। उन्होंने कहा कि इसमें कोई पवित्रता नहीं है। उन्होंने कहा कि हमारा स्पष्ट मत है कि मुख्यमंत्री के दबाव के कारण क्लीन चिट दी गई। इस सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा, ईडी का मीडिया के सामने निराधार बयान देना संभव नहीं है। अगर यह कहा जाता है कि मुडा घोटाला हुआ है, तो इसके सबूत भी मौजूद हैं। ई.डी. रिपोर्ट के मद्देनजर मुख्यमंत्री ने जल्दबाजी में क्लीन चिट हासिल करने का काम किया। उन्होंने कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं होना चाहिए। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा जब प्रदेश अध्यक्ष का मुद्दा आता है तो कुछ प्रमुख लोग मेरे खिलाफ बयानबाजी कर रहे हैं। इससे पहले हुई बैठक में राष्ट्रीय महासचिव राधा मोहन दास, सह-प्रभारी सुधाकर रेड्डी और राज्य के प्रभारी पोन्नू राधाकृष्ण भी मौजूद थे। इस बैठक में 55-60 विधायक, विधान परिषद सदस्य और सांसद शामिल हुए। 80-90 प्रतिशत लोगों का मानना है कि प्रदेश अध्यक्ष अच्छा काम कर रहे हैं। अखबारों में यह भी खबर छपी है कि विजयेंद्र को यह राय दी गई कि उन्हें पद पर बने रहना चाहिए। उन्होंने इस तथ्य की ओर ध्यान आकर्षित किया कि इसकी रिपोर्ट मीडिया में भी आई है।

कार्यकर्ता मेरे काम की सराहना कर रहे हैं। कुछ लोगों द्वारा असंतोष व्यक्त करना स्वाभाविक है। उनका असंतोष अध्यक्ष पद को लेकर नहीं है। हमारी व्यवस्था लोकतांत्रिक है। जिला अध्यक्ष के चुनाव पहले से ही चल रहे हैं। प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए भी चुनाव होगा। उन्होंने सवाल के जवाब में कहा कि आने वाले दिनों में हर बात का उचित जवाब मिल जाएगा। मेरी और कार्यकर्ताओं की इच्छा है कि पार्टी नेता स्थानीय चुनावों से पहले पार्टी के अंदर हो रहे घटनाक्रम पर ध्यान दें। उन्होंने सवाल के जवाब में कहा कि भाजपा के भीतर जो कुछ हो रहा है उससे मैं या कार्यकर्ता खुश नहीं हैं। पिछले एक साल से कुछ नेता पूर्व मुख्यमंत्री और सामाजिक कार्यकर्ता येदियुरप्पा के बारे में अपमानजनक बयान दे रहे हैं। इससे कार्यकर्ता आहत हैं। उन्होंने कहा कि वे सभी मामलों को राष्ट्रीय नेताओं के ध्यान में लाकर उनमें सुधार लाएंगे। मैंने मीडिया में श्रीरामुलु के शब्दों को देखा है, जिसमें उन्होंने श्रीरामुलु के मुद्दे पर कोर कमेटी में पहले हुई चर्चा के बारे में कहा है। श्रीरामुलु एक वरिष्ठ व्यक्ति हैं और मैं उनका सम्मान करता हूं। अंदर राष्ट्रीय महासचिव राधा मोहन दास की मौजूदगी में चर्चा हुई कि हम सबको एकजुट होना चाहिए। उन्होंने एक अन्य प्रश्न के उत्तर में कहा कि भाजपा को बहुमत के साथ सत्ता में लाने के लिए कुछ चर्चाएं हुई हैं। हम इस बारे में खुल कर बात नहीं कर सकते। श्रीरामुलु को भी गलतफहमी का शिकार नहीं बनना चाहिए।

बैंक डकैती मामले में मुंबई, तमिलनाडु से चार और हिरासत में लिए गए

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कोटेकर कोऑपरेटिव बैंक, केसी रोड शाखा में हुई दुस्साहसिक डकैती के सिलसिले में अधिकारियों ने चार और व्यक्तियों को हिरासत में लिया है। विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार, दो संदिग्धों को तमिलनाडु और दो को मुंबई में पकड़ा गया। संदिग्धों को आगे की जांच के लिए मेंगलूरु लाने के लिए अतिरिक्त पुलिस दल भेजे गए हैं। इससे पहले, इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था, जिसमें कथित तौर पर लगभग दस व्यक्ति सीधे तौर पर शामिल हैं। प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि मेंगलूरु में अपराध करने के बाद, गिरोह के कुछ सदस्य तमिलनाडु भाग गए और चोरी किए गए सोने को आपस में बांट लिया। अधिकारियों ने अब ऐसे दो व्यक्तियों को हिरासत में लिया है और चोरी किए गए सोने का कुछ हिस्सा बरामद किया है, हालांकि आधिकारिक पुष्टि का इंतजार है। तमिलनाडु के तिरु-नेलवेली जिले में पुलिस अभियान के तहत पद्मनेरी गांव निवासी मुरुगंडी थेवर (36) और मुंबई के गोपीनाथ चौक निवासी योसुवा राजेंद्रन (35) को हिरासत में लिया गया। दोनों को तमिलनाडु में एक न्यायाधीश के समक्ष पेश

किया गया और ट्रांजिट वारंट के तहत मेंगलूरु लाया गया। इसके अलावा, केरल के एक संदिग्ध, जिसका पहले आपराधिक रिकॉर्ड था और धारावी स्थित एक गिरोह से संबंध था, के बारे में माना जाता है कि उसने डकैती की योजना बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। जांचकर्ता यह पता लगा रहे हैं कि क्या वह मास्टरमाइंड था या अन्य लोग इसमें शामिल थे। पुलिस ने एक फिएट कार, दो पिस्तौल, चार जिंदा गोलियां, 3 लाख रुपये नकद और 2 किलो सोना बरामद किया है। हालांकि, चोरी की गई कुल राशि लगभग 18-19 किलोग्राम सोना थी, जिसमें से एक बड़ा हिस्सा गायब है। यह पता लगाने के प्रयास चल रहे हैं कि क्या शेष सोना केरल या तमिलनाडु में कहीं और वितरित किया गया था या छिपाया गया था। मेंगलूरु पुलिस ने पहले मुंबई के चेंबूर से कन्नन मणि (36) सहित तीन आरोपियों को हिरासत में लिया था। उल्लाल के पास अलंकार हिल पर एक साइट निरीक्षण के दौरान, कन्नन ने भागने का प्रयास किया और पुलिस ने उसके पैर में गोली मार दी। वह अब कड़ी सुरक्षा के बीच एक निजी अस्पताल में इलाज करा रहा है। टीम मुंबई और अन्य स्थानों पर आरोपियों के घरों और सहयोगियों पर कड़ी निगरानी रख रही हैं। अधिकारी स्थानीय लोगों से संभावित संबंधों की भी जांच कर रहे हैं और गिरोह द्वारा लूटे गए माल के वितरण का विश्लेषण कर रहे हैं। इस हाई-प्रोफाइल मामले ने स्थानीय संबंधों और पहचान के बारे में अटकलों के साथ-साथ सार्वजनिक चर्चा को भी जन्म दिया है। पुलिस मामले को तुरंत सुलझाने और चोरी हुए शेष सोने को बरामद करने के लिए दृढ़ संकल्पित है।

लोकायुक्त की क्लीन चिट के बारे में पता नहीं

मुख्यमंत्री पद के संबंध में आलाकमान का निर्णय होगा अंतिम: सीएम

बेंगलूरु/ शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा कि मुख्यमंत्री पद के संबंध में आलाकमान द्वारा लिया गया निर्णय अंतिम है। उन्होंने अपने जन दिवस के तहत विधान सौधा के सामने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के बाद पत्रकारों से बात की। डीसीएम डीके शिवकुमार और मंत्री सतीश जारकीहोली के प्रशंसकों द्वारा उनके मुख्यमंत्री बनने की उम्मीदों पर प्रतिक्रिया देते हुए सीएम ने कहा कि पार्टी हाईकमान का फैसला अंतिम है।

उन्होंने कहा कि मुडा मामले में लोकायुक्त की जांच रिपोर्ट के बारे में उन्हें कोई जानकारी नहीं है। दावोस शिखर सम्मेलन में अपनी भागीदारी पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि वह 2025 के दावोस शिखर सम्मेलन में भाग नहीं ले पाएंगे क्योंकि उन्हें इस वर्ष के बजट की तैयारियों पर काम करना है।

भाजपा के इस आरोप पर कि निगम और बोर्डों को धनराशि जारी नहीं की जा रही है, पर उन्होंने कहा कि भाजपा झूठे आरोप लगा रही है। उन्होंने कहा कि उनके आरोप राजनीति से प्रेरित हैं। मुडा मामले में सिद्धरामैया और उनके परिवार को लोकायुक्त द्वारा क्लीन चिट दिए जाने पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें इस बारे में कोई जानकारी नहीं है।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा कि सुभाष चंद्र बोस, जिन्होंने भारत को ब्रिटिश शासन से मुक्त कराने और सभी भारतीयों को ब्रिटिश गुलामी से मुक्ति दिलाने के लिए दृढ़ संकल्प के साथ लड़ाई लड़ी, एक अद्वितीय देशभक्त थे जिन्होंने देश के लिए अपना बलिदान दिया। आज नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 128वीं जयंती है। एक महान देशभक्त जिसका अपने देश के प्रति अपार सम्मान था। उन्होंने आईसीएस परीक्षा उत्तीर्ण की थी, जो ब्रिटिश काल के दौरान वर्तमान आईएएस परीक्षा के समान थी। लेकिन उन्होंने अपने उज्ज्वल भविष्य की बलि दे दी और देश की आजादी के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। उन्होंने दो बार कांग्रेस के अध्यक्ष के रूप में भी कार्य किया। सुभाष का मानना था कि यदि भारत महात्मा गांधी द्वारा बताए गए सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलेगा तो उसके लिए स्वतंत्रता प्राप्त करना कठिन होगा। इसलिए, उन्होंने हथियारों का उपयोग करके अंग्रेजों को भारत से बाहर निकालने के उद्देश्य से आई.एन.ए. (भारतीय राष्ट्रीय सेना) की स्थापना की। नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर हमें न केवल उनके जीवन और उपलब्धियों का स्मरण करना चाहिए, बल्कि उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प भी लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस संबंध में सरकार ने इस महान नेता को श्रद्धांजलि दी है।

सरकार की फूट डालो और राज करो की नीति पर निशाना साधा

कोरागा समुदाय को न्याय मिलना चाहिए: वृंदा करात

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

आदिवासी अधिकार मंच की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वृंदा करात ने गुरुवार को घंटाघर में आदिवासी आक्रोश रैली में उपस्थित लोगों को संबोधित किया। उन्होंने कोरागा समुदाय के लिए न्याय और अधिकारों की आवश्यकता पर जोर दिया और सरकार की फूट डालो और राज करो की नीति पर हमला बोला। रैली से पहले कोरागा समुदाय के सदस्यों ने ज्योति सर्किल से घंटाघर तक मार्च निकाला।

कार्यक्रम के दौरान वृंदा करात ने पत्रकार नवीन सूरिंजे द्वारा लिखी गई पुस्तक कोरगारू तुलुनादिना माथरू समुदाय का विमोचन किया। करात ने कोरागा समुदाय की दुर्दशा के बारे में भावुकता से बात की, जो विशेष रूप से कमजोर आदिवासी समूहों (पीवीटीजी) में सबसे अधिक उत्पीड़ित है। उन्होंने भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए दावा किया कि इसकी नीतियों ने ऐतिहासिक रूप से समुदायों को जाति के आधार पर विभाजित किया है, जो ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन की विभाजनकारी रणनीति की याद दिलाता है। उन्होंने कहा सरकार कहती है फूट डालो, बांटो, बांटो, लेकिन हम कहते हैं एक हो जाओ, एक हो जाओ, एक हो जाओ। हमें जहरीली जाति व्यवस्था से लड़ने के लिए एकजुट होना चाहिए। यह एकता हमारा हथियार है, और कोई भी इसे हमसे नहीं छीन सकता। करात ने संविधान लागू होने की आगामी 75वीं वर्षगांठ पर भी प्रकाश डाला, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अन्य नेताओं द्वारा मनाए जा रहे जश्न की तुलना उन्होंने संसद सत्र में केंद्रीय मंत्री अमित शाह द्वारा डॉ. बी.आर. अंबेडकर का अपमान करने के रूप में की। करात ने जोर देकर कहा डॉ. अंबेडकर हमेशा हमारे दिलों में रहेंगे। उन्होंने बताया कि कर्नाटक में कोरागा समुदाय, जिसकी वर्तमान संख्या लगभग 16,000 है, कम जन्म दर के कारण आने वाले वर्षों में 12,000 तक घट सकती है। उन्होंने आजलू की प्रथा की निंदा की, जो भाजपा और आरएसएस द्वारा संस्कृति के हिस्से के रूप में प्रचारित एक अपमानजनक परंपरा है, और कोरागा समुदाय द्वारा सामना किए जाने वाले अस्पृश्यता के ऐतिहासिक अन्याय के लिए मुआवजे की मांग की। करात ने केरल सरकार की कोरागा समुदाय को समर्थन देने के प्रयासों की भी प्रशंसा की, खास तौर पर ऑपरेशन स्माइल के जरिए, जिसके तहत कासरगोड और मंजेश्वर में 59 कॉलोनियों और 15 गांवों की पहचान की गई। सरकार ने विशेष शिक्षा पैकेज दिए हैं, सामुदायिक रसोई खोली हैं और कोरागा समुदाय को 193.5 हेक्टेयर जमीन वितरित की है। उन्होंने कहा हमें सरकार से दान की जरूरत नहीं है। हम आदिवासी समर्थक कानूनों के क्रियान्वयन और सम्मान की मांग करते हैं जो हमारा अधिकार है। जबकि दूसरे हमारे भगवान कोरगाज्जा की पूजा करते हैं, वे हमें गंदा खाना खिलाते हैं और हमारे साथ जानवरों जैसा व्यवहार करते हैं। वे हमारे भगवान की तस्वीरें अपनी दीवारों पर टांगते हैं, लेकिन हमारे पास अपनी खुद की दीवार भी नहीं है। करात ने भाजपा और कांग्रेस दोनों की आलोचना की और कहा कि कांग्रेस ने भाजपा पर चुनाव जीत लिया, लेकिन वे कोरागा समुदाय के लिए कोई घोषणा या प्रतिबद्धता करने में विफल रहे। उन्होंने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार के बीच आंतरिक संघर्ष की ओर इशारा करते हुए कहा वे सत्ता के लिए लड़ने में अपनी ऊर्जा बर्बाद कर रहे हैं जबकि हम, कोरागा समुदाय, अपने अधिकारों के लिए लड़ रहे हैं। करात ने आगामी राज्य बजट की निगरानी के महत्व पर जोर देते हुए निष्कर्ष निकाला कि कोरागा समुदाय के लिए कोई प्रावधान किया गया है या नहीं। उन्होंने विशेष रूप से कमजोर आदिवासी समूह के रूप में मान्यता की मांग की पुष्टि की और न्याय और समानता के लिए लड़ाई जारी रखने का संकल्प लिया।

डकैतियों के पीछे फर्जी नंबर प्लेट रैकेट

सरकार एचएसआरपी कार्यान्वयन की करती है उपेक्षा

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक में कई लूट की घटनाओं में एक चौंकाने वाला खुलासा हुआ है, जिसमें अपराधियों द्वारा नकली नंबर प्लेट का इस्तेमाल किया गया है। उल्लेखनीय मामलों में बीदर एटीएम डकैती, कोटेकर सहकारी बैंक डकैती और मैसूरु की घटना शामिल है, जहां एक उद्यमी को लुटेरों द्वारा रोककर 1.5 लाख रुपये लूट लिए गए थे। कोटेकर सहकारी बैंक की केसी रोड शाखा में हाल ही में हुई डकैती में, अपराधियों द्वारा इस्तेमाल की गई फिएट कार में कई नंबर प्लेट बदली गई थी। उडुपी में प्रवेश करते समय इस पर महाराष्ट्र का पंजीकरण था, लेकिन हेजामडी टोल प्लाजा को पार करने के बाद इस पर फर्जी बेंगलूरु पंजीकरण दिखा। अपराध के बाद, वाहन

कथित तौर पर केरल चला गया था। मैसूरु की घटना में, जहां लुटेरों ने एक उद्यमी पर हमला किया और लूटपाट की, गिरोह ने कई फर्जी पंजीकरणों वाले वाहन का इस्तेमाल किया, जिसमें कई राज्यों के नंबर प्लेट शामिल हैं। वाहन से पाँच से ज्यादा फर्जी नंबर प्लेट बरामद की गईं, जो इस रैकेट की हद को दर्शाता है। जाँच में पता चला है कि पूरे राज्य में फर्जी नंबर प्लेट का एक बड़ा नेटवर्क चल रहा है। इन प्लेटों का इस्तेमाल सिर्फ कारों पर ही नहीं बल्कि पिक-अप, ऑटो-रिक्शा और टेम्पो जैसे दूसरे वाहनों पर भी किया जाता है, जिससे माल की अवैध ढुलाई होती है। हाल ही में बीसी रोड टोल गेट पर हुई एक घटना ने तस्करी के लिए फर्जी प्लेट का इस्तेमाल करने वाले वाहनों का पर्दाफाश किया। वाहन के पंजीकरण को टैग से जोड़ने वाले फास्ट टैग के क्रियान्वयन के बावजूद, टोल बूथ अक्सर नंबर प्लेट की प्रामाणिकता की जाँच नहीं करते। केसी रोड डकैती के बाद की गई समीक्षा में पता चला कि एक ही वाहन अलग-अलग पंजीकरण के साथ कई टोल गेट से गुजरा था। वाहन सुरक्षा और अपराध का त्वरित पता लगाने के उद्देश्य से शुरू की गई हाई-सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट (एचएसआरपी) पहल का कर्नाटक में सीमित रूप से पालन किया गया है। जबकि एचएसआरपी प्लेट में इंजन और चेसिस नंबर जैसे जरूरी विवरण होते हैं जो एक केंद्रीय डेटाबेस से जुड़े होते हैं, राज्य में केवल 34 लाख वाहन ही एचएसआरपी के साथ पंजीकृत हैं, जिससे दुरुपयोग की गुंजाइश बनी हुई है। इन प्लेटों को अनधिकृत संशोधनों को रोकने के लिए डिजाइन किया गया है, क्योंकि स्कैन करने पर किसी भी छेड़छाड़ का तुरंत पता चल जाता है। चोरी के वाहनों को ट्रैक करने और अपराधों को रोकने में इसके लाभों के बावजूद, राज्य सरकार ने इस प्रणाली को प्रभावी ढंग से लागू नहीं किया है। बेंगलूरु के अशोकनगर में, ट्रैफिक पुलिस ने हाल ही में एक ही पंजीकरण संख्या वाली दो कारों की पहचान की। जब पुलिस ने पंजीकृत मालिक जॉन मार्टिन से उनकी कार को नो-पार्किंग जोन में पार्क किए जाने के बारे में संपर्क किया, तो उन्होंने पाया कि एक अन्य कार का पंजीकरण उनके जैसा ही था। इसके बाद ट्रैफिक पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज की गई। नकली नंबर प्लेट के इस्तेमाल की घटनाओं में वृद्धि के साथ, ऐसे आपराधिक नेटवर्क की गतिविधियों को रोकने के लिए एचएसआरपी पंजीकरण के कड़े प्रवर्तन और टोल गेटों पर निगरानी बढ़ाने की तत्काल आवश्यकता है।

अनैतिक गतिविधियों का आरोप

श्री राम सेना ने यूनिसेक्स सैलून पर किया हमला

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

प्रसाद अत्तावर के नेतृत्व में श्री राम सेना के कार्यकर्ताओं ने मेंगलूरु के बेजई में केएसआरटीसी के पास एक यूनिसेक्स सैलून पर हमला किया और उस पर अनैतिक गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगाया। संगठन ने बेजई के पास कलर्स नामक एक यूनिसेक्स सैलून को निशाना बनाया, विरोध में फर्नीचर को नुकसान पहुंचाया और कांच को तोड़ दिया। अनैतिक प्रथाओं का आरोप लगाते हुए, कार्यकर्ताओं ने प्रतिष्ठान में तोड़फोड़ करके अपना आक्रोश व्यक्त किया। श्री राम सेना ने मेंगलूरु शहर में चल रहे सभी मसाज सेंटरों को तत्काल बंद करने की मांग की, और ऐसे प्रतिष्ठानों में अनुचित आचरण के खिलाफ अपना दृढ़ रुख जताया।

उडुपी में मंकीपॉक्स का मामला आया सामने

मरीज ठीक हुआ, अस्पताल से छुट्टी मिली

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

दुबई की यात्रा करने वाले उडुपी के एक निवासी को मंकीपॉक्स होने का पता चला है। उडुपी की डिप्टी कमिश्नर (डीसी) डॉ. विद्याकुमारी ने पुष्टि की कि व्यक्ति का जिला अस्पताल में इलाज किया गया और अब वह ठीक हो गया है। मरीज के नमूनों को आगे की प्रयोगशाला जांच के लिए भेजा गया है और स्वास्थ्य अधिकारी रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं। मीडिया को संबोधित करते हुए डीसी डॉ. विद्याकुमारी ने कहा व्यक्ति के रिश्तेदारों या करीबी संपर्कों में बीमारी के कोई लक्षण नहीं हैं। विदेश से आया मरीज आते ही सीधे अस्पताल गया और उसने दूसरों से संपर्क नहीं किया। डीसी ने लोगों को आश्वस्त किया कि घबराने की कोई बात नहीं है क्योंकि सभी आवश्यक एहतियाती उपाय किए गए हैं। मरीज को तुरंत आइसोलेट कर दिया गया और उसका इलाज किया गया। इसके अलावा, व्यक्ति के सभी करीबी संपर्कों की जांच की गई है और किसी में भी कोई लक्षण नहीं दिखा है।

कर्म किसी को नहीं बख्शता

यदि पूर्व मंत्री बी. श्रीरामुलु भाजपा छोड़ना चाहते हैं तो उन्हें छोड़ने दीजिए: जनार्दन रेड्डी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
भाजपा विधायक गली जनार्दन रेड्डी ने कहा कि यदि पूर्व मंत्री बी. श्रीरामुलु भाजपा छोड़ना चाहते हैं तो उन्हें छोड़ने दीजिए। मुझे इस पर कोई आपत्ति नहीं है। लेकिन मेरे खिलाफ झूठे आरोप नहीं लगाए जाने चाहिए। कर्म किसी को नहीं छोड़ता, मुझको भी नहीं। हमने जो पाप किया है, उसके लिए हमें कष्ट भोगना होगा। यदि श्रीरामुलु यह निर्णय लेते हैं कि वह भाजपा में नहीं रह सकते तो वह पार्टी छोड़ने के लिए स्वतंत्र हैं।

उन्होंने आवास पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की और श्रीरामुलु द्वारा लगाए गए आरोपों का विस्तृत जवाब दिया। श्रीरामुलु को आत्मचिंतन करना चाहिए कि 40 साल पहले वह कैसे थे। मैंने उन्हें हाथियों की तरह पाला। अब वे मुझ पर आरोप लगा रहे हैं। मैं राजनीति में यह सब देखते हुए बड़ा हुआ हूं। श्रीरामुलु भाजपा छोड़कर कांग्रेस में शामिल होने की कगार पर हैं। वहां, केपीसीसी अध्यक्ष डी.के. शिवकुमार, मंत्री सतीश जारकीहोली श्रीरामुलू को मनाने में जुटे हैं। भाजपा एक महासागर की तरह है। उन्होंने चेतावनी दी कि चाहे कोई भी आए या जाए, उनमें प्रतिरोध करने की ताकत है। मैं कोई खेलने वाला बच्चा नहीं हूं। मैं गोलकीपर के रूप में खेलते हुए राजनीति पर नजर रखता रहा हूं। भाजपा जानती है कि मेरी ताकत क्या है। श्रीरामुलु वह लड़का है जिसका पालन-पोषण मैंने किया है। मुझे पार्टी के लिए उनसे सिफारिशें लेने की जरूरत नहीं है। मैंने संदूर उपचुनाव में पार्टी की हार पर अपनी राय व्यक्त की है। मैंने पूर्व केंद्रीय मंत्री सदानंद गौड़ा की अध्यक्षता वाली समिति को अपनी राय बता दी है। रेड्डी ने पूछा यदि मुझ पर ऐसा आरोप लगाया जाए तो मुझे क्या करना चाहिए? मैं 14 वर्षों से अपने गृह जिले बल्लारी नहीं गया था। उस समय, श्रीरामुलु ने मुझे हर तरह से धोखा दिया। अगर मैं आपको बताऊं तो यह अविश्वसनीय होगा। अगर आप बोलेंगे तो जांच एजेंसियों को जांच करनी पड़ेगी। उन्होंने यह कहकर जिज्ञासा जगाई कि वे उचित समय पर यह बात बताएंगे। श्रीरामुलु पर हत्या का आरोप लगाया गया था। उन्होंने कहा कि वह हत्या करेगा। लेकिन मैंने उन्हें यह सब न करने के लिए पाला था। अपने परिवार की रक्षा की। मैं अब उनकी रक्षा करने के कारण कष्ट झेल रहा हूं। उन्होंने कांग्रेस टिकट के लिए प्रयास किया था। लेकिन मुझे भाजपा ने टिकट दिया। श्रीरामुलु के ससुर रेलवे बाबू की हत्या कर दी गई। यह 1991 में घटित एक भयानक हत्या थी। श्रीरामुलु के आज बोलने के कई कारण हैं। उस दिन, श्रीरामुलू अपनी पीठ पर चाकू और एक लंबी छड़ी लेकर आए। हमें उस दिन श्रीरामुलु को बचाना था। मैने उन्हें बचा लिया। मैं उस दिन उनके साथ खड़ा था। 2004 में एक पार्षद की हत्या कर दी गई थी। उस समय श्रीरामुलु पहली बार विधायक बने। श्रीरामुलु पर हत्या का आरोप लगाया गया था। जब मैं भाजपा जिला अध्यक्ष था तब मैंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। जिसमें कहा कि दिवाकर रेड्डी और सूर्यनारायण रेड्डी ने हत्या की। दिवाकर रेड्डी ने वह हत्या की थी। सूर्यनारायण रेड्डी ने श्रीरामुलु के ससुर की हत्या का वित्तपोषण किया था। उस दिन, श्रीरामुलु दौड़ते हुए मेरी ओर आए। उन्होंने कहा कि उस दिन मैंने जो किया, वह आज गलत हो गया है।

दिवाकर बाबू ने 1999 में कॉरपोरेशन का टिकट जीता था। उस दिन मैं कांग्रेस में श्रीरामुलु के लिए टिकट पाने की कोशिश कर रहा था। उस दिन मैं श्रीरामुलु को येदियुरप्पा के पास ले गया। मैं उन्हें उनके घर ले गया और उन्हें टिकट दिया। इसके बाद 2004 में श्रीरामुलु पहली बार विधायक बने। मुझे 2006 में पहली बार मंत्री बनने के लिए आमंत्रित किया गया था। येदियुरप्पा ने कहा आपको मंत्री बनना चाहिए। मैं मंत्री नहीं बनना चाहता। मैंने कहा, श्रीरामुलु को मंत्री बनाओ। यही गलती मैंने की थी।

भूमि विवाद में एक व्यक्ति घायल, जवाबी शिकायत दर्ज

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।
जिले के बसरूर गांव में एक भूमि विवाद उस वक्त हिंसक हो गया, जब एक समूह ने कथित तौर पर घास काटने वाली मशीन से एक व्यक्ति पर हमला किया। घटना में केशव नामक व्यक्ति घायल हो गया। आरोपियों की पहचान विट्ठल, अप्पू, उदय, विनोद, राघवेंद्र, रघु, सुमति और शंकर के रूप में की गई है। कथित तौर पर उनका केशव के साथ भूमि और पारंपरिक गराड़ी (व्यायामशाला) घर को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। घटना के दिन, विट्ठल कथित तौर पर घास काटने वाली मशीन लेकर केशव के खेत में घुस गया और घास साफ करने लगा। जब केशव ने उसका विरोध किया, तो कथित तौर पर मशीन उस पर पलट गई, जिससे खुद को बचाने की कोशिश करते समय उसके हाथ में चोट लग गई। केशव को इलाज के लिए सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। इसके अलावा, एक शिकायत दर्ज की गई जिसमें कहा गया कि केशव की बहन, जो उसकी मदद के लिए आई थी,

पर भी हमला किया गया। जवाबी शिकायत में विट्ठल (55) ने आरोप लगाया कि केशव ने कृष्णा, राजू, गंगाधर, पांडु, गिरिजा, लक्ष्मी और उषा के साथ मिलकर गराड़ी घर के पास घास साफ करने पर आपत्ति जताई। बताया जाता है कि यह गतिविधि पास के मुदकेरी गराड़ी में आयोजित वार्षिक केंडा सेवे (अग्नि-चलन अनुष्ठान) की तैयारी में थी। विवाद के दौरान, समूह ने कथित तौर पर मशीन खींच ली, जिससे विट्ठल का संतुलन बिगड़ गया और वह गिर गया, जिससे आगे की मारपीट हुई। दोनों मामले ग्रामीण पुलिस स्टेशन में दर्ज किए गए हैं, और घटना के पीछे के तथ्यों को जानने के लिए जांच जारी है।

राज्य सरकार इस बजट में फिर से

1 लाख करोड़ रुपये उधार लेने की बना रही योजना: आर अशोक

तुमकुरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक के नेता प्रतिपक्ष (एलओपी) आर. अशोक ने बुधवार शाम को राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि वह इस बजट में फिर से 1 लाख करोड़ रुपये उधार लेने की योजना बना रही है।

पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने बताया कि वित्त विभाग के सचिव ने कहा है कि सरकारी राजस्व में 20 प्रतिशत की गिरावट आई है। उन्होंने दावा किया सरकार इस बजट में 1 लाख करोड़ रुपये उधार लेने की योजना बना रही है। भाजपा के कार्यकाल में बिना कर्ज लिए अधिशेष बजट हासिल किया गया था। जब से कांग्रेस सत्ता में आई है, कर्नाटक कर्ज में डूबा हुआ राज्य बन गया है। वे राज्य को ऐसी स्थिति की ओर ले जा रहे हैं, जहां उसे केरल की तरह भीख मांगनी पड़ेगी। उन्होंने यह भी दावा किया कि सिद्धरामैया एक निवर्तमान मुख्यमंत्री हैं, जिन्हें कोई चिंता नहीं है। वहीं कुछ विधायकों ने अनुदान की कमी के कारण आत्महत्या की धमकी दी है। उन्होंने कहा इस मुद्दे पर कथित तौर पर कांग्रेस की बैठकों में बहस हुई है। उन्होंने आरोप

लगाया कि कांग्रेस सरकार में कोई विकास कार्य नहीं हुआ है, यहां तक कि कांग्रेस के विधायक भी इस तथ्य को स्वीकार कर रहे हैं, जबकि बैंक डकैती, गायों के थन काटने और बलात्कार जैसी आपराधिक गतिविधियां बेरोकटोक जारी हैं। उन्होंने कहा इन सबके बावजूद सवाल उठता है कि कांग्रेस सरकार के लिए 'जय बापू, जय भीम, जय संविधान' के लिए बेलगावी सम्मेलन के लिए पैसा कहां से आया। उन्होंने दावा किया कि भ्रष्टाचार के जरिए जुटाए गए धन का इस्तेमाल सम्मेलन के लिए किया गया। अब कीमतें बढ़ाकर सरकार ने लोगों पर अतिरिक्त बोझ डाल दिया है। शुरू में उन्होंने कहा कि कोई कर नहीं लगाया जाएगा, लेकिन बाद में उन्होंने बोझ सीधे लोगों के कंधों पर डाल दिया। इस बीच, मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने 2025-26 के बजट से पहले वित्त विभाग का नेतृत्व करने के लिए हार्वर्ड के पूर्व छात्र रितेश कुमार सिंह को चुना है। सूत्रों ने कहा कि राज्य सरकार राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस पार्टी के प्रमुख कार्यक्रम माने जाने वाले पांच गारंटी योजनाओं पर खर्च को देखते हुए दुविधा में है। हालांकि, कांग्रेस विधायक और मंत्री विकास, बुनियादी ढांचे पर खर्च और बेंगलूरु तथा राज्य के प्रमुख शहरों के विकास के लिए धन के आवंटन के पक्ष में हैं। सूत्रों ने बताया कि सिद्धरामैया मार्च में 2025-26 का बजट पेश करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं, जिसके 4 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने की उम्मीद है। वित्त मंत्री के तौर पर यह सिद्धरामैया का 16वां बजट होगा। सिद्धरामैया ने 2024-25 के लिए 3.71 लाख करोड़ रुपये का बजट पेश किया था। राज्य सरकार पांच गारंटी योजनाओं के लिए हर साल 52,000 करोड़ रुपये खर्च कर रही है।

अश्लील भाषा मामला

कोर्ट ने सीटी रवि के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं करने का दिया निर्देश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
उच्च न्यायालय ने सदन में महिला एवं बाल कल्याण मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर के खिलाफ अश्लील शब्दों का प्रयोग करने के मामले में विधान परिषद सदस्य सी.टी. रवि के खिलाफ सीआईडी पुलिस को कोई भी दंडात्मक कार्रवाई नहीं करने का निर्देश दिया है। विधान परिषद सदस्य सी.टी. रवि ने अपने खिलाफ मामला रद्द करने की मांग को लेकर उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी। याचिका पर सुनवाई करने वाले उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों ने मामले की जांच कर रही सीआईडी को आदेश दिया कि वह सी.टी. रवि के खिलाफ कोई दबावपूर्ण निर्णय न ले। वरिष्ठ वकील सी.वी. नागेश, जिन्होंने पहले रवि की ओर से दलील दी थी, ने कहा कि उनके मुवक्किल ने

मंत्री के खिलाफ किसी भी अभद्र शब्द का इस्तेमाल नहीं किया था। विधान परिषद की कार्यवाही में दर्ज जानकारी से यह स्पष्ट है। उन्होंने न्यायाधीशों के ध्यान में लाया कि यद्यपि विधान परिषद के अध्यक्ष ने पहले ही इस मामले पर फैसला सुना दिया है और कहा है कि यह अध्याय बंद हो चुका है, फिर भी सरकार दुर्भावनापूर्ण इरादे से जांच कर रही है। एक बार अध्यक्ष या पीठासीन अधिकारी द्वारा किसी मामले का निपटारा कर दिए जाने के बाद, उसकी दोबारा जांच करने का कोई अवसर नहीं होता। अध्यक्ष स्वयं पहले ही आदेश दे चुके हैं कि सदस्यों और मंत्रियों को अभद्र भाषा का प्रयोग नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा मामले की जांच सीआईडी को सौंपने से कई संदेह पैदा हुए हैं। मामले के सिलसिले में आवाज परीक्षण कराया गया। सुनवाई के दौरान मौजूद रवि ने इससे इनकार किया। इस प्रकार, सीआईडी जांच दल ने उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। इसके अलावा, सी.टी. रवि ने भी उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर कर सीआईडी पुलिस द्वारा उनके खिलाफ दर्ज मामले को रद्द करने की मांग की थी। पिछले शीतकालीन सत्र के आखिरी दिन सुवर्ण सौधा की कार्यवाही के दौरान मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर और सी.टी. रवि के बीच गरमागरम बहस हुई थी। इस समय हेब्बालकर पर मंत्री के प्रति अभद्र भाषा का प्रयोग करने का आरोप लगाया गया था, क्योंकि उन्होंने रवि को हत्यारा कहा था। इस पृष्ठभूमि में, बेलगावी के खानपुर पुलिस स्टेशन द्वारा उनकी गिरफ्तारी से बड़ा विवाद पैदा हो गया।

सड़क हादसे में महिला की मौत, 18 घायल

रायचूर/शुभ लाभ ब्यूरो।
रायचूर में हुई एक और भीषण दुर्घटना में एक महिला की मौत हो गई, जबकि 18 लोग घायल हो गए। घटना गुरुवार को रायचूर के बन्नीगोल के बाहरी इलाके में हुई। इससे पहले बुधवार को ही रायचूर जिले के सिंधनूर तालुक में अर्गिनमारा कैंप के पास एक दुखद घटना घटी, जब टायर फटने से एक वाहन पलट गया, जिससे तीन छात्रों समेत चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना के सुलझने से पहले ही एक और दुर्घटना घट गई। केएसआरटीसी बस और ट्रैक्टर के बीच आमने-सामने की टक्कर हो गई। इस दुर्घटना में लिंगसागुर तालुक के बन्नीगोल गांव की रहने वाली श्रीदेवी (19) नामक महिला की मौत हो गई। केएसआरटीसी बस अंकालीमठ से मुदगल की ओर जा रही थी। वहीं, ट्रैक्टर बन्नीगोल से मजदूरों को लेकर जा रहा था।

गृह मंत्री ने यूनिसेक्स सैलून हमलावरों की तत्काल गिरफ्तारी के निर्देश दिए

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक के गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने मेंगलूरु में यूनिसेक्स सैलून पर हुए हमले में शामिल लोगों को तुरंत गिरफ्तार करने का निर्देश दिया है। उडुपी की अपनी यात्रा के दौरान मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कानून को बनाए रखने और बिना किसी हस्तक्षेप के अपना व्यवसाय करने के व्यक्तियों के अधिकारों की रक्षा करने की आवश्यकता पर जोर दिया। यूनिसेक्स सैलून पर हमले के पीछे का उद्देश्य अभी तक ज्ञात नहीं है। हालांकि, मैंने अधिकारियों को कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। ऐसी घटनाओं को होने नहीं दिया जाना चाहिए। हर किसी को काम करने का अधिकार है और किसी को भी कानून को अपने हाथ में नहीं लेना चाहिए। मंत्री ने आश्वासन दिया कि हमलावरों की पहचान की

जाएगी और उनसे सख्ती से निपटा जाएगा। डॉ. परमेश्वर ने कहा अगर इन प्रतिष्ठानों में कोई अवैध गतिविधि हो रही है, तो इसकी सूचना अधिकारियों को दी जानी चाहिए। सतर्कता कार्रवाई अस्वीकार्य है।

डॉ. परमेश्वर ने यह भी बताया कि व्यापार लाइसेंस स्थानीय निगम द्वारा जारी किए जाते हैं और प्रतिष्ठानों को निर्धारित शर्तों का पालन करना चाहिए। यदि नियमों का उल्लंघन किया गया तो कार्रवाई की जाएगी। मैंने पुलिस विभाग को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि हमलावरों को तुरंत गिरफ्तार किया जाए और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जाए। तुमकुरु सहकारी दुग्ध उत्पादक समिति संघ लिमिटेड (तुमुल) में नियुक्तियों के संबंध में आरोपों और गुब्बी विधायक की आलोचना का जवाब देते हुए डॉ. परमेश्वर ने स्पष्ट किया कि वे इस प्रक्रिया में शामिल नहीं थे। मुझे इस मामले के बारे में कोई जानकारी नहीं है। जिला प्रभारी मंत्री के रूप में, मैंने सरकारी नामांकन में मदद की। सहकारिता मंत्री राजन्ना भी मौजूद थे। अध्यक्ष का चुनाव सदस्यों द्वारा किया जाता है और हमने इस प्रक्रिया में हस्तक्षेप नहीं किया है। वे कोई भी बयान दे सकते हैं, लेकिन मैं इसमें शामिल नहीं था। डॉ. परमेश्वर ने पूर्व भाजपा नेता बी श्रीरामुलु के कांग्रेस में शामिल होने की संभावना के बारे में बताते हुए कहा मैं कोई राजनीतिक बयान नहीं देने जा रहा हूं। एआईसीसी और केपीसीसी अध्यक्षों ने सार्वजनिक रूप से राजनीतिक टिप्पणी न करने की सलाह दी है।

हालांकि, भाजपा के आंतरिक संघर्ष उनकी चिंता का विषय हैं और हम उनमें शामिल नहीं हैं। कांग्रेस की भाजपा द्वारा की गई आलोचना का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा वे दावा करते थे कि कांग्रेस में कई गुट हैं और वह विभाजित है। अब हम उनसे पूछ सकते हैं आपकी पार्टी कैसी है? भाजपा में कितने गुट और दरवाजे हैं? भाजपा द्वारा कानून व्यवस्था में गिरावट के आरोपों का जवाब देते हुए डॉ. परमेश्वर ने भाजपा के कार्यकाल के दौरान की समस्याओं की ओर इशारा किया। भाजपा के शासन के दौरान कितनी डकैती, बैंक चोरी और एटीएम डकैती हुई? मेरे पास विवरण है और जरूरत पड़ने पर मैं उन्हें उपलब्ध कराऊंगा। हमने कानून व्यवस्था बनाए रखी है और बड़े सांप्रदायिक दंगों या महत्वपूर्ण अपराधों को रोका है। हाल ही में मेंगलूरु बैंक डकैती को संबोधित करते हुए डॉ. परमेश्वर ने समझाया अगर पुलिस को पहले से पता होता, तो वे इसे रोक सकते थे। बैंक को सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने चाहिए। बैंक की सुरक्षा में चूक हुई, लेकिन दो दिनों के भीतर पुलिस ने अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया और 12 करोड़ रुपये का सोना और नकदी बरामद की। चार व्यक्तियों को हिरासत में लिया गया है।

बस और टेम्पो में हुई टक्कर से 10 से अधिक यात्री घायल

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।
करकला के सानूर में गुरुवार सुबह एक सरकारी बस और खड़े टेंपो के बीच टक्कर होने से दस से ज्यादा यात्री घायल हो गए। यह घटना सानूर के राम मंदिर इलाके के पास हुई, जब बेलगावी से धर्मस्थल की ओर जा रही चिक्कोडी डिपो की एक सरकारी बस सड़क किनारे खड़े टेंपो से टकरा गई। इस टक्कर में बस का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, जिससे कई यात्री और ड्राइवर घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने घायलों को तुरंत इलाज के लिए करकला सरकारी अस्पताल पहुंचाया। आगे की जांच पड़ताल जारी है।

ईडी अधिकारी बनकर व्यवसायी से लूटपाट करने वाला अंतरराज्यीय लुटेरा गिरफ्तार

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
गत 3 जनवरी की रात को विट्टल के बोलार्थुरु में एक व्यवसायी के घर पर हुई डकैती के सिलसिले में दक्षिण कन्नड़ पुलिस ने एक अंतरराज्यीय लुटेरे को गिरफ्तार किया है। छह अज्ञात व्यक्तियों ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारी बनकर डकैती की, जिसके परिणामस्वरूप लगभग 30 लाख रुपये की नकदी चोरी हो गई।

लुटेरे व्यवसायी के घर पहुंचे और दावा किया कि वे ईडी के अधिकारी हैं और तलाशी ले रहे हैं। अंदर घुसने के बाद उन्होंने घर में तोड़फोड़ की और मौके से भागने से पहले नकदी लूट ली।

घटना के बाद विट्टल पुलिस स्टेशन में अपराध संख्या 02/2025 के तहत मामला दर्ज किया गया।

अपराध के जवाब में, दक्षिण कन्नड़ जिला पुलिस ने एसपी यतीश एन के निर्देशन में अपराधियों का पता लगाने के लिए चार विशेष जांच दल बनाए। गहन अभियान के बाद, पुलिस ने मुख्य आरोपी अनिल फर्नांडीस (49 वर्ष) को सफलतापूर्वक गिरफ्तार कर लिया, जो केरल का निवासी है।

पुलिस ने आरोपियों से महत्वपूर्ण सामान भी जब्त किया, जिसमें अपराध में इस्तेमाल की गई एक अर्टिगा कार (केएल-02-बीपी-1104), 5,00,000 रुपये नकद और एक नकली वाहन नंबर प्लेट (टीएन-20-डीबी-5517) शामिल है, जिसे लूट के दौरान कार पर चिपकाया गया था।

जब्त किए गए सामानों की कुल कीमत, जिसमें नकदी और वाहन शामिल हैं, 11,00,000 रुपये आंकी गई है। शेष संदिग्धों को पकड़ने के प्रयास जारी हैं, और अधिकारी सभी संबंधित पक्षों को न्याय के कटघरे में लाने के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं। जांच जारी है, जिसमें दक्षिण कन्नड़ के विभिन्न पुलिस स्टेशनों के अधिकारी सक्रिय रूप से मामले में भाग ले रहे हैं।

महाकुंभ में वाटर एटीएम से नि:शुल्क मिल रहा आरओ पानी

महाकुंभ नगर, 23 जनवरी (एजेंसियां)। प्रयागराज में सनातन के महापर्व महाकुंभ का दिव्य भव्य आयोजन चल रहा है। देश भर से करोड़ों की संख्या में श्रद्धालु महाकुंभ में संगम स्नान करने हर दिन आ रहे हैं। अब तक 10 करोड़ श्रद्धालु संगम में स्नान कर चुके हैं। महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देशन में मेला प्रशासन और अन्य सभी विभाग व्यवस्था और सुविधाएं उपलब्ध करवाने में प्रयासरत हैं। इसी क्रम में यूपी जल निगम नगरीय ने श्रद्धालुओं को पीने के लिए आरओ वाटर उपलब्ध करवाने को 200 वाटर एटीएम लगाए हैं। इन वाटर एटीएम से महाकुंभ आने वाले श्रद्धालुओं को पूरी तरह मुफ्त शुद्ध आरओ वाटर उपलब्ध करवाया जा रहा है।

महाकुंभ में प्रतिदिन लाखों, करोड़ों की संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं के पीने के लिए शुद्ध आरओ पानी उपलब्ध करवाया जा रहा है। इसके लिये मेला क्षेत्र में 200 वाटर एटीएम लगाए गये हैं। इन वाटर एटीएम से श्रद्धालु पूरी तरह मुफ्त शुद्ध आरओ वाटर पीने के लिए ले सकते हैं। ये वाटर एटीएम पूरे मेला क्षेत्र के अलग-अलग सेक्टर और मंदिरों के पास लगाए गए हैं। वाटर एटीएम के बारे में बताते हुए जल निगम नगरीय के अधिशासी अभियंता सतीश कुमार ने बताया कि वाटर एटीएम को लेकर शुरुआत में आ रही सभी तकनीकी समस्याओं को दूर कर दिया गया है। अब श्रद्धालु केवल बटन दबा कर पूरी तरह मुफ्त आरओ वाटर अपनी बोतलों या बर्तनों में ले सकते हैं।

अधिशासी अभियंता ने बताया कि पहले मेला प्रशासन ने वाटर एटीएम के लिए मेला प्रशासन ने एक रुपए का शुल्क तय किया था लेकिन अब आरओ वाटर पूरी तरह मुफ्त है। प्रत्येक वाटर एटीएम पर ऑपरेटर बैठते हैं जो श्रद्धालुओं के कहने पर बटन दबाते ही शुद्ध जल उपलब्ध करवा रहे हैं। वाटर एटीएम में आने वाली तकनीकी खराबी की सेंसर के माध्यम से निगरानी हो रही है। किसी भी तरह की समस्या आने पर जल निगम के टेक्नीशियन तत्काल दूर करते हैं। उन्होंने बताया कि वाटर एटीएम से प्रतिदिन 12 से 15 हजार लीटर पानी श्रद्धालुओं को उपलब्ध करवाया जा रहा है। अब तक लाखों लोग इस सुविधा का लाभ ले चुके हैं।

मकर संक्रांति के दिन 14 जनवरी को लगभग 46 हजार लीटर पानी वाटर एटीएम से उपलब्ध करवाया गया था। वहीं, मौनी अमावस्या पर भी पर्याप्त पानी उपलब्ध कराया जाएगा, इसके लिए तैयारी पूरी कर ली गई है। मौनी अमावस्या पर 10 करोड़ लोगों के आने की संभावना है। ऐसे में किसी को पीने के पानी की कमी नहीं होने दी जाएगी।

फरवरी के दूसरे सप्ताह में कश्मीर के लिए दौड़ेगी पहली रेल

कटड़ा से बडगाम तक होगा वंदे भारत का ट्रायल

जम्मू, 23 जनवरी (ब्यूरो)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी फरवरी के पहले या दूसरे सप्ताह में कश्मीर के लिए पहली ट्रेन का उद्घाटन करेंगे। उद्घाटन की अंतिम तिथि अभी तय नहीं हुई है। रेलवे को प्रधानमंत्री कार्यालय से इसकी पुष्टि की प्रतीक्षा है।

पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने बुधवार को कहा था कि कटड़ा-संगलदान ट्रेन सेवा में कुछ महीने की देरी होने की संभावना है और पर्यटन सीजन की शुरुआत के साथ अप्रैल में इसका संचालन शुरू हो जाएगा। जम्मू में पार्टी के एक समारोह से इतर पत्रकारों से बात करते हुए अब्दुल्ला ने कहा था कि वह 25 जनवरी को ट्रेन से श्रीनगर जाने की तैयारी कर रहे हैं।

कश्मीर से कन्याकुमारी तक रेल चलाने का सपना फरवरी के पहले सप्ताह पूरा हो सकता है। रेलवे ने इसकी पूरी तैयारी भी कर ली है। श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा रेलवे स्टेशन से कश्मीर के बडगाम रेलवे स्टेशन तक पहली वंदे भारत का ट्रायल इसी शुक्रवार और शनिवार को किया जाएगा।

ट्रायल के लिए नई दिल्ली से रेलवे बोर्ड के सदस्य कटड़ा आ रहे हैं। पूरी संभावना है कि ट्रायल सफल रहने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी फरवरी के पहले या दूसरे सप्ताह कश्मीर के लिए पहली रेल सेवा का उद्घाटन कर सकते हैं। इससे पहले प्रधानमंत्री द्वारा गणतंत्र दिवस के मौके पर रेल सेवा की शुरुआत करने की संभावना जताई गई थी।

प्रधानमंत्री मोदी कटड़ा से ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। उद्घाटन के दिन प्रधानमंत्री जम्मू हवाई अड्डे पर उतरेंगे और दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे पुल चिनाब पुल पर हेलिकाप्टर से उतरेंगे। इसके बाद वह कटड़ा रेलवे स्टेशन के लिए उड़ान भरेंगे और कश्मीर के लिए वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे।

प्रधानमंत्री ट्रेन को हरी झंडी दिखाने के बाद एक रैली को भी संबोधित करेंगे और इसके लिए दो स्थानों को शार्टलिस्ट किया गया है, जिसमें कटड़ा में एक खेल स्टेडियम और जम्मू में मौलाना आजाद स्टेडियम शामिल हैं। कटड़ा और श्रीनगर के बीच रेल सेवा के औपचारिक उद्घाटन के मद्देनजर 24 और 25 जनवरी को वंदे भारत ट्रेन का ट्रायल रन किया जाएगा।

कश्मीर के लिए बहुप्रतीक्षित सीधी ट्रेन ने सभी बाधाओं को पार कर लिया है और उत्तर रेलवे के कमिश्नर रेलवे सेफ्टी (सीआरएस) दिनेश चंद देशवाल ने ट्रेन को अधिकतम 85 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से चलाने के लिए हरी झंडी दे दी है। ट्रेन के अंतिम ट्रायल रन के दौरान, जिसकी निगरानी खुद सीआरएस ने की, ट्रेन 110 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से चली। कश्मीर के लिए सीधी ट्रेन सेवा शुरू होने से जहां जम्मू कश्मीर को फायदा होगा, वहीं कश्मीर घाटी का व्यापार और पर्यटन भी बढ़ेगा। जम्मू श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग के जरिए अब तक घाटी में जो सामान और ईंधन पहुंचाया जाता था, उसे भी मालगाड़ियों में ले जाया जाएगा और सामानों की कीमतों में भी कमी आएगी।

भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केन्द्र को आपदा प्रबंधन पुरस्कार

नई दिल्ली, 23 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केन्द्र को आपदा प्रबंधन में उत्कृष्ट कार्य के लिए संस्थागत श्रेणी में सुभाष चंद्र बोस आपदा प्रबंधन पुरस्कार-2025 के लिए चुना गया है।

गृह मंत्रालय ने गुरुवार को यहां बताया कि केंद्र सरकार ने आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में व्यक्तियों और संगठनों द्वारा किए गए अमूल्य योगदान और नि:स्वार्थ सेवा को मान्यता देने और उन्हें सम्मानित करने के लिए सुभाष चंद्र बोस आपदा प्रबंधन पुरस्कार के नाम से एक वार्षिक पुरस्कार की स्थापना की है। इस पुरस्कार की घोषणा हर साल 23 जनवरी को नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर की जाती है। पुरस्कार के तहत संस्था के लिए 51 लाख रुपये नकद और प्रमाण पत्र तथा व्यक्ति के लिए पांच लाख रुपये और प्रमाण पत्र दिए जाते हैं।

देश ने आपदा प्रबंधन की पद्धतियों, तैयारियों, आपदा न्यूनीकरण और आपदा से निपटने के तौर-तरीकों में उल्लेखनीय सुधार किया है, जिसके परिणामस्वरूप प्राकृतिक आपदाओं के दौरान हताहत होने वालों की संख्या में काफी कमी आई है।

वर्ष 2025 के पुरस्कार के लिए एक जुलाई 2024 से नामांकन आमंत्रित किए गए थे। पुरस्कार योजना का प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया के माध्यम से व्यापक प्रचार किया गया। पुरस्कार के लिए संस्थाओं और व्यक्तियों से 297 नामांकन प्राप्त हुए।

भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केंद्र की स्थापना 1999 में हैदराबाद, तेलंगाना में की गई थी। यह भारत की आपदा प्रबंधन रणनीति का अभिन्न अंग है, जो समुद्र से संबंधित खतरों के लिए शुरुआती चेतावनी देने में कुशल है। इसने भारतीय सुनामी पूर्व चेतावनी केन्द्र की स्थापना की, जो भारत और हिन्द महासागर के 28 तटीय देशों को सेवा प्रदान करते हुए 10 मिनट के भीतर सुनामी की चेतावनी देता है। इसे यूनेस्को द्वारा शीर्ष सुनामी सेवा प्रदाता के रूप में मान्यता दी गई है। भूकंपीय स्टेशनों, ज्वार, गेज और अन्य महासागर सेंसर के एक नेटवर्क की सहायता से यह ऊंची लहरों, चक्रवात और तूफान का पूर्वानुमान भी प्रदान करता है, जिससे तटीय क्षेत्रों और समुद्री संचालन की सुरक्षा में मदद मिलती है।

इस बार बर्फबारी के साथ नहीं होगा चिल्लेकलां का अंत

जम्मू, 23 जनवरी (ब्यूरो)। इस बार कश्मीर की सर्दी के सबसे ठंडे दिन चिल्ले कलां के अंतिम दिन यानि 31 जनवरी तक कश्मीर के साथ-साथ जम्मू संभाग के उच्च पर्वतीय क्षेत्रों में बर्फबारी की कोई संभावना नहीं है। चिल्ले कलां के 40 दिन कश्मीर की सर्दी का सबसे ठंडा मौसम माना जाता है। वहीं जम्मू में भी लोहड़ी वाले महीने को भी सबसे ठंडा महीना माना जाता है।

मौसम विभाग का कहना है कि कश्मीर में कड़ाके की सर्दी का 40 दिन का समय चिल्ले कलां शुष्क मौसम के साथ समाप्त होने वाला है, क्योंकि जनवरी के अंत तक कोई बड़ी मौसमी गतिविधि का पूर्वानुमान नहीं है। जानकारी के लिए, जम्मू कश्मीर में 2025 के पहले तीन हफ्तों के दौरान बारिश में 81 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है।

मौसम विभाग के निदेशक ने 31 जनवरी तक अधिकतर शुष्क और बादल छाए रहने का पूर्वानुमान लगाया है। हालांकि, उन्होंने कहा कि 23 जनवरी को और 29 से 30 जनवरी के बीच अलग-अलग स्थानों पर हल्की बारिश और बर्फबारी की संभावना है। जम्मू-कश्मीर में 22 जनवरी तक बारिश में 81 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है, सामान्य 60.5 मिमी के मुकाबले केवल 11.4 मिमी बारिश हुई है। एक जनवरी से 22 जनवरी तक कठुआ में सबसे अधिक 98 प्रतिशत बारिश दर्ज की गई है। जम्मू कश्मीर की ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर में 71 प्रतिशत कम बारिश दर्ज की गई है, जबकि शोपियां में 94 प्रतिशत की कमी के साथ दूसरा सबसे अधिक कमी दर्ज की गई है।

रियासी, किश्तवाड़, कुलगाम, जम्मू और डोडा में इस अवधि के दौरान 90 प्रतिशत या उससे अधिक बारिश की कमी दर्ज की गई है। इस बीच, उधमपुर, सांबा और रामबन में पिछले 22 दिनों में 80 प्रतिशत से अधिक की कमी दर्ज की गई है।

दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग और पुलवामा जिलों में क्रमश: 77 प्रतिशत और 75 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। आंकड़ों से यह भी पता चला है कि बडगाम, बांडीपोरा और राजौरी में क्रमश: 69 प्रतिशत, 63 प्रतिशत और 64 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है।

याद रहे कश्मीर में 21 और 22 दिसम्बर की रात से सर्दी के मौसम की शुरुआत मानी जाती है। करीब 40 दिनों तक के मौसम को चिल्लेकलां कहा जाता है। और इस दिन हुई बर्फबारी कई सालों के बाद सही समय पर हुई है। नतीजतन कुदरत का समय चक्र सुधरा तो कश्मीरियों की परेशानियां बढ़ गई क्योंकि पिछले कई सालों से बर्फबारी के समय पर न होने के कारण वे चिल्लेकलां को ही भुला बैठे थे।

चिल्लेकलां करीब 40 दिनों तक चलता है और उसके बाद चिल्ले खुर्द और फिर चिल्ले बच्चा का मौसम आ जाता है। अभी तक चिल्लेकलां के दौरान 1986 में कश्मीर में तापमान शून्य से 9 डिग्री नीचे गया था जब विश्व प्रसिद्ध डल झील दूसरी बार जम गई थी। वैसे चिल्लेकलां के दौरान कश्मीर के तापमान में जो गिरावट देखी गई है उसके मुताबिक तापमान शून्य से 5 व 7 डिग्री ही नीचे जाता है।

फिलहाल सर्दी से कोई राहत भी नहीं मिल पा रही है। अनुमान इस बार का यह है कि सर्दी अपना भयानक रूप दिखा सकती है। वैसे भी कुछ सालों से मौसम की पश्चिमी गड़बड़ियों के कारण कश्मीर कभी बर्फीले सुनामी के दौर से गुजरता है तो कभी बाढ़ से कश्मीरियों को सामना करना पड़ रहा है।

केजरीवाल की गाड़ी पर हरि नगर में हमला

नई दिल्ली, 23 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के नेशनल कन्वीनर अरविंद केजरीवाल पर एक बार फिर हमला हो गया है। केजरीवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट कर कहा कि आज हरिनगर में विपक्षी उम्मीदवार के लोगों को पुलिस ने मेरी जनसभा में घुसने दिया और फिर मेरी गाड़ी पर हमला करवाया। केजरीवाल ने आरोप लगाया कि ये सब अमित शाह जी के आदेश पर हो रहा है।

केजरीवाल ने आरोप लगाते हुए कहा कि अमित शाह जी ने दिल्ली पुलिस को बीजेपी की निजी आर्मी बना दिया है।

उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग पर बड़े सवाल उठ रहे हैं कि एक राष्ट्रीय पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उसके नेताओं पर लगातार हमले हो रहे हैं और चुनाव आयोग कुछ भी प्रभावी कदम उठाने में असमर्थ है।

चुनाव आयोग और दिल्ली पुलिस के निर्देश पर अरविंद केजरीवाल की पंजाब पुलिस की सुरक्षा वापस ले ली गई है।

बीएसएफ मेघालय ने अवैध सीमा पार करने की कोशिश को नाकाम किया

6 बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया

शिलांग, 23 जनवरी (एजेंसियां)। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) मेघालय के जवानों ने अवैध रूप से सीमा पार करने के एक प्रयास को नाकाम कर दिया और छह बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया, जो अवैध रूप से भारत में घुस आए थे।

यह कार्रवाई एक विशिष्ट खुफिया सूचना के बाद की गई, जिसके कारण भारत-बांग्लादेश सीमा पर पूर्वी जैंतिया हिल्स क्षेत्र में गहन तलाशी अभियान चलाया गया। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, बीएसएफ की 172 बटालियन के सतर्क कर्मियों ने ड्यूटी के दौरान संदिग्ध गतिविधियां देखीं।

अपनी सतर्कता पर कार्रवाई करते हुए, उन्होंने तुरंत एक तलाशी अभियान शुरू किया, जिसके परिणामस्वरूप अनधिकृत चैनलों के माध्यम से बांग्लादेश में वापस जाने का प्रयास कर रहे छह व्यक्तियों को रोका गया।

गिरफ्तारी के बाद पता चला कि ये व्यक्ति कई महीने पहले भारत में घुसे थे और तब से बैंगलोर में घरेलू नौकर के रूप में कार्यरत थे और अब घर लौटने की कोशिश कर रहे थे।

पकड़े गए लोगों द्वारा अपनी पहचान बताए जाने के बाद, बीएसएफ ने संबंधित सामान जब्त कर लिया और पूरे समूह को आगे की जांच और कानूनी कार्यवाही के लिए पीपीपी उमकियांग के स्थानीय पुलिस स्टेशन को सौंप दिया।

इस बीच, बीएसएफ ने देश में गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान कड़ी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए भारत-बांग्लादेश सीमा पर 10 दिवसीय ओपीएस अलर्ट अभ्यास शुरू किया है।

एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, बांग्लादेश में बदले हुए परिदृश्य को देखते हुए 76वें गणतंत्र दिवस से पहले यह कदम उठाया गया है। विज्ञप्ति में कहा गया है,

सुरक्षा बढ़ाने और सीमा चौकियों को मजबूत करने के लिए 4,096 किलोमीटर लंबी भारत-बांग्लादेश सीमा पर अपने सभी फील्ड फॉर्मेशन में ऑपरेशन अलर्ट शुरू किया गया है। ऑपरेशन अलर्ट अभ्यास की अवधि के दौरान, भारत-बांग्लादेश सीमा पर गश्त और अन्य वर्चस्व कर्तव्यों को तेज किया जाएगा।

गणतंत्र दिवस परेड 2025 भारत की सांस्कृतिक विविधता और सैन्य शक्ति का एक शानदार उत्सव होगा, जिसमें भारतीय संविधान और जनभागीदारी के अधिनियमन के 75 वर्षों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

इस वर्ष की परेड में मुख्य अतिथि के रूप में इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांटो की उपस्थिति होगी।

पीएलआई स्कीम का असर, भारत के निर्यात में दूसरी रैंक पर पहुंचा स्मार्टफोन : अश्विनी वैष्णव

नई दिल्ली, 23 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय रेलवे और इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री, अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को कहा कि देश के निर्यात में स्मार्टफोन अब दूसरे नंबर पर पहुंच गया है। यह चार साल पहले 14वें पर था।

भारत द्वारा स्मार्टफोन का निर्यात बढ़ना प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) स्कीम का परिणाम है, जिसमें सरकार घरेलू स्तर पर इलेक्ट्रॉनिक्स गुड्स का उत्पादन बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

वैष्णव ने सोशल मीडिया पोस्ट पर लिखा, देश के निर्यात में स्मार्टफोन दूसरी रैंक पर है। चार साल पहले यह 14वें नंबर पर था। यह पीएलआई स्कीम का बड़ा माइलस्टोन है।

केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि पीएलआई स्कीम ने वैश्विक स्तर पर भारत की प्रतिस्पर्धा क्षमता में इजाफा किया है। इससे स्किल बढ़ने के साथ बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर पैदा हुए हैं।

वैष्णव के मुताबिक, देश में इकोसिस्टम तेजी से विकसित हो रहा है। यह सेक्टर विश्व के सर्वश्रेष्ठ उत्पादों से प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार है।

भारत के शीर्ष पांच निर्यातों में अब मोटर वाहन डीजल ईंधन, स्मार्टफोन, विमानन ईंधन, हीरे और मोटर गैसोलीन शामिल हैं।

केंद्र सरकार ने प्रोडक्शन-लिंक्ड (पीएलआई) स्कीम के तहत वित्त वर्ष 2024-25 की पहली छमाही में कंपनियों को 1,600 करोड़ रुपए का इंसेंटिव दिया है। इसमें से 964 करोड़ रुपए भारत में बड़े स्तर पर इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग कर रही कंपनियों को जारी किए हैं।

इलेक्ट्रॉनिक्स गुड्स भारत के निर्यात बास्केट में सबसे तेजी से बढ़ते सेगमेंट के रूप में उभरा है। इसका कारण केंद्र की पीएलआई स्कीम की सफलता है, जिससे देश में बड़ी संख्या में इलेक्ट्रॉनिक्स गुड्स मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स स्थापित हुई हैं।

देश का इलेक्ट्रॉनिक निर्यात 2024-25 के अप्रैल-नवंबर में 27.4 प्रतिशत बढ़कर 22.5 अरब डॉलर हो गया, जबकि 2023-24 की इसी अवधि के दौरान यह 17.66 अरब डॉलर था।

जानकारों के मुताबिक, देश में सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग प्लांट्स शुरू होने के बाद इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात में और तेजी आने की उम्मीद है।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने कुछ महीने पहले गुजरात के साणंद में 3,307 करोड़ रुपए के निवेश से सेमीकंडक्टर यूनिट स्थापित करने के लिए केनेस सेमीकॉन के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी।

यह भारत सेमीकंडक्टर मिशन (आईएसएम) के तहत स्वीकृत की जाने वाली पांचवीं सेमीकंडक्टर यूनिट है और साणंद में स्थापित होने वाली दूसरी इकाई है।

पराक्रम दिवस पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा पर माल्यार्पण

नेताजी का जीवन साहस, निष्ठा और निस्वार्थ सेवा की मिसाल: योगी

लखनऊ, 23 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर परिवर्तन चौक स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने नेताजी के देश के प्रति योगदान को स्मरण करते हुए कहा कि भारत माता के महान सपूत और स्वतंत्रता संग्राम के महानायक नेताजी सुभाष चंद्र बोस का जीवन साहस, निष्ठा और निस्वार्थ सेवा की मिसाल है।

मुख्यमंत्री ने नेताजी के जीवन, व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए युवाओं को प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने स्वतंत्रता संग्राम को नई दिशा दी। उन्होंने भारतवासियों के दिलों में देशभक्ति की ऐसी अलख जगाई, जिसे भुलाया नहीं जा सकता। उनका नारा तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा आज भी हर भारतवासी के लिए प्रेरणास्रोत है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज हम नेताजी की पावन जयंती को पराक्रम दिवस के रूप में मना रहे हैं। भारत माता के इस महान सपूत ने अपने व्यक्तित्व और कृतित्व से आजादी के आंदोलन को नई दिशा दी। नेताजी का नाम हर भारतवासी के लिए गर्व और प्रेरणा का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2021 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेताजी के योगदान को सम्मानित करते हुए 23 जनवरी को पराक्रम दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया। यह निर्णय नेताजी के प्रति देश की कृतज्ञता का प्रतीक है। सीएम योगी ने कहा कि नेताजी ने अपने जीवन के सबसे प्रतिष्ठित समय में सिविल सेवा की नौकरी को त्याग दिया, क्योंकि वह विदेशी हुकूमत के अधीन कार्य करना नहीं चाहते थे। यह कदम न केवल उनके देशप्रेम का परिचायक था, बल्कि युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत भी बना। उन्होंने कहा कि नेताजी ने अपने जीवन में कभी भी साधनों की कमी को बाधा नहीं बनने दिया। नेताजी के नारे और

विचारों ने युवाओं को स्वतंत्रता संग्राम में शामिल होने के लिए प्रेरित किया। उनके नारे ने युवाओं के भीतर देशभक्ति का ऐसा जादू फैलाया कि ब्रिटिश हुकूमत को उन्हें नजरबंद करना पड़ा, लेकिन उनकी नजरबंदी भी आजादी के प्रति उनके जुनून को नहीं रोक सकी। नेताजी ने जर्मनी, जापान और अन्य देशों में जाकर भारत की आजादी के लिए समर्थन जुटाया।

सीएम योगी ने युवाओं को राष्ट्रधर्म का महत्व समझाते हुए कहा कि हर नागरिक को जाति, मजहब, भाषा और क्षेत्रीय सीमाओं से ऊपर उठकर राष्ट्रधर्म को सर्वोपरि मानना चाहिए। नेताजी का जीवन हमें सिखाता है कि राष्ट्र के प्रति निष्ठा और समर्पण सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे अपने करियर से आगे बढ़कर देश और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझें। नेताजी के साहस और निष्ठा को याद करते हुए सीएम योगी ने कहा कि उनका व्यक्तित्व युवाओं को न केवल प्रेरित करता है, बल्कि यह सिखाता है कि चुनौतियों से कैसे निपटा जाए। नेताजी का हर कदम युवाओं के लिए एक संदेश था। उन्होंने अपने समय के युवाओं के साथ मिलकर न केवल स्वतंत्रता संग्राम का नेतृत्व किया, बल्कि देश को सामाजिक समस्याओं से लड़ने का भी मार्ग दिखाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि नेताजी का संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है, जितना स्वतंत्रता संग्राम के समय था। उन्होंने युवाओं से नेताजी के आदर्शों को अपनाने और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने की अपील की। उन्होंने कहा कि नेताजी का जीवन हमें सिखाता है कि देश के प्रति निष्ठा और सेवा भाव से बड़ी कोई चीज नहीं है।

सीएम योगी ने कहा कि युवा पखवाड़ा मनाने में स्वामी विवेकानंद की पावन जयंती से लेकर नेताजी सुभाष चंद्र बोस की पावन जयंती तक यह पूरा कार्यक्रम युवाओं को नई प्रेरणा देता है। जाति, मत, मजहब, क्षेत्र और भाषा से ऊपर उठकर के हर नागरिक का एक ही धर्म होना चाहिए–वह राष्ट्रधर्म है और राष्ट्र धर्म के प्रति पूरे समर्पण भाव के साथ कार्य करने की प्रेरणा नेताजी सुभाष चंद्र बोस का महान व्यक्तित्व हम सभी को प्रदान करता है। इस अवसर पर महापौर सुषमा खर्कवाल, विधायक नीरज बोरा, अमरेश कुमार, विधान परिषद सदस्य अवनीश सिंह, रामचंद्र प्रधान, अंगद सिंह, लालजी प्रसाद निर्मल आदि उपस्थित रहे।

मौलाना शहाबुद्दीन ने संतों की मांग का किया समर्थन

वक्फ बोर्ड की तर्ज पर बनाया जाए सनातन बोर्ड

बरेली, 23 जनवरी (एजेंसियां)। ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी ने वक्फ बोर्ड की तर्ज पर सनातन बोर्ड के गठन की मांग का समर्थन किया है। मौलाना ने कहा कि महाकुंभ मेले से साधु-संतों ने सनातन बोर्ड के गठन की मांग पर अपनी आवाज बुलंद की है। ये मांग सबसे पहले मथुरा के देवकीनंदन ठाकुर ने की। मौलाना ने सनातन बोर्ड के गठन का समर्थन करते हुए कहा कि केंद्र सरकार को वक्फ बोर्ड के तर्ज पर सनातन बोर्ड का गठन भी करना चाहिए।

मौलाना ने सनातन बोर्ड के गठन के लिए सुझाव देते हुए कहा कि केंद्र सरकार ने पूरे भारत के वक्फ बोर्डों पर उच्च स्तरीय राष्ट्रीय वक्फ काउंसिल बनाई है, फिर राज्य स्तरीय वक्फ बोर्डों का गठन किया है। राज्य स्तरीय बोर्ड राष्ट्रीय वक्फ काउंसिल के अधीन हैं। बिल्कुल इसी तर्ज पर सनातन बोर्ड का गठन किया जाए ताकि गरीब, कमजोर और लाचार हिदुओं की आर्थिक, सामाजिक और शैक्षिक स्थिति मजबूत हो। ये देश के लिए बहुत बड़ा काम होगा। वक्फ बोर्ड का जब गठन किया गया था तो इसी सोच के तहत किया गया था कि गरीब, कमजोर, लाचार लोगों की मदद होगी, मगर बोर्ड के जिम्मेदार ऐसा नहीं कर सके।

शहाबुद्दीन रजवी ने अखिलेश यादव के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव अपने राजनीतिक एजेंडे पीडीए को भगवान का दर्जा दिया है। उनको ये समझना चाहिए कि भगवान की तुलना किसी व्यक्ति या किसी राजनीतिक पार्टी के एजेंडे से नहीं दी जा सकती है। वो कुंभ के मेले के बहाने से सनातन धर्म का अपमान कर रहे हैं।

यूपी दिवस पर छह लोग यूपी गौरव सम्मान से होंगे सम्मानित

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और सीएम योगी मौजूद रहेंगे

लखनऊ, 23 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के स्थापना दिवस का आयोजन 24 से 26 जनवरी तक अवध शिल्प ग्राम में होगा। इसके साथ ही महाकुंभ के सेक्टर-7, नोएडा शिल्पग्राम समेत सभी 75 जनपदों में भी विविध आयोजन होंगे। लखनऊ में होने वाले मुख्य महोत्सव में उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़, राज्यपाल आनंदी बेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मौजूद रहेंगे। स्थापना दिवस की थीम विकास व विरासत प्रगति पथ पर उत्तर प्रदेश है। इस बार छह लोगों को उत्तर प्रदेश गौरव सम्मान प्रदान किया जाएगा।

लोकभवन सभागार में मीडिया से मुखातिब संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश दिवस-2025 के आयोजन की थीम विकास व विरासत प्रगति पथ पर उत्तर प्रदेश रखी गई है। सभी विभागों द्वारा उसी थीम पर प्रदर्शनी, संगोष्ठी, सम्मेलन, सांस्कृतिक कार्यक्रम, प्रतियोगिता, रोड शो आदि होंगे। 24 जनवरी को उत्तर प्रदेश दिवस, 25 जनवरी को राष्ट्रीय पर्यटन दिवस-मतदाता जागरूकता दिवस व 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस का धूमधाम से आयोजन होगा।

विरासत व विकास पर अलग-अलग प्रदर्शनी लगाई जाएगी। विरासत पर लगाई गई प्रदर्शनी में पूर्व प्रधानमंत्री व भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के शताब्दी वर्ष पर उनके जीवन प्रसंग आदि से दर्शक अवगत हो सकेंगे। इसके अलावा भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती, सरदार वल्लभ भाई पटेल, हमारा संविधान और हमारा स्वाभिमान आदि पर प्रदर्शनी लगाई जाएगी। इसके साथ ही विभिन्न विभागों द्वारा सफल प्रतिभाओं को भी सम्मानित किया जाएगा। साथ ही 75 जनपदों के ओडीओपी, कला शिल्प की प्रदर्शनी, फूड कोर्ट में विभिन्न अंचलों का स्वाद ले सकेंगे।

राष्ट्रीय पर्यटन दिवस पर 25 जनवरी को विभाग की तरफ से युवा पर्यटन क्लब के सदस्यों द्वारा पेंटिंग, रील्स, पर्यटन प्रदर्शनी आदि लगाई जाएगी। आध्यात्मिक व सांस्कृतिक पर्यटन पर आधारित लघु फिल्म व युवा पर्यटन क्लब के सदस्यों की गतिविधियों पर आधारित लघु फिल्म प्रस्तुत की जाएगी। 26 जनवरी को संस्कृति, कला जगत से जुड़ी हस्तियों को राजभवन में सम्मानित किया जाएगा। पर्यटन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले उद्यमियों व स्वयं सहायता समूहों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को सम्मानित भी किया जाएगा। मंत्री ने बताया कि इस अवसर पर 75 जिलों के ओडीओपी उत्पाद, खान पान, कला, संस्कृति का भी प्रदर्शन किया जाएगा। लखनऊ के साथ ही नोएडा शिल्प ग्राम, महाकुंभ में विभाग के पंडाल और प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों में भी आयोजन किया जाएगा। कुंभ में लोगों के रुकने के लिए पर्याप्त व्यवस्था की सवाल पर उन्होंने कहा कि काफी संख्या में श्रद्धालु आ रहे हैं, हम उनके ठहरने का बेहतर प्रबंध करने का प्रयास कर रहे हैं।

इन छह लोगों को मिलेगा उत्तर प्रदेश गौरव सम्मान

विभिन्न विधाओं में उत्कृष्ट कार्य करने वाले छह लोगों को उत्तर प्रदेश गौरव सम्मान मिलेगा। इन्हें पुरस्कार स्वरूप 11 लाख रुपए, प्रशस्ति पत्र व अंगवस्त्र प्रदान किया जाएगा। यह सम्मान वाराणसी के कृष्णकांत शुक्ल (भौतिक विज्ञान, संगीतकार, कवि), वृंदावन मथुरा के (उद्यमी-पर्यावरणविद) हिमांशु गुप्ता, कानपुर के मनीष वर्मा (कृषि-दलित उद्यमी), बुलंदशहर की कृष्णा यादव (महिला उद्यमी), बुलंदशहर के ही कर्नल सुभाष देशवाल (कृषि-उद्यम) व बहराइच के डॉ जय सिंह (केला उत्पादन) को मिलेगा।

पहली बार गणतंत्र दिवस परेड में शामिल होंगी केजीबीवी की 80 छात्राएं

लखनऊ, 23 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में महिला सशक्तिकरण और शिक्षा के क्षेत्र में हो रहे अभूतपूर्व बदलावों का नतीजा यह है कि कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (केजीबीवी) की 80 छात्राएं इस वर्ष गणतंत्र दिवस परेड में पहली बार भाग लेंगी। ये छात्राएं लखनऊ के मलिहाबाद, चिनहट और सरोजनी नगर के कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों से चयनित की गई हैं और वे विधानभवन के सामने आयोजित होने वाली परेड में अपने अनुशासन, प्रतिभा और जोश का प्रदर्शन करती हुई नजर आएंगी।

यह पहली बार है जब कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय की छात्राएं गणतंत्र दिवस परेड का हिस्सा बन रही हैं। योगी सरकार की यह पहल उन प्रयासों का हिस्सा है जो महिला सशक्तिकरण और शिक्षा के क्षेत्र में चलाए जा रहे हैं। इन छात्राओं ने पिछले 10 दिनों से लखनऊ पुलिस लाइन में कड़ी मेहनत की है, ताकि वे परेड में पूरी तरह से तैयार होकर शामिल हो सकें। उनका यह समर्पण और कड़ी मेहनत इस बात का प्रतीक है कि सही मार्गदर्शन और अवसर मिलने पर कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

अपर राज्य परियोजना निदेशक श्रीमती एकता सिंह ने कहा कि केजीबीवी की बालिकाओं का गणतंत्र दिवस की परेड में भाग लेना केवल उनके लिए ही ऐतिहासिक क्षण नहीं है, बल्कि यह पूरे प्रदेशवासियों के लिए गर्व का क्षण होगा।

विभाग ने हमेशा यह सुनिश्चित किया है कि हर बेटी को शिक्षा का समान अवसर मिले और उनके आत्मविश्वास को बढ़ाया जाए। कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों की इन छात्राओं की परेड में भागीदारी यह साबित करती है कि सरकार की योजनाओं से बालिकाओं का आत्मविश्वास और उनका प्रदर्शन बढ़ा है।

इन 80 छात्राओं की परेड में भागीदारी न केवल उनके विद्यालयों का गौरव बढ़ाएगी, बल्कि वे प्रदेशभर के 746 कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों का प्रतिनिधित्व भी करेंगी। यह कस्तूरबा गांधी विद्यालयों में पढ़ाई कर रही बालिकाओं के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है।

इन बालिकाओं के अनुशासन, मेहनत और समर्पण ने उन्हें यह अवसर प्रदान किया है। ज्ञात हो कि योगी सरकार ने कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों के माध्यम से प्रदेश के वंचित वर्ग की बेटियों को शिक्षा के बेहतर अवसर प्रदान किए हैं, जिससे आज ये बालिकाएं अपने स्कूलों और प्रदेश का नाम रौशन कर रही हैं।

महानिदेशक स्कूल कंचन वर्मा ने कहा कि केजीबीवी की इन छात्राओं की परेड में भागीदारी केवल उनके शारीरिक और मानसिक कौशल का प्रदर्शन नहीं है, बल्कि यह शिक्षा के साथ-साथ खेल और सांस्कृतिक गतिविधियों में उनकी उत्कृष्टता को भी रेखांकित करती है। कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों का उद्देश्य वंचित वर्ग की बालिकाओं को शिक्षा और विकास के बेहतर अवसर प्रदान करना है। इन छात्राओं ने इस उद्देश्य को साकार कर दिखाया है।

डिप्टी डायरेक्टर डॉ. मुकेश सिंह ने कहा कि बेसिक शिक्षा विभाग ने एक नया इतिहास रचा है। लखनऊ में गणतंत्र दिवस समारोह की परेड रिहर्सल में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय की छात्राएं विशेष आकर्षण का केंद्र बनीं। उनके अनुशासन, जोश और तैयारी ने सभी को प्रभावित किया। उनके इस प्रयास ने न केवल उनके विद्यालय बल्कि पूरे समाज के लिए प्रेरणा का काम किया है। यह पल हर उस छात्रा के लिए प्रेरणा बनेगा जो शिक्षा और मेहनत के जरिए अपने सपनों को पूरा करना चाहती है।

बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने कहा, केजीबीवी की इन छात्राओं ने साबित कर दिया है कि अगर शिक्षा और अवसर मिले, तो वंचित वर्ग की बेटियां भी बड़े से बड़े मंच पर अपनी पहचान बना सकती हैं। योगी सरकार की योजनाओं और प्रयासों के कारण आज कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय की बेटियां न केवल शिक्षा के क्षेत्र में, बल्कि सांस्कृतिक और खेल गतिविधियों में भी अपनी छाप छोड़ रही हैं। इन बालिकाओं ने यह संदेश दिया है कि अब बेटियां किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं रहेंगी और वे हर चुनौती का सामना करने के लिए तैयार हैं।

महाकुंभ में 10 करोड़ श्रद्धालुओं ने लगाई त्रिवेणी संगम में पावन डुबकी

महाकुंभ नगर, 23 जनवरी (एजेंसियां)। मां गंगा, मां यमुना और अदृश्य मां सरस्वती के पवित्र संगम में श्रद्धा और आस्था से ओत-प्रोत साधु-संतो, श्रद्धालुओं, कल्पवासियों, स्नानार्थियों और गृहस्थों के स्नान ने नया रिकॉर्ड स्थापित किया है। गुरुवार को महाकुंभ में स्नानार्थियों की संख्या ने नया इतिहास बनाते हुए 10 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया। दोपहर 12 बजे का डेटा जारी होते ही स्नानार्थियों की संख्या 10 करोड़ की संख्या पार कर गई। महाकुंभ में प्रतिदिन लाखों की संख्या श्रद्धालु पुण्य स्नान का फल प्राप्त कर रहे हैं। स्नान पर्व पर यह संख्या करोड़ों में पहुंच रही है। उल्लेखनीय है कि योगी सरकार का अनुमान है कि इस बार महाकुंभ में 45 करोड़ लोगों से ज्यादा लोग आने वाले हैं। महाकुंभ की शुरुआत में ही 10 करोड़ स्नानार्थियों की संख्या पार कर जाना सरकार के सटीक अनुमान की ओर संकेत दे रहा है।

प्रयागराज में श्रद्धालुओं / स्नानार्थियों के जोश और उत्साह में कोई कमी नहीं दिख रही है। पूरे देश और दुनिया से पवित्र त्रिवेणी में श्रद्धा और आस्था के साथ डुबकी लगाकर पुण्य प्राप्त करने के लिए श्रद्धालु प्रतिदिन लाखों की संख्या में प्रयागराज पहुंच रहे हैं। गुरुवार को ही दोपहर 12 बजे तक 30 लाख लोगों ने त्रिवेणी संगम में स्नान कर लिया। इसमें 10 लाख कल्पवासियों के साथ-साथ देश विदेश से आए श्रद्धालु एवं साधु-संत शामिल रहे। इसके साथ ही महाकुंभ में 10 करोड़ स्नानार्थियों की संख्या भी पार कर गई। पूरे महाकुंभ मेला क्षेत्र में भक्तों का तांता लगा रहा। देश के विभिन्न प्रान्तो और विश्व के अनेक देशों से आए श्रद्धालुओं ने पवित्र संगम में स्नान किया। संगम के तटों पर इस समय पूरे देश की विविध संस्कृतियों की झलक देखने को मिल रही है। ऊंच नीच, जात पात, पंथ से ऊपर उठकर लोग संगम स्नान कर एकता के महाकुंभ के संकल्प को साकार कर रहे हैं।

यदि अब तक के कुल स्नानार्थियों की संख्या का विश्लेषण करें तो 23 जनवरी तक 10 करोड़ से ज्यादा लोग संगम में आस्था की डुबकी लगा चुके हैं।

तिरंगा यात्रा के दौरान दो पक्षों में मारपीट, राष्ट्रीय ध्वज फाड़ा

शाहजहांपुर, 23 जनवरी (एजेंसियां)। शाहजहांपुर के कांट में गुरुवार को तिरंगा यात्रा के दौरान मुस्लिम समुदीय के लोगों ने हंगामा खड़ा कर दिया। मारपीट हुई। चार लोगों के खिलाफ तहरीर दी गई है। पुलिस ने एक आरोपी को हिरासत में लेकर जांच शुरू कर दी है। यात्रा निकालने वालों ने आरोप लगाया कि समुदाय विशेष के कुछ लोगों ने हमला करते हुए मारपीट की। तिरंगा भी फाड़ दिया। पुलिस ने एक आरोपी को हिरासत में लिया है।

तिरंगा यात्रा में शामिल विकास पाठक ने थाने में तहरीर देकर बताया कि डेढ़ बजे कांट के रामलीला मैदान से तिरंगा यात्रा निकाली गई। भारत माता की जय के नारे लगाते हुए निकल रहे थे। सैयदबाड़ा चौराहे से पहले घात लगाए बैठै कुछ लोगों ने तिरंगा छीन लिया। आरोप है कि तिरंगे को फाड़ते हुए उनके साथ गाली-गलौज की। उन्होंने चार लोगों के खिलाफ तहरीर दी। पुलिस ने एक आरोपी को हिरासत में लेकर जांच शुरू कर दी है। सीओ सदर प्रयांक जैन ने बताया कि तिरंगा यात्रा के दौरान मामूली बातचीत हुई है। तहरीर पर जांच की जा रही है।

संपादकीय

विकास में नियोजन

अंततः लैंड पूलिंग के जरिए हिमाचल शहरी विकास का खाका बीबीएन की जमीन पर उतर कर एक, आश्वासन दे रहा है। यहां भू संपत्ति के मालिक पूलिंग समझौते के तहत न केवल शहरी विकास के रेखांकन में अव्वल होंगे, बल्कि इससे एक व्यवस्थित बीबीएन का मानचित्र भी बनेगा। भले ही टीसीपी कानून की शर्तों में ऐसे उपाय शुरुआत में ही कर लेने चाहिए थे, लेकिन देरी से सही एक राह तो सामने आई। बीबीएन अब तक औद्योगिक प्रसार का डेस्टिनेशन बना रहा, जबकि यह एक महानगर के अवतार की क्षमता की संभावना रखता है। लैंड पूलिंग से भी हिमाचल की भौगोलिक परिस्थितियों को शहरी योजनाओं के सांचे में ढालना आसान हो जाएगा। जाहिर तौर पर बीबीएन के अनुभव प्रदेश के हर शहरी क्षेत्र और खास तौर पर नगर निगमों के दायरे में लागू हों, तो कई शहरों का एक तरह से पुनर्गठन होगा और सार्वजनिक जमीन के इस्तेमाल की किफायत भी होगी। अब तक का शहरी विकास केवल सरकारी जमीन की उपलब्धता या निजी भूमि की बिक्री पर ही हुआ है। देखते ही देखते हमने बेहतरीन उपजाऊ जमीन, घाटियां, खेत और पर्यावरणीय माहौल उजाड़ा है। हम विकास में नियोजन करने की संस्कृति और जवाबदेही को अपना ही नहीं सके, नतीजतन अफरातफरी में आफताब डूब गया और हमारे सामने बढ़ते अंधेरों की चुनौती है। क्योंकि हिमाचल के 55673 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल में से 37033 वर्ग किलोमीटर वन भूमि है। इस तरह वन भूमि के तहत 68.16 प्रतिशत जमीन का होना, हमारे विकास के लिए मात्र 31 प्रतिशत क्षेत्रफल ही छोड़ता है। इतना ही नहीं, निजी व सार्वजनिक भूमि की किस्म, उस पर उगे पेड़ व भौगोलिक स्थिति के कारण कई तरह की पर्यावरणीय चुनौतियों के कारण भी हमने अपने आशियाने या व्यापार के परिसर बनाने में अधिकांश जमीन का दुरुपयोग ही किया है। हर गांव के भीतर कितने ही शहर उग रहे और शहरों ने असंख्य गांवों की आर्थिकी को समेट लिया। अब सवाल यह भी कि किसे गांव माने और कितने निर्माण को सही ठहराएं। सही निर्माण के लिए टीसीपी की परिधि में आना ही पड़ेगा। शहर या शहर जैसी व्यवस्था हर तरह के निर्माण पर लागू हो, तो हम विकास को नियोजित करके सार्वजनिक और निजी भूमि की फिजूलखर्ची रोक पाएंगे। हिमाचल के तमाम प्रशासनिक व अन्य शहरों में सार्वजनिक भूमिका का न केवल अनावश्यक इस्तेमाल रोकना होगा, बल्कि अब तक के सरकारी निर्माण को भी व्यवस्थित करना होगा। एक कोशिश प्रेम कुमार धूमल सरकार ने की थी, जब बहुविभागीय इमारतें या मिनी सचिवालय बनने लगे, लेकिन आज भी कई विभाग आबंटित जमीन का बेहूदा इस्तेमाल कर रहे हैं। अगर पुलिस व स्वास्थ्य विभाग को छोडक़र तमाम सरकारी इमारतों को एक एजेंसी के तहत पूल किया जाए, तो वित्तीय संसाधन और सार्वजनिक जमीन भी बचेगी। इसके लिए सार्वजनिक एस्टेट विकास प्राधिकरण का गठन करना होगा, जो विभागीय भवनों के इस्तेमाल और भविष्य के निर्माण को किफायती ढंग से लागू कर पाएगी। इसके लिए हर शहर और हर गांव को भूमि बैंक गठित करने होंगे। यह एक सतत प्रक्रिया होनी चाहिए जिसे केवल सार्वजनिक एस्टेट विकास प्राधिकरण कर सकता है। लैंड पूलिंग के मॉडल पर अगर सार्वजनिक व निजी भूमि के बीच भविष्य के सेतु सुदृढ़ हों, तो सरकार का भूमि बैंक बढ़ जाएगा। मसलन पर्वतीय परिवेश में ऐसे कई नाले या खड्डें हैं, जिनके तटीकरण से सरकारी व गैर सरकारी जमीन बढ़ेगी और अगर कारपोरेट या बैंकिंग क्षेत्र के सहयोग ऐसी परियोजनाओं में सहयोग लिया जाए, तो निर्माण की परिभाषा और अभिलाषा भी बदल जाएगी।

हिमाचल शहरी विकास का खाका बीबीएन की जमीन पर उतर कर एक, आश्वासन दे रहा है। यहां भू संपत्ति के मालिक पूलिंग समझौते के तहत न केवल शहरी विकास के रेखांकन में अव्वल होंगे, बल्कि इससे एक व्यवस्थित बीबीएन का मानचित्र भी बनेगा। भले ही टीसीपी कानून की शर्तों में ऐसे उपाय शुरुआत में ही कर लेने चाहिए थे, लेकिन देरी से सही एक राह तो सामने आई। बीबीएन अब तक औद्योगिक प्रसार का डेस्टिनेशन बना रहा, जबकि यह एक महानगर के अवतार की क्षमता की संभावना रखता है। लैंड पूलिंग से भी हिमाचल की भौगोलिक परिस्थितियों को शहरी योजनाओं के सांचे में ढालना आसान हो जाएगा। जाहिर तौर पर बीबीएन के अनुभव प्रदेश के हर शहरी क्षेत्र और खास तौर पर नगर निगमों के दायरे में लागू हों, तो कई शहरों का एक तरह से पुनर्गठन होगा और सार्वजनिक जमीन के इस्तेमाल की किफायत भी होगी। अब तक का शहरी विकास केवल सरकारी जमीन की उपलब्धता या निजी भूमि की बिक्री पर ही हुआ है।

नहान प्रशिक्षण केंद्र में नहान आचार संहिता सिखाएंगे भुग्गा जी

महाकुंभ का महाकर्म नहान–विधान...

अरविन्द त्रिपाठी

देवासुर संग्राम के उपरान्त हुए समुद्र मंथन के परिणामस्वरूप मिले रत्नों में से एक रत्न अमृत भी था जो कुंभ सहित मिला था, जिसे चार जगह बदल–बदल कर रखे जाने की कथा पुराणों में पाई जाती है। आजकल प्रयागराज में महाकुंभ जारी है। कहते हैं कि 144 वर्षों में ऐसा खगोलीय महासंयोग आता है। ऐसा ही, संयोग कन्नौज के राजा हर्षवर्धन के समय भी आया था, जिसका वर्णन चीनी यात्री ह्वेनसांग ने किया था। उसने बताया कि राजा हर्ष ने अपना सबकुछ यानी कपड़े तक दान कर दिए थे।

इसे ऐसे समझिए कि सभी देव, दानव, राक्षस, गन्धर्व, किन्नर, पशु–पक्षियों द्वारा जीवित और आत्मा रूप में इस अवसर का विगत 144 वर्षों से इंतज़ार कर रहे थे। सो, प्रयागराज के लिए एक बड़ी संख्या में सभी नागा, भागा और जागा पहुंच रहे हैं।

इस महा आयोजन में कोई किसी को आमंत्रित करे या न करे, व्यवस्था चाहे जैसी हो, आस्था और विश्वास के सहारे आमजन आते हैं और अपने पुण्यों का लेखा–जोखा ठीक कराते ही हैं।इस अवसर पर मंथन जारी है। अब तक मीडिया के माध्यम से देश–दुनिया के तमाम तमाशों के साथ ही आईआईटी बाबा, कांटा बाबा, सूखा हाथ वाला बाबा, नग्न अघोरी संत, सुंदर अघोरी बाबा, विदेशी अघोरी बाबा, अन्न वाले बाबा, रबड़ी वाले बाबा, आग वाले बाबा और मोनालीसा आदि इस मंथन से प्राप्त हो चुके हैं। मीडिया के सवाल बहुत तीखे और खुरपेंची होने पर बाबाओं का ऑन कैमरा रिएक्शन भी रील और मीम का कच्चा माल बन रहा है।महाकुंभ नहान में डुबकी का बड़ा महत्व

है। प्रदेश सरकार ने अपने विज्ञापनों में पांच डुबकी के महात्म्य वाले विज्ञापन जारी किए हैं। ठंड और अज्ञान के कारण ज्यादातर सेलीब्रिटी इस संख्या विशेष के नियम का अनुपालन नहीं कर रहे। इसी तरह, कपड़े, बिना कपड़े या कितने कपड़ों के साथ नहान हो यह भी साफ नहीं हो पा रहा है। नागा साधुओं के विषय में यह विवाद नहीं, किंतु संसारी विशेषकर कैमराजीवी प्रजाति के सामने यह प्रश्न है कि वस्त्र कितने और कैसे हों?

भुग्गा जी ने इस नहान–विधान के निर्माण पर गहन चिंतन किया और इस नतीजे पर पहुंचे कि क्यों न महाकुंभ को एक नवीन अवसर में बदल दिया जाए। सुना है, प्रयागराज में ही उन्होंने नहान प्रशिक्षण केंद्र बनाने का निर्णय लिया है। उनका मूल उद्देश्य धर्म और आस्था को ठेस लगे बिना नहान कराने की है। साथ में, कुछ धन भी कमाया जा सके तो कोई गुरेज नहीं। कैमरे के सामने बेडौल शरीर वाले लोगों को कितना और कैसे खुला जाए यह भी सिखाना है। मूलतया उनका उद्देश्य नहाते हुए अभिनय करने की कला का विकास करना है ताकि ऐसा लगे कि इन सभी ने आज ही पहली और अंतिम बार नहाया हो।

एक दौर में हिंदी फिल्मों में नायिकाओं के स्क्रीन पर नहाने की तस्वीरें सफलता का कारण हुआ करती थीं। कहानी की मांग के बहाने हीरोइनें ऐसे दृश्यों की चाहत में रहती थीं। कुंभ के अवसर पर सेलिब्रिटियों और राजनेताओं में यह भरपूर चाहत है कि कैमरा के सामने कुंभ–नहान हो जाए। इसी के साथ यह भी चाहत बलवती हो रही है कि किसी बड़े नेता या सेलीब्रिटी के साथ कुंभ–नहान का मौका मिल जाए। इसी बहाने कैमरे के फ्रेम में आकर उनसे नजदीकी साबित करने का अवसर भी मिलेगा।महाकुंभ मेला क्षेत्र के एक स्थानीय नेता के सामने एक नवीन संकट है। प्रत्येक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सेलिब्रिटी के प्रयागराज आने के पहले से लेकर जाने तक के इंतजामात के साथ ही जबरिया नहान भी करना पड़ रहा है। सुना है, उनके फोन की घंटी बजते ही उन्हें घबराहट होने लगती है कि उन्हें फिर से संगम में डुबकी लगानी पड़ेगी। अब तक वो सौ से अधिक डुबकी लगा चुके हैं। यह दूसरे नेताओं के लिए ईर्ष्या का भी कारण बन रहा है।भुग्गा जी शीघ्र ही नहान–विधान संबंधी दिशानिर्देशों को धर्म–संसद में स्वीकृत कराकर अपने नवीन नहान प्रशिक्षण शिविर में मिलेंगे, तब तक आमजन टेलीविजन पर एक खेल–तमाशे की तरह ही महाकुंभ का रसास्वादन करें और अपने पुण्य अर्जित करें।

दृष्टि कोण

तोल-मोल बिन बोल से 'सेल्फ गोल'

अंग्रेजी का शब्द है 'सेल्फ गोल' यानी अपने हाथों अपनी हार। आजकल यह शब्द कांग्रेस पार्टी के नेता राहुल गांधी के साथ जुड़ा हुआ है। कुछ ही दिन पहले अपनी ही पार्टी के एक कार्यक्रम में बोलते हुए लोकसभा में नेता विपक्ष ने कहा था, हमारी लड़ाई भाजपा से, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से है। यहां तक तो बात ठीक थी, पर राहुल गांधी यहीं नहीं रुके- पता नहीं क्या सोचकर उन्होंने आगे कहा, हमारी लड़ाई 'इंडियन स्टेट' से है। सत्तारूढ़ दल भाजपा की जैसे कोई मनचाही मुराद पूरी हो गयी। उसने राहुल गांधी की इस 'तीसरी लड़ाई' को मुद्दा बना लिया। भाजपा के नेता-प्रवक्ता तो जैसे राहुल गांधी और कांग्रेस के पीछे ही पड़ गये। इंडियन स्टेट से लड़ाई को उन्होंने राष्ट्र के साथ खिलवाड़ निरूपित कर दिया और घोषणा कर दी कि राहुल भारत विरोधी ताकतों के इशारों पर नाच रहे हैं। क्या सचमुच ऐसी बात है? क्या सचमुच स्टेट का मतलब राष्ट्र होता है? राहुल गांधी जब इंडियन स्टेट से लड़ाई की बात कह रहे थे तो क्या सचमुच उनके दिमाग में भारत राष्ट्र से लड़ाई की बात थी? राहुल गांधी की इस बात को, आइए पूरे संदर्भ में समझने की कोशिश करें। भाजपा, आरएसएस से लड़ाई लड़ने की बात करते हुए जब उन्होंने इंडियन स्टेट को भी जोड़ा तो स्पष्ट था कि वे शासन के विभिन्न संस्थानों पर भाजपा और संघ के वर्चस्व के संदर्भ में बात कह रहे थे। 'स्टेट' से उनका मतलब चुनाव आयोग, सीबीआई जैसी लोकतांत्रिक संस्थाएं हैं जिन पर भाजपा के कब्जे की बात राहुल गांधी ने कही है। यह मामला बयानबाजी तक ही सीमित नहीं है। इसे लेकर देश के अलग-अलग हिस्सों में राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज हुई हैं जिनमें कहा गया है कि राहुल गांधी ने भारत की संप्रभुता और अखंडता को खतरे में डालने का काम किया है। राहुल के इस बयान को संज्ञेय और गैर-जमानती काम भी बताया गया है।

राहुल गांधी तो इस मामले में लगभग चुप हैं, पर कांग्रेस पार्टी भाजपा और आरएसएस के इरादों पर ज़ोर-शोर से हमले कर रही है। कांग्रेस समेत राहुल गांधी का बचाव करने वालों का कहना है कि स्टेट का मतलब राष्ट्र नहीं होता। जब राहुल स्टेट के खिलाफ लड़ाई की बात कहते हैं तो उनका मतलब उन संस्थाओं के खिलाफ लड़ना है जो भारतीय जनता पार्टी के इशारों पर काम करती हैं। कांग्रेस इसे तार्किक मानती है। यदि स्टेट के खिलाफ लड़ने का मतलब राष्ट्र के खिलाफ लड़ाई है तो वे सब राष्ट्र-द्रोही कहलायेंगे जो न्यायालयों में सरकारी आदेशों के खिलाफ लड़ाई लड़ रहे हैं। सारे मामले अभियुक्त बनाम स्टेट ही होते हैं। यहां स्टेट का मतलब शासन-तंत्र है, राष्ट्र नहीं। हां, यह अवश्य हकीकत है कि सामान्य काम-काज, बातचीत में जब हम स्टेट कहते हैं तो इसका अर्थ सरकार ही समझा जाता है। पर इस बात को नजरंदाज़ नहीं किया जाना चाहिए कि सरकार का अर्थ राष्ट्र नहीं होता है। भारत राष्ट्र-राज्य और भारत सरकार के बीच के अंतर को समझना ज़रूरी है– और अक्सर इस अंतर को समझा नहीं जाता।

बहरहाल, हमारे राजनेताओं को यह बात समझनी होगी कि अपनी कथनी और करनी में उन्हें सावधानी बरतने की आवश्यकता है। राहुल गांधी जब स्टेट से लड़ाई की बात करते हैं तो इस बात की पूरी संभावना है कि आम नागरिक लड़ाई को देश के विरुद्ध ही समझे। भले ही यह समझ गलत हो, पर इसका हर्जाना तो भरना ही पड़ता है। राहुल गांधी पहले भी इस तरह के हर्जाने भर चुके हैं, इसलिए उन्हें और अधिक सावधानी बरतने की आवश्यकता है। राजनीति में, और अन्यत्र भी, विरोधी ऐसी भूलों का लाभ उठाने से नहीं चूकते। और अक्सर इन भूलों की वे भारी कीमत चुकानी पड़ती है। यह बात अभी लोग नहीं भूले होंगे कि कांग्रेस के एक नेता ने प्रधानमंत्री मोदी के संदर्भ में 'नीची जाति' की जगह 'नीच जाति' बोल दिया था, और तब कांग्रेस को चुनाव में इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ी थी। सम्बधित नेता दक्षिण भारत के थे और हिंदी बोलने में उन्हें कठिनाई आनी स्वाभाविक थी। विरोधियों ने उनकी इस कमज़ोरी का पूरा लाभ उठाया था। राजनीति के मैदान में असावधानी और कमज़ोरी में कोई विशेष अंतर नहीं होता। इस तरह की भूलें ही 'सेल्फ गोल' की भूमिका निभाती हैं। ऐसा ही कारनामा नेता प्रतिपक्ष ने तब भी किया था जब उन्होंने भारत में प्रजातंत्र की मृत्यु की बात कही थी। जनतांत्रिक संस्थानों को कमज़ोर किये जाने को प्रजातंत्र की मृत्यु नहीं कहा जा सकता। अपने वोट से सरकार बदलने की ताकत रखने वाला नागरिक स्वयं को अपमानित ही महसूस करेगा यदि उसे यह कहा जायेगा कि वह अपने मताधिकार का सही उपयोग नहीं कर रहा।

ऐसा नहीं है कि 'सेल्फ गोल' सिर्फ नेता प्रतिपक्ष ही करता है। हमारे बड़बोले नेता अक्सर यह अपराध कर बैठते हैं, और इससे कहीं अधिक महत्वपूर्ण यह तथ्य है कि वे यह मानने के लिए तैयार नहीं हैं कि उनसे कभी ऐसा अपराध हो सकता है। यही नहीं, अक्सर हम देखते हैं कि हमारे नेता अपने बड़बोलेपन में ऐसा कोई अपराध करने के बाद बड़ी आसानी से यह कह देते हैं कि उन्हें गलत समझा गया अथवा उनका कहने का तात्पर्य यह नहीं था, अथवा उनकी बात को पूरे संदर्भ में नहीं समझा गया। पर हकीकत यही है कि हमारे नेता जाने-अनजाने ऐसे अपराध कर बैठते हैं और फिर क्षमा मांगने के नाम पर कह देते हैं कि यदि किसी को उनकी बात से चोट पहुंची है तो उन्हें इसका खेद है। माफी वे फिर भी नहीं मांगते, आधा-अधूरा खेद व्यक्त करना ही पर्याप्त समझते हैं।

कुछ अलग

कैसे करें नव वर्ष का स्वागत

नव वर्ष स्वागत है, उस कठिन सर्दी का जिसने पिछले वर्ष में पडऩे के सभी रिकार्ड तोड़ दिए। स्वागत है, सुबह-शाम पडऩे वाले उस धुंध और कोहरे का, विलम्ब से चलती गाडिय़ों के साथ, रद्द उड़ानों के साथ और सुबह-शाम होती सडक़ दुर्घटनाओं के साथ जिसने आहतों की सुध-बुध के लिए समय पर कोई चौकस मसीहा भी नहीं दिया, क्योंकि सर्दी बहुत है और उसकी वजह से प्रशासन को ठंड लग गई है। बीता पिछला वर्ष बारिश के दिनों में अत्यधिक गर्मी और गर्मी के दिनों में धारासार बारिश झेलता रहा, क्योंकि उसका मुकाबला ग्लोबल वार्मिंग और पर्यावरण प्रदूषण के विरुद्ध भाषणों से किया जाता रहा था। विश्व के मसीहाओं का किरदार यह था कि दुनिया का राजा भाई अमरीका उस सन्धि से हट गया। खेतीबाड़ी फिर मानसून का जुआ हो गई है और फसल उजड़े खेतों में किसान फिर उम्मीद भरी आंखों से आसमान की ओर देखते हुए गाते हैं, 'रब्बा-रब्बा मींह वरसा, साडी कोठी दाणो पा।' इससे साबित होता है कि हम अपनी लोक संस्कृति, लोक गीतों और परंपराओं से कितना जुड़े हुए हैं। अपनी हर समस्या का समाधन इन हृदयविदारक गीतों से करते हैं। पहली हरित क्रांति की शोभायात्रा में शामिल होने के बाद आज भी द्वितीय हरित क्रांति को शुरू नहीं कर पाते। स्वाधीनता की पौन सदी गुजर जाने के बाद आज भी देश का किसान विमल राय की पुरानी फिल्म 'दो बीघा जमीन' को फिर जीने के लिए अभिशप्त है।

जब भी कोई फसल सूखाग्रस्त होती है, हमारे पास उसका एक ही समाधान रहता है, विदेशों से आयात। आयात होता है, तो जमाखोरों और तस्करों की बन जाती है। मरी हुई फसल का बचा उत्पाद सोने का भाव बिकने लगता है, और इसके बाद कीमत के थोड़ा-सा गिरने पर ही सरकारी तंत्र को घोषणा करने का अवसर मिल जाता है कि देखिए हमने भरपूर कोशिश के बाद कीमतों पर नियंत्रण पाना शुरू कर दिया। सरकार के इन सद्प्रयासों की जनता प्रशंसा करे और बेहतर है कि जनता के इन कठिन दिनों में आम आदमी इन अनुपलब्ध वस्तुओं का प्रयोग ही बंद कर दे। भूख और आर्थिक दुर्दशा से मरने वालों की संख्या अगर बढ़ जाती है तो उसके खाते रखने का झंझट त्याग दिया गया है। आप जानते हैं झंझट से झंझट पैदा होता है। भूख से बेकार किसान-मजदूर की आत्महत्या गिनोगे तो उसका मुआवजा अदा करने का संकट पैदा हो जाएगा, जो देश के खाली खजाने के पास है नहीं, इसलिए ऐसी मौतों को अपच से हुई मौतौं के खाते में डाल दो। यह खाली खजाना भी बहुत बड़ी समस्या है, साहिब, यह देश को सताती है। इसलिए हमारी विकास यात्रा रुक गई है। अधूरे फ्लाईओवर, अधबनी सडक़ें और ट्रैफिक जाम आम आदमी की नियति बन गए हैं। अर्थव्यवस्था का भाग्य संवारने वाली पंचवर्षीय योजनाएं हमारी विजय यात्रा पर अपनी असफलता से बदनुमा दाग न लगाएं, इसलिए फिलहाल इन शोभायात्राओं की शान बरकरार रखने के लिए हमने देश के योजनाबद्ध विकास को ही सोच-विचार के खाते में डाल दिया है। योजना आयोग को तोड़ कर नीति आयोग बना दिया है। योजना आयोग सफेद हाथी था, अतः उसे त्याग दिया। नीति आयोग बनाया है जो कि फिलहाल देश की आर्थिक दुर्दशा के पिछड़ेपन के इस मकडज़ाल से निकलने के लिए फिलहाल हमने एक साहसिक फैसला कर दिया कि अपना वित्तीय घाटा अनुमान बढ़ा कर तीन से साढ़े तीन प्रतिशत कर दो। नए वर्ष का स्वागत करना है, क्यों न इस घर फूंक तमाशे से ही करें।

देश दुनिया से

सुखदायी है 'चिल्ड्रन ऑफ दि स्टेट' योजना

हिमाचल प्रदेश के इतिहास में 06 अप्रैल, 2023 के दिन को ऐतिहासिक माना जाएगा जब राज्य विधानसभा ने हिमाचल प्रदेश सुखाश्रय (राज्य के बच्चों की देखभाल, संरक्षण और आत्मनिर्भरता) विधेयक 2023 को पारित किया गया। इस योजना का उद्देश्य निराश्रित बच्चों और अनाथों की देखभाल करना है। विधेयक में निराश्रित बच्चों और अनाथों को राज्य के बच्चे (चिल्ड्रन ऑफ दि स्टेट) के रूप में परिभाषित किया गया है और इन बच्चों की शिक्षा, कौशल प्रशिक्षण और भविष्य को सुरक्षित करने का प्रावधान किया गया है। मुख्यमंत्री सुक्खू के अनुसार हिमाचल प्रदेश ऐसा विधेयक पारित करने वाला भारत का पहला राज्य है तथा विधेयक के कार्यान्वयन के लिए पूर्ण बजट का प्रावधान भी किया गया है और इसके लिए 101 करोड़ रुपए की धनराशि निर्धारित की गई है। विधेयक के अनुसार अनाथ बच्चों को 27 वर्ष की आयु प्राप्त करने के बाद उन्हें तीन बिस्वा जमीन और घर बनाने के लिए धन उपलब्ध कराया जाएगा। इसे मुख्यमंत्री अनाथ एवं बेसहारा बच्चों की मदद करने को मानवता और इनसानियत से जुड़ा हुआ मुद्दा करार देते हैं। विधेयक के प्रावधानों के क्रियान्वयन पर लगभग 272.27 करोड़ रुपए का व्यय आएगा। राज्य सरकार अनाथ और बेसहारा बच्चों को 18 वर्ष की आयु पार करने के बाद बाल देखभाल संस्थानों में दो साल तक रहने की व्यवस्था करेगी।

अपवादस्वरूप, ऐसे बच्चों को 23 वर्ष की आयु तक देखभाल संस्थानों में रखा जा सकेगा जहां ये संस्थान उनकी शिक्षा और रोजगार योग्य कौशल और प्लेसमेंट प्रदान करेंगे, जिससे उन्हें मुख्यधारा में फिर से शामिल होने में सुविधा होगी। हिमाचल में ऐसे अनेक अनाथ बच्चे हैं जिनकी देखभाल करने वाला कोई भी नहीं है। ऐसे अनाथ बच्चे या तो अनाथालयों में रहते हैं या फिर सडक़ के किनारे फुटपाथ पर रहते हैं। चूंकि अनाथ बच्चों का कोई भी सहारा नहीं होता है और वह यहां-वहां भटकते रहते हैं, ऐसे में कई बार उनके आपराधिक गतिविधियों में लिप्त होने की आशंका भी बनी रहती है। इस योजना में हिमाचल प्रदेश के मूल निवासी सिर्फ अनाथ बच्चों को ही शामिल किया जाएगा। हिमाचल प्रदेश की यह योजना अनाथ बच्चों के लिए शुरू की गई बहुत ही महत्वपूर्ण एवं कल्याणकारी योजना मानी जा रही है। ऐसी ही एक योजना केंद्र सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा बाल संरक्षण सेवा (चाइल्ड प्रोटेक्शन सर्विस-सीपीएस) योजना या 'मिशन वात्सल्य' शुरू की गई है। यह मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की संवेदनशील और दूरदर्शी सोच का ही नतीजा है कि सरकार ने इन बच्चों को 'चिल्ड्रन ऑफ दि स्टेट' का दर्जा प्रदान कर अभिभावक के रूप में इन्हें अपनाया है। मुख्यमंत्री का कार्यभार संभालते ही सीएम सुक्खू ने बेसहारा बच्चों को अपनाने का संकल्प लिया था। यह उनकी संवेदनशीलता का परिचायक भी है। हाल ही में मुख्यमंत्री ने चिल्ड्रन ऑफ दि स्टेट के पहले दल को 13 दिवसीय भारत भ्रमण पर रवाना किया था। इस दल में 22 बच्चों को भ्रमण पर भेजा गया था, जिनमें 16 लड़कियां और 6 लडक़े शामिल थे। इस दौरान बच्चों ने चंडीगढ़, दिल्ली और गोवा का भ्रमण किया। प्रदेश सरकार ने भ्रमण पर भेजे गए बच्चों के लिए विशेष प्रबंध किए थे ताकि वे आनंदपूर्वक अपना समय बिता सकें और मधुर स्मृतियों के साथ वापस लौटें।

उनकी आरामदायक यात्रा के लिए शताब्दी ट्रेन और हवाई यात्रा की व्यवस्था की गई थी। जब ये बच्चे भारत भ्रमण से वापस लौटे तो शिमला के जिलाधीश एवं पुलिस अधीक्षक ने उनका स्वागत किया और बच्चों के चेहरे पर संतोष की झलक स्पष्ट दिखाई दे रही थी और इसका श्रेय मुख्यमंत्री की कार्यशैली को जाता है। चिल्ड्रन ऑफ दि स्टेट (बच्चों) को लेकर मुख्यमंत्री सुखविंदर सिह सुक्खू का कहना है कि इन अनाथ बच्चों का हिमाचल की संपदा पर बराबर अधिकार है। उनकी सरकार ही माता है और सरकार ही पिता है। मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार बाल आश्रम टूटीकंडी तथा मसली में 21-21, बालिका आश्रम मशोबरा में 88, ऑब्जरवेशन कम स्पेशल होम हीरानगर में 10, बालिका आश्रम दुर्गापुर में 39, बाल आश्रम रॉकवुड में 32, बाल आश्रम सराहन में 15, बालिका आश्रम सुन्नी में 11, शिशु गृह शिमला में 18, स्टेट होम मशोबरा में रह रहे 18 बच्चों व महिलाओं को त्योहार भत्ता भी दिया जा रहा है। हिमाचल प्रदेश में अनाथ बच्चों की व्यथा एवं परेशानी को समझते हुए कुछ एनजीओ एवं समाजसेवी संस्थाओं ने भी सहायता के लिए हाथ आगे बढ़ाए हैं जिनमें रिटायर्ड आईएएस अधिकारी राजेंद्र सिंह नेगी ने आरके शर्मा के सहयोग से आदर्श बाल निकेतन आश्रम के निर्माण पर 1.40 करोड़ रुपए की राशि खर्च कर एक अनूठी मिसाल कायम की है। जिला सिरमौर के पच्छाद विधानसभा क्षेत्र के बनी-बखोली पंचायत में अप्रैल 2018 में शुरू हुआ यह आश्रम 8839 स्क्वायर फीट में फैला हुआ है तथा इसमें 25 बच्चों को रखने की क्षमता है। वर्तमान में यहां 21 बच्चे रह रहे हैं। इसी प्रकार भूतपूर्व सैनिकों के अनाथ बच्चों को वित्तीय सहायता देने के लिए आरएमईडब्ल्यूएफ द्वारा सभी रैंकों के भूतपूर्व सैनिकों के 21 साल तक के अनाथ बेटों और अविवाहित बेटियों को हर महीने 3000 रुपए दिए जाते हैं। यूनिसेफ के अनुसार 2007 में भारत में लगभग 25 मिलियन अनाथ बच्चे थे। राज्य के 6000 अनाथ बच्चों के बारे में सोचना और उनके लिए एक दीर्घकालीन नीति बनाकर उसे योजनाबद्ध तरीके से क्रियान्वित करना मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू की दूरदर्शी सोच एवं संवेदनशीलता को दर्शाता है। आशा की जा सकती है कि मुख्यमंत्री सुक्खू इसी प्रकार से कुछ और ऐसी नीतियां, कार्यक्रम और योजनाओं को सामने लाएंगे जिससे प्रदेशवासियों का हित होगा और हिमाचल प्रदेश उनके गतिशील नेतृत्व में आगे बढ़ेगा।

आप का नजरिया

दिवालियापन की ओर!

हम कई बार दोहरा चुके हैं कि देश पर करीब 200 लाख करोड़ रुपए का कर्ज है। चूंकि अब सरकार ने उसका ब्याज चुकाने को 10.61 लाख करोड़ रुपए का अतिरिक्त कर्ज लिया है, तो स्थितियां स्पष्ट होने लगी हैं कि भारत सरकार पर आंतरिक कर्ज का बोझ कितना है? विदेशी कर्ज भी लाखों करोड़ रुपए में है, जिसका ब्याज चुकाने के लिए भी कर्ज मांगना पड़ रहा होगा। यह एक राष्ट्रीय यथार्थ सामने आया है। यदि कोई और आयाम है, तो भारत सरकार को स्पष्ट करना चाहिए। भारत विश्व की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और हम तीसरी बनने की ओर अग्रसर हैं। ऐसे बयान गोल-गपाड़े लगते हैं, क्योंकि असल में देश दिवालियापन की ओर बढ़ता दिखाई देता है। चूंकि हमारे जीडीपी का आकार बड़ा और व्यापक है, लिहाजा हम बड़ी अर्थव्यवस्था हैं, लेकिन हम कर्जमुक्त अर्थव्यवस्था नहीं हैं। देश की सत्ता और उसके प्रवक्ता अमरीका का उदाहरण न दें कि वह भी कर्जदार देश है। दरअसल उसकी अर्थव्यवस्था 25-26 ट्रिलियन डॉलर की है। भारत से करीब 6 गुना अधिक..! भारत का बजट ही 45-50 लाख करोड़ रुपए का है और उसका चौथाई हिस्सा कर्ज का ब्याज चुकाने में खर्च हो जाए और उसके लिए भी एक और कर्ज लेना पड़े, तो कैसे माना जा सकता है कि हम बड़ी अर्थव्यवस्था के देश हैं और 'विकसित देश' बनने की ओर बढ़ रहे हैं? भारत अब भी विकासशील और गरीब देश है, लिहाजा 81 करोड़ लोगों को 'मुफ्त अनाज' बांटना पड़ रहा है। यह सबसे बड़ी 'रेवड़ी' है। हमने यह मुद्दा इसलिए उठाया है, क्योंकि आजकल दिल्ली चुनाव में 'रेवडियां' बांटने और वोट उगाहने की प्रतिस्पद्र्धा जारी है। दिल्ली का बजट 76,000 करोड़ रुपए का है। यदि तमाम घोषित 'रेवडियां' मुहैया कराई जानी हैं, तो दिल्ली सरकार को करीब 32,000 करोड़ रुपए की अतिरिक्त जरूरत पड़ेगी। इतनी पूंजी कहां से लाएगी दिल्ली सरकार? बजट में 60,000 करोड़ रुपए से अधिक का व्यय वेतन-भत्तों और पेंशन आदि पर हो जाता है। मौजूदा वित्त-वर्ष में बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए 5919 करोड़ रुपए से कुछ अधिक ही आवंटित किए जा सके हैं। 1993 के बाद पहली बार बजट में घाटा दिख रहा है। सरकार 'आप', भाजपा या कांग्रेस की बने, लेकिन तीनों ने जितनी 'रेवडियों' की घोषणा कर रखी है, उन्हें मुहैया कराने को कमोबेश 25,000 करोड़ रुपए की जरूरत पड़ेगी। अद्र्धराज्य की सरकार इतने आर्थिक संसाधन कहां से लाएगी? भाजपा के लिए अब चुनावी वैचारिकता नेपथ्य में चली गई है। हर रोज एक नई 'रेवड़ी' की घोषणा या तो भाजपा करती है अथवा 'आप' करती है। 'रेवडियां' ही चुनाव का आदर्श मॉडल बन गई हैं। दोनों पक्षों में होड़ मची है कि कौन आम आदमी को ज्यादा आलसी और नकारा बना सकता है? 'रेवडियों' की इस संस्कृति के कारण ही तमिलनाडु पर सर्वाधिक 9 लाख करोड़ रुपए से अधिक का कर्ज है। देश के सबसे बड़े राज्य, भाजपाशासित, उप्र पर कर्ज बढक़र 8.57 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गया है। एक और बड़े राज्य, भाजपा-महायुति शासित, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई वाले राज्य, महाराष्ट्र का कर्ज भी 8 लाख करोड़ रुपए की ओर बढ़ रहा है। ये कर्जदार हालात सभी राज्यों के हैं।

पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ नेता उमर अयूब खान पर कसा कानूनी शिकंजा

इस्लामाबाद, 23 जनवरी (एजेंसियां)।

पाकिस्तान की एक अदालत ने पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के नेता उमर अयूब खान के खिलाफ जमानती गिरफ्तारी वारंट जारी किया। अयूब के वकील साजिद महमूद ने इसकी पुष्टि की। यह वारंट 9 मई के दंगों से जुड़े मामले में जारी हुआ है।

उमर अयूब खान पीटीआई के बड़े नेता हैं। नेशनल असेंबली में उनका दर्जा विपक्षी नेता का है। जमानती गिरफ्तारी वारंट सरगोधा की आतंकवाद विरोधी अदालत (एटीसी) ने जारी किया है। सरगोधा पाकिस्तान के पंजाब प्रांत का प्रमुख शहर है। खान को एटीसी के समक्ष पेश होना था। उनके वकील ने कहा कि नेशनल असेंबली के विपक्षी नेता का मेडिकल प्रमाणपत्र सरगोधा अदालत में जमा करा दिया गया है। वह 30 जनवरी को पेश होंगे।

बताया गया है कि उमर खिलाफ यह गिरफ्तारी वारंट मियांवाली के कमर मशानी और मूसा खेल पुलिस स्टेशनों में दर्ज कई मामलों की पृष्ठभूमि में आया है।

इन थानों में उमर के अलावा पंजाब विधानसभा में विपक्ष के नेता मलिक अहमद खान बचर, एमएनए बिलाल इजाज, सनम जावेद और आलिया हमजा और 300 पीटीआई कार्यकर्ताओं के खिलाफ मामला दर्ज है। सभी पर पाकिस्तान वायुसेना के प्रतिष्ठानों और सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के गंभीर आरोप शामिल हैं।

फैसलाबाद एटीसी इससे पहले 22 जनवरी को इन्हीं दंगों से संबंधित एक अन्य मामले में उमर और सीनेट के विपक्षी नेता शिबली फराज के खिलाफ गैर-जमानती गिरफ्तारी वारंट जारी कर चुकी है। नौ मई के दंगों में पीटीआई संस्थापक इमरान खान के खिलाफ भी केस दर्ज हैं।

न्यूज ब्रीफ

पिस्तौल लेकर नेपाल में घुसे उत्तराखंड के चार युवक गिरफ्तार

काठमांडू। नेपाल पुलिस ने उत्तराखंड के चार युवकों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से पिस्तौल बरामद हुई है। इनके वाहन को भी पुलिस ने जब्त कर लिया है। यह जानकारी कंचनपुर जिला पुलिस प्रवक्ता उमेशराज जोशी ने दी। उन्होंने बताया कि स्थानीय पुलिस ने बुधवार रात लगभग 10 बजे भीमदत्त के पास उत्तराखंड नंबर की कार (यूके 06 एआर 0846) को रोककर जांच की। इस दौरान ड्राइविंग सीट के पिछले पॉकेट में विदेशी लोडेड पिस्तौल रखा मिला। इसके बाद कार सवार उत्तराखंड के उधमसिंह नगर के खटीमा निवासी 34 वर्षीय जीवन सिंह जिमवाल, 31 वर्षीय कमल विष्ट, 34 वर्षीय उमेद सिंह अधिकारी और 28 वर्षीय संजय जेठी को गिरफ्तार कर लिया गया।

जापान के साथ नेताजी सुभाष चंद्र बोस का विशेष संबंध था: मुख्यमंत्री

टोक्यो, । असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने टोक्यो स्थित भारतीय दूतावास में नेताजी सुभाष चंद्र बोस को पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा, नेताजी की जापान यात्रा और उपनिवेशी शासन के खिलाफ जापान का समर्थन पाने के उनके कठिन प्रयासों उन्होंने को याद किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि नेताजी के विचार और भारत के इतिहास में उनके अतुलनीय योगदान से हम गहराई से प्रेरित हैं। डॉ. सरमा ने कहा, मैंने टोक्यो में भारतीय दूतावास में नेताजी को पुष्पांजलि अर्पित करके अपने दिन की शुरुआत की। मैंने उनकी जापान यात्राओं और औपनिवेशिक शासन के खिलाफ लड़ाई में जापान का समर्थन हासिल करने के लिए उनके अथक प्रयासों को याद किया। उन्होंने कहा, हम नेताजी के विचारों और भारत के इतिहास में उनके अद्वितीय योगदान से गहराई से प्रभावित हैं। नेताजी सुभाष चंद्र बोस, जो भारत के स्वतंत्रता संग्राम के एक प्रमुख नेता थे, ने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान जापान की मदद से भारतीय राष्ट्रीय सेना (आईएनए) का गठन किया और ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन को चुनौती दी। जापान के साथ उनका सहयोग दोनों देशों के साझा इतिहास का एक महत्वपूर्ण अध्याय है। डॉ. सरमा की यह यात्रा नेताजी के विजन और भारत के स्वतंत्रता संग्राम में उनकी भूमिका के प्रति सम्मान को दर्शाती है। साथ ही, उनके बयान से भारत-जापान संबंधों को मजबूत करने के ऐतिहासिक और आपसी सम्मान के महत्व पर भी प्रकाश पड़ता है।

चीन को मिला सख्त संदेश, कोई देश एकतरफा तौर पर बदलाव नहीं कर सकता ट्रंप के शपथ ग्रहण के बाद क्वाड देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में हुआ फैसला

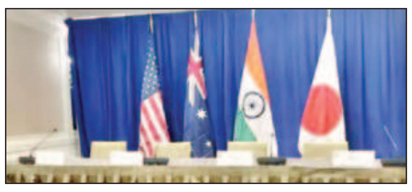

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की शपथ के कुछ घंटों बाद ही क्वाड देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक हुई। इस बैठक के बाद जो संयुक्त बयान जारी हुआ वह चीन के लिए एक सख्त संदेश था। विदेश मंत्रियों के बयान में कहा गया कि कहीं भी यथास्थिति में कोई देश एकतरफा तौर पर बदलाव नहीं कर सकता और ऐसा किया गया तो स्वीकार नहीं किया जाएगा। ऑस्ट्रेलिया, जापान, अमेरिका और भारत की सदस्यता वाले इस गुट का ट्रंप की शपथ लेने के तुरंत बाद ऐसा बयान जारी करना यह संदेश देता है कि ट्रंप प्रशासन के दौर में चीन पर नरमी नहीं बरती जाएगी। खासतौर पर दक्षिण चीन सागर, ताइवान और जापान के साथ सीमा विवाद को लेकर सख्त रुख अपनाया जाएगा। चीन की विस्तारवादी नीतियों को लेकर ऑस्ट्रिलया, अमेरिका, जापान और भारत समेत कई देश चिंतित हैं। यही नहीं चीन के विदेश मंत्री ने तो अपने बयान में साफ कर दिया कि साउथ और ईस्ट चाइना सी का जिक्र किया है। संयुक्त बयान में कहा गया है हम इस बात के लिए प्रतिबद्ध हैं कि अंतरराष्ट्रीय कानूनों का सम्मान किया जाए। आर्थिक अवसरों में समानता हो और शांति, स्थिरता एवं सुरक्षा के लिए प्रयास किए जाएं। भारत के लिहाज से क्वाड देशों की यह बैठक अमेरिका में होना अहम था। क्वाड देशों की बैठक में चीन को निशाने पर रखा गया। वहीं चीन के खिलाफ गोलबंदी भी मजबूत होती नजर आई। दरअसल अमेरिका की ओर से साफ संकेत देने की कोशिश की गई है कि हम चीन की आक्रामकता से निपटने के लिए भारत और जापान जैसी शक्तियों को साथ लेकर चलेंगे। पहले ही ट्रंप ने पनामा नहर, टिकटॉक और टैक्स आदि को लेकर चीन को चेतावनी दी है। सालों से चीन और अमेरिका के बीच ट्रेड वॉर जारी है और ट्रंप की वापसी से इसमें इजाफा ही होने की उम्मीद है। भारत के विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि क्वाड देशों की बैठक की टाइमिंग ही उसके महत्व को बताती है।

अमेरिका में अवैध प्रवासियों पर बड़ी चोट संसद ने लैकेन रिले विधेयक को मंजूरी दी

वाशिंगटन, 23 जनवरी (एजेंसियां)।

अमेरिका की संसद (कांग्रेस) ने बुधवार को लैकेन रिले विधेयक को अंतिम मंजूरी प्रदान कर दी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हस्ताक्षर के बाद यह कानून का रूप लेगा। इस कानून का एकमात्र मकसद अवैध प्रवासियों पर अंकुश लगाना है। इससे भारत समेत कई देशों के प्रवासी प्रभावित होंगे। माना जाता है कि अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे प्रवासियों में लगभग 75,000 भारतीय हैं।

ओरेगन कैपिटल क्रॉनिकल समाचार पत्र की खबर के अनुसार, डेमोक्रेट्स के बड़े गुट ने रिपब्लिकन के सहयोग से इसे 263-156 मतों से पारित किया। उल्लेखनीय है कि डोनाल्ड ट्रंप ने चुनाव अभियान के दौरान इस मुद्दे को उठाया। उन्होंने शपथ ग्रहण के बाद अपने पहले संबोधन में कहा था कि अवैध रूप से आए लोगों को जो जहां से आया है, वहीं वापस भेज दिया जाएगा।

इस विधेयक का नाम 22 वर्षीय जॉर्जिया नर्सिंग छात्र लैकेन रिले के नाम पर रखा गया है। लैकेन की पिछले साल वेनेजुएला में हत्या कर दी गई थी। आव्रजन अधिकारियों ने लैकेन की हत्या में दोषी ठहराए गए व्यक्ति के बारे में कहा था कि उसने उचित अनुमति के बिना प्रवेश किया था। उस पर संयुक्त राज्य अमेरिका में दुकानों में चोरी का आरोप भी लगा था। अलबामा से सीनेटर केटी ब्रिट ने कहा है, मुझे गर्व है कि लैकेन रिले अधिनियम पहला ऐतिहासिक विधेयक होगा जिस पर राष्ट्रपति ट्रंप हस्ताक्षर करके कानून बनाएंगे। यह इस बात का भी सबूत है कि राष्ट्रपति ट्रंप और रिपब्लिकन वादों को पूरा करने के लिए तैयार हैं।

अमेरिका में तीन दशक की राजनीति में इसे सबसे महत्वपूर्ण विधेयक माना जा रहा है। इसमें आव्रजन न्यायाधीश को बॉन्ड देने की क्षमता के बिना अप्रवासियों को हिरासत में लेने का अधिकार दिया गया है। इसमें आप्रवासी बच्चों के लिए कोई प्रावधान नहीं है। यह विधेयक राज्य के अटॉर्नी जनरल को संघीय आव्रजन नीति और आव्रजन न्यायाधीशों के बॉन्ड निर्णयों को चुनौती देने के लिए व्यापक कानूनी अधिकार प्रदान करता है। साथ ही प्राधिकारी राज्य सचिव को अंतरराष्ट्रीय मंच पर वीजा जारी करने से रोकने के लिए भी मजबूर कर सकता है।

विधेयक के अमल पर आएगा 83 बिलियन अमेरिकी डॉलर का खर्च अनुमान लगाया जा रहा है कि अगले तीन साल में विधेयक के अमल पर 83 बिलियन अमेरिकी डॉलर का खर्च आएगा। अमेरिकी आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन का अनुमान है कि बिल के लागू होने से अप्रवासियों को हिरासत में लेने वालों की संख्या बढ़ जाएगी। अमेरिका में 50 लाख से अधिक भारतीय

एक रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका में भारतीयों की संख्या 50 लाख से अधिक है। इनमें से लगभग 75,000 अवैध रूप से रह रहे हैं। अमेरिका में जारी होने वाले 3,86,000 एच1बी वीजा में से लगभग तीन-चौथाई भारतीयों को मिलते हैं। दूसरी ओर अमेरिकी संविधान में 155 साल पहले हुआ 14वां संशोधन अमेरिका में जन्म लेने वाले हर बच्चे को नागरिकता का जन्मसिद्ध अधिकार देता है।

कहा जाता है कि इसे भुनाने के लिए कुछ लोग केवल बच्चे पैदा करने के लिए अमेरिका जाते हैं। इसे नागरिकता पर्यटन भी कहा जाता है। ट्रंप ने दूसरा कार्यकाल शुरू करने पर आदेश जारी कर इसकी परिभाषा ही बदल दी है। यह आदेश कहता है कि अवैध या अस्थायी रूप से रहने वाले आप्रवासियों के बच्चों को अमेरिका में पैदा होने पर भी वहां की नागरिकता नहीं मिलेगी।

येओल काफिले के साथ संवैधानिक न्यायालय पहुंचे, महाभियोग पर होगी सुनवाई

सियोल। पिछले दिनों औपचारिक रूप से गिरफ्तार किए गए दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक येओल गुरुवार को काफिले के साथ संवैधानिक न्यायालय पहुंचे। संवैधानिक न्यायालय 14 दिसंबर को येओल के खिलाफ नेशनल असेंबली में पारित महाभियोग प्रस्ताव पर सुनवाई कर रहा है। इससे पहले तीन बार न्यायालय सुनवाई कर चुका है। येओल दो बार नहीं पहुंचे। वह मंगलवार को तीसरी सुनवाई में व्यक्ति रूप से हाजिर हुए थे। यून सुक येओल को तीन दिसंबर को अल्पकालिक मार्शल लॉ लगाए जाने के बाद कड़े विरोध का सामना करना पड़ रहा है। येओल का काफिला सियोल के दक्षिण में उइवांग में सियोल डिटेंशन सेंटर से रवाना हुआ और संवैधानिक न्यायालय पहुंचा। सुनवाई में पूर्व रक्षामंत्री किम योंग-ह्यून भी शामिल होंगे। उन्हें मार्शल लॉ की घोषणा में कथित भूमिका के लिए गिरफ्तार किया गया था। येओल के वकीलों ने मुकदमे के लिए किम को गवाह के रूप में चुना है।

चीन ने बांग्लादेश के कर्ज चुकाने की अवधि बढ़ाई, ब्याज कम करने का दिया आश्वासन

वाशिंगटन, 23 जनवरी (एजेंसियां)।

बांग्लादेश के विदेश मंत्री तौहीद हुसैन 20 जनवरी को चीन दौरे पर पर थे। तौहीद ने चीन पहुंचते ही वहां के विदेश मंत्री वांग यी से मुलाकात की। मुलाकात में चीन की शी जिनपिंग सरकार ने बांग्लादेश की युनूस सरकार को राहत देने का फैसला किया है। जिनपिंग सरकार के फैसले के मुताबिक बांग्लादेश को जो कर्ज दिया था उसे चुकाने की अविध बढ़ाकर 30 साल कर दी है। न केवल कर्ज चुकाने की अवधि बढ़ाई है बल्कि ब्याज दरों को कम करने की भी बात कही है।

इसी के साथ चीन की बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) योजना के लिए भी कमिटमेंट किया है।

चीन विदेश मंत्री से मुलाकात के बाद बांग्लादेश के विदेश मंत्री तौहीद की ओर से बयान में कहा गया है कि तौहीद ने चीन से अपील की है कि कर्ज की ब्याज दर को 2-3 फीसदी से कम कर के 1 फीसदी किया जाए। इसके साथ साथ लिए हुए कर्ज को चुकाने की अवधि को 20 साल की जगह 30 साल कर दी जाए, क्योंकि कर्ज चुकाने को लेकर बांग्लादेश का पिछला रिकॉर्ड अच्छा रहा है और यही कारण है कि चीन ने कर्ज चुकाने की अवधि बढ़ा दी है और ब्याज दरों को कम करने की कोशिश करने का भी आश्वासन दिया है।

वहीं चीनी विदेश मंत्री ने तौहीद से मुलाकात के बाद कहा कि चीन बांग्लादेश के आर्थिक और सामाजिक डेवलपमेंट को समर्थन देता रहेगा।

वहीं बांग्लादेश के अब के हालातों को देखते हुए विकास के लिए ऐसा रास्ता अपनाएगा जो उनके हित में रहे। चीनी विदेश मंत्री ने कहा कि चीन सरकार बांग्लादेश के साथ दोस्ती गहरी करना, रणनीतिक संवाद और बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव समेत कई परियोजनाओं पर साथ काम करना चाहती है।

चारों ओर बर्फ ही बर्फ

न्यू ओरलियंस में बर्फ के तूफान इजों के बाद चारों ओर बर्फ ही बर्फ नजर आयी। ऐसे में लोग कीचड़ के बीच ही गलियों में निकलते हुए।

लॉस एंजिल्स के उत्तर में आग लगने से दहशत

लॉस एंजिल्स, 23 जनवरी (एजेंसियां)।

संयुक्त राज्य अमेरिका के कैलिफोर्निया प्रांत का प्रमुख शहर लॉस एंजिल्स आग की विभीषिका से उबर नहीं पा रहा। लॉस एंजिल्स में कैस्टेइक के उत्तर में बुधवार को आग लगने से दहशत फैल गई। यह 10,000 एकड़ से अधिक में फैल गई। इस वजह से दक्षिणी कैलिफोर्निया में पिछले एक माह में हजारों लोगों को अपने घरों को छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा है।

लॉस एंजिल्स टाइम्स के अनुसार, सांता क्लैरिटा के उत्तर में कैस्टेइक झील के पास रह रहे लोगों को तत्काल घर छोड़ने को कहा गया है। इस बीच दक्षिणी कैलिफोर्निया में शनिवार से सोमवार तक लगभग आधा इंच तक बारिश होने की उम्मीद जताई गई है। लॉस एंजिल्स शहर और काउंटी के अधिकारियों ने कहा है कि नालियों की सफाई शुरू कर दी गई है जिससे बारिश के पानी का प्रवाह न रुके।

कैल फायर के अनुसार, दो सप्ताह पहले पैलिसेड्स में लगी आग 23,400 एकड़ से अधिक क्षेत्र में फैल गई। इससे कम से कम 6,662 संरचनाएं नष्ट हो गईं। बुधवार शाम तक आग पर 70 प्रतिशत काबू पा लिया गया। ईटन की लगी आग पर 95 प्रतिशत तक काबू पा लिया गया है। इससे अल्टाडेना और पासाडेना क्षेत्र में 9,418 संरचना नष्ट हुई हैं। अधिकारियों ने पैलिसेड्स में 11 और ईटन में 17 लोगों की मरने की पुष्टि की है।

अधिकारियों का कहना है कि बुधवार को सूरज ढलते ही कास्टाइक झील के उत्तर और पूर्व की पहाड़ियां आग की लपटों में घिर गईं। इससे बिजली के लकड़ी के खंभों में आग लग गई। आग की विभीषिका को कम करने के लिए आठ हेलीकॉप्टरों से पानी का छिड़काव किया गया।

हमास सप्ताहांत तक अर्बेल येहुद को भी छोड़ देगा, इजराइल को उम्मीद

तेल अवीव, 23 जनवरी (एजेंसियां)।

इजराइल को हमास से उम्मीद है कि वह गाजा में संघर्ष विराम और बंधक रिहाई समझाते के अंतर्गत सप्ताहांत तक अर्बेल येहुद को भी रिहा कर देगा। हमास ने शनिवार तक गाजा पट्टी से चार बंधकों की रिहाई की घोषणा की है। इजराइल ने कहा है कि 29 वर्षीय अर्बेल येहुद सात अक्टूबर, 2023 से हमास के आतंकवादियों के चंगुल में है।

अर्बेल येहुद इजराइल की महिला नागरिक हैं। ऐसा माना जाता है कि उसे फिलिस्तीनी इस्लामिक जिहाद आतंकवादी समूह ने पकड़ रखा है।

इजराइल ने हमास से अपेक्षा की है कि वह मुक्त होने वाली चार महिला बंधकों के नाम उनकी निर्धारित रिहाई से एक दिन पहले शुक्रवार तक प्रदान करेगा। येहुद को उसके प्रेमी एरियल कुनियो के साथ सात अक्टूबर को उनके किबुत्ज निर ओज स्थित घर से बंधक बनाया गया था। इन दोनों को बचाने के प्रयासों के दौरान येहुद के भाई डोलेव येहुद की जान चली गई थी।

अर्बेल येहुद बंधक रिहाई समझौते के तहत रिहा होने वाली 33 लोगों की सूची में से शेष सात महिला बंधकों में से एक है।

अन्य हैं 33 वर्षीय शिरी सिल्बरमैन बिबास, 19 वर्षीय लिरी अल्बाग, 20 वर्षीय करीना एरिएव, 21 वर्षीय अगम बर्जर, 20 वर्षीय डेनिएल गिल्बोआ और 20 वर्षीय नामा लेवी। इनमें येहुद और सिल्बरमैन बिबास दोनों नागरिक हैं। अल्बाग, एरिएव, बर्जर, गिल्बोआ और लेवी सैनिक हैं।

कट्टरपंथियों का गढ़ बन रहे बांग्लादेश में अब आईएसआई ने दी दस्तक

ढाका। कट्टरपंथियों का गढ़ बन रहे बांग्लादेश में अब पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई ने दस्तक दे दी है। मतलब भारत के साथ तनाव के बीच बांग्लादेश और पाकिस्तान में करीबी बढ़ रही है। बांग्लादेश आर्म्ड फोर्सेज के प्रिंसिपल स्टाफ ऑफिसर लेफ्टिनेंट जनरल कमर-उल-हसन के इस्लामाबाद दौरे के बाद, अब पाकिस्तान आईएसआई की एक हाई लेवल टीम ढाका पहुंची है। इसमें मेजर जनरल शाहिद अमीर अफ्सर भी शामिल हैं जो चीन में पाकिस्तान के मिलिट्री डिप्लोमेट रह चुके हैं। उनके साथ दो ब्रिगेडियर, आलम आमिर अवान और मुहम्मद उस्मान जतीफ भी शामिल हैं। हालांकि, कुछ रिपोर्टों में आईएसआई के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल मुहम्मद आसिम मलिक के दौरे शामिल होने की संभावना थी, लेकिन वह इस ढाका पहुंची पाकिस्तान की हाई लेवल आईएसआई टीम का हिस्सा नहीं हैं। आईएसआई के अधिकारी 21 जनवरी को एमिरेट्स की उड़ान से ढाका पहुंचे थे और 24 जनवरी तक बांग्लादेश में रहेंगे। ऐसा दशकों में पहली बार है जब दोनों देशों में इस तरह की करीबी देखी जा रही है। बता दें कि आईएसआई और बांग्लादेश आर्मी के बीच ढाका में 21-24 जनवरी के बीच बातचीत का क्या एजेंडा रहेगा, इस बारे में कुछ भी सार्वजनिक नहीं किया गया है। माना जा रहा है कि यह दौरा मिलिट्री और सिक्योरिटी कोऑपरेशन स्थापित करने के लिए हो सकता है। पाकिस्तान की कोशिश है कि वो बांग्लादेश के साथ अपनी निजी स्ट्रेटेजी के हिसाब से काम करे। बांग्लादेश में शेख हसीना की सत्ता जाने के बाद मौजूदा अंतरिम शासन में भारत-बांग्लादेश के बीच तनाव पैदा हुए हैं। यह सब तब हो रहा है जब साउथ एशिया में जियोपॉलिटिकल सेनेरियो बदल रहे हैं। ऐसे में पाकिस्तान अपनी क्षेत्रीय ताकत मजबूत करने की कोशिश में है।

सूरमा हॉकी क्लब महिला हॉकी इंडिया लीग फाइनल से एक कदम दूर

रांची, 23 जनवरी (एजेंसियां)। जेएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब महिला हीरो हॉकी इंडिया लीग 2024-25 के फाइनल में पहुंचने से एक कदम दूर है।

फाइनल में पहुंचने के लिए सूरमा हॉकी क्लब को शुक्रवार को रांची के मारंग गोमके जयपाल सिंह मुंडा एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम में श्राची राढ़ बंगाल टाइगर्स के खिलाफ कम से कम एक अंक हासिल करना होगा। मैच से पहले हेड कोच जूड मेनेजेस ने एक बयान में कहा कि इस पूरे अभियान में हमारा दृष्टिकोण यह रहा है कि हम हर मैच जीतना चाहते हैं। इसलिए, हम अभी सिर्फ श्राची राढ़ बंगाल टाइगर्स के खिलाफ होने वाले मैच पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। यह इस समय हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण मैच है, इसलिए हम एक-एक कदम आगे बढ़ रहे हैं और उस मैच के बाद हम आगे देखेंगे कि हमें क्या करना है। हमें अभी भी अगले मैच में अच्छा करना है।

सूरमा हॉकी क्लब लीग में शानदार प्रदर्शन कर रही है। पूल चरण के आखिरी मैच से पहले तीन जीत के साथ वे तालिका में शीर्ष पर हैं और 10 अंक जुटा चुके हैं। पिछली बार जब सूरमा ने टाइगर्स का सामना किया था, तो उन्होंने एक गोल से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए अपने अभियान के पहले मैच में 4-1 से शानदार जीत दर्ज की थी।

हेड कोच ने कहा कि मुझे लगता है कि एक बार फिर हमारा प्रयास शूटिंग सर्कल में कुछ परिणाम प्राप्त करने का होगा। गोल करने का प्रयास करना होगा और यह सुनिश्चित करना होगा कि हम एक स्वतंत्र और आक्रामक शैली में खेल रहे हैं जो वास्तव में हमारे खेलने के तरीके के अनुकूल है।

न्यूज ब्रीफ

अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप : तृषा की पारी से भारतीय टीम ने श्रीलंका को 60 रनों से हराया

क्वालालंपुर। गोंगाडी तृषा की शानदार बल्लेबाजी से भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने अंडर-19 टी20 विश्व कप मुकाबले में श्रीलंका को 60 रनों से हराया है। भारतीय टीम की ओर से गोंगाडी तृषा ने सबसे अधिक 49 रन बनाए। इस मैच में भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवरों में 9 विकेट के नुकसान पर 118 रन बनाए। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य का पीछा का पीछा करते हुए श्रीलंकाई महलाएं 58 रन ही बना पायीं। भारतीय टीम की ओर से शबनम ने 4 ओवरों में 9 रन देकर 2 विकेट लिए। इसके अलावा परुनिका और जोशिथा ने भी 2-2 विकेट लिए। इस मैच में भारतीय पारी की शुरुआत तृषा और कमलिनी ने की। कमलिनी केवल 5 रन ही बना पायी। वहीं तृषा ने जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए 5 चौकों और एक छक्के की सहायता से 49 रन बनाए। वहीं कप्तान निकी प्रसाद ने 11 रन बनाये। मिथिला विनोद ने 16 रन बनाये जबकि जोशिथा ने 14 रन बनाए। तृषा के अलावा कोई भी बल्लेबाज 20 रनों तक भी नहीं पहुंच पाई। श्रीलंका के लिए लिमांसा तिलकरत्ने और प्रमुदी मेथासारा ने 2-2 विकेट लिए। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंकाई सलामी बल्लेबाज संजना 5 रन बनाकर पेवेलियन लौट गयीं। निसंसला शून्य पर ही आउट हुईं। कप्तान मनुडी ननयकारा ने 2 रन बनाये। हिरुनी हंसिका भी 2 रन ही बना पायीं। कुल मिलाकर देखा जाये तो मैच में भारतीय गेंदबाज हावी रहीं। ग्रुप ए में भारतीय टीम लगातार तीन मैच जीतकर शीर्ष पर रही और उसने सुपर 6 लीग स्टेज में जीत से क्वालिफाई किया। दूसरी ओर श्रीलंका इस टूर्नामेंट में पहला मैच हारी। ये टीम भी सुपर सिक्स में पहुंच गई है।

क्लार्क ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के हॉल ऑफ फेम में शामिल

सिडनी। पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क को यहां ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया हैं।

क्लार्क यह सम्मान हासिल करने वाले 64वें क्रिकेटर हैं। कप्तान के तौर पर क्लार्क का 12 साल का अंतरराष्ट्रीय करियर काफी अच्छा रहा है। उन्होंने 115 टेस्ट, 245 एकदिवसीय और 34 टी20 मैचों में 17,000 से अधिक रन बनाए हैं। कप्तान के तौर पर क्लार्क ने 47 टेस्ट मैचों में ऑस्ट्रेलियाई टीम की कप्तानी करते हुए अपनी टीम को साल 2013-14 में एशेज में 5-0 से जीत दिलायी थी। इसके अलावा उनके नेतृत्व में भी ऑस्ट्रेलिया ने 2015 में घरेलू मैदान पर एकदिवसीय विश्व कप जीता था। क्लार्क ने अपने करियर में 28 टेस्ट शतक लगाये हैं। उन्होंने भारतीय टीम के खिलाफ सिडनी क्रिकेट मैदान में 329 रन की शानदार पारी खेली थी। ये किसी ऑस्ट्रेलियाई द्वारा बनाया गया छठा सबसे बड़ा शतक था। क्लार्क ने कहा, हाल ऑफ फेम में इतने सारे शानदार खिलाड़ियों, आदर्शों, रोल मॉडल के साथ बैठना और बचपन में उनसे प्रेरणा लेना मेरे लिए सम्मान की बात रही है। रिटायरमेंट आपके लिए बहुत कुछ करता है। आजकल क्रिकेट देखने के दौरान आप कुछ हिस्सों को मिस करते हैं। जब आप उच्चतम स्तर पर खेलते हैं, तो लोग आपके अंतरराष्ट्रीय करियर के बारे में बात करते हैं, लेकिन मेरे लिए यह छह साल की उम्र में शुरू हुआ। मैंने 34 साल की उम्र में रिटायरमेंट ले लिया था, इसलिए यह मेरी जिंदगी थी।

चैम्पियंस ट्रॉफी में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए तैयार हैं सभी खिलाड़ी : हार्दिक पंड्या

दुबई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी को लेकर उत्साहित हैं।

हार्दिक ने अन्य क्रिकेटरों मोहम्मद नबी, फिल साल्ट, शादाब खान और शाहीन शाह अफरीदी के साथ टूर्नामेंट के एक प्रमोशनल एड में कहा कि खिलाड़ी इसमें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने तैयार हैं। हार्दिक ने कहा कि भारतीय टीम इस टर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन कर जीत दर्ज करने उतरेगी। चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन अगले माह पाकिस्तान में किया जाएगा हालांकि भारतयी टीम अपने मुकाबले हाइब्रिड मॉडल के तहत ही दुबई में खेलेगी। भारतीय टीम ने साल 2013 में इंग्लैंड में आयोजित इस टूर्नामेंट को जीता था जबकि 2002 में वह मेजबान श्रीलंका के साथ संयुक्त विजेता रही थी। हार्दिक ने कहा कि आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी की वापसी से क्रिकेट को काफी बढ़ावा मिलेगा। यह एकदिवसीय प्रारूप को और प्रासंगिक बनाता है। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट से प्रशंसकों और खिलाड़ियों में खेल को लेकर उत्साह आता है।

एकदिवसीय के महान खिलाड़ी हैं विराट कोहली : सौरव गांगुली

जून में इंग्लैंड दौरा बड़ी चुनौती होगा

कोलकाता, 23 जनवरी (एजेंसियां)।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने खराब फार्म के गुजर रहे अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली प्रशंसा करते हुए कहा कि उनके जैसे खिलाड़ी जीवन में एक बार ही मिलता है। गांगुली ने विराट की तुलना दिग्गज महिला क्रिकेटरों मिताली राज और झूलन गोस्वामी से की है। गांगुली ने कहा कि विराट एकदिवसीय प्रारुप में अब तक के सबसे बेहतर क्रिकेटरों में से एक हैं। साथ ही कहा कि कोहली में अभी भी काफी क्रिकेट बाकी है लेकिन उन्होंने अगाह किया कि जून का इंग्लैंड दौरा उनके लिए एक बड़ी चुनौती होगी। गांगुली ने कहा कि मुझे अब भी विश्वास है कि विराट कोहली में बहुत क्रिकेट बाकी है। इंग्लैंड दौरा उनके लिए बड़ी चुनौती होगा।

उन्होंने एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि विराट जैसे खिलाड़ी जीवन में एक बार ही मिलता है। करियर में 80 अंतरराष्ट्रीय शतक लगाना अविश्वसनीय बात है। मेरे लिए, वह संभवत: दुनिया का सबसे महान सफेद गेंद वाला खिलाड़ी है। कोहली के नाम एकदिवसीय क्रिकेट इतिहास में सबसे अधिक 50 शतक हैं जबकि महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के नाम भी इतने शतक नहीं हैं। सचिन के नाम 49 शतक हैं। विराट एकदिवसीय और टी20ई क्रिकेट इतिहास में तीसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं।

वहीं ऑस्ट्रेलिया में कोहली के खराब प्रदर्शन से गांगुली हैरान हैं। उन्होंने कहा कि पर्थ में शतक लगाने के बाद उन्होंने जिस तरह से बल्लेबाजी की उससे मैं परेशान था। इससे पहले उन्होंने यहां संघर्ष किया था पर पर्थ में शतक के बाद, मैंने सोचा था कि यह उनके लिए एक बड़ी सीरीज होगी पर ऐसा नहीं हुआ। विश्व के हर खिलाड़ी की अपनी कमजोरियां और ताकत होती हैं। गांगुली ने कहा कि दुनिया में ऐसा कोई खिलाड़ी नहीं है जिसके पास यह नहीं होगा। यह इस चीज के बारे में हैं कि आप समय के साथ महान गेंदबाजों को खेलते हुए अपनी कमजोरियों को कैसे अनुकूलित करते हैं।

राष्ट्रमंडल खेलों में एक बार फिर कुश्ती को शामिल किया जाएगा : एरिका

विजयनगर। पूर्व ओलंपिक चैंपियन कनाडा की एरिका वीब ने 2026 राष्ट्रमंडल खेलों से कुश्ती को बाहर किये जाने को दुखद बताया है। ओलंपिक स्वर्ण विजेता पहलवान एरिका को उम्मीद है कि अगले सत्र में कुश्ती को बार फिर शामिल किया जाएगा। एरिका ने 2016 रियो ओलंपिक की महिला 75 किग्रा फ्रीस्टाइल स्पर्धा के फाइनल में कजाखस्तान की गुजेल मेन्युरोवा को हराकर स्वर्ण पदक जीता था। एरिका ने इंटरव्यू में कहा, 'ग्लासगो में 2026 राष्ट्रमंडल खेलों का फैसला बहुत निराशाजनक हैं। उन्होंने खेलों के लिए एक बहुत ही अलग मॉडल अपनाया। उनके पास केवल 10 खेल हैं। यह बेहद निराशाजनक बात है। मैं वास्तव में चाहती थी कि वे मुक्केबाजी की जगह कुश्ती को शामिल करते। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि कुश्ती तक लोगों की अधिक पहुंच है। मुझे लगता है कि महासंघ बेहतर स्थिति में है। मुझे लगता है कि यह राष्ट्रमंडल में भारत और नाइजीरिया की मौजूदगी में कुश्ती के खेल में शानदार खिलाड़ियों के रूप में अपनी विविधतापूर्ण ताकत दिखाने का एक अवसर है। कनाडा की इस पहलवान ने कहा, 'इसलिए, हां, यह निराशाजनक है। मुझे लगता है कि हालत बदलेंगे। हम नहीं जानते कि भविष्य में क्या होने वाला है और इसलिए मुझे उम्मीद है कि शायद 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों में हम कुश्ती की वापसी देखेंगे। बुडापेस्ट 2018 विश्व चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता एरिका ने ओलंपिक पदक विजेता भारतीय पहलवान बजरंग पूनिया की प्रशंसा की और कहा कि भारत में महिला कुश्ती में शानदार आदर्श मौजूद हैं। उन्होंने कहा, 'मैं बहुत से भारतीय खिलाड़ियों, खासकर पहलवानों की सराहना करती हूं।

रणजी ट्रॉफी में भी नहीं चला रोहित का बल्ला, जायसवाल और रहाणे भी फ्लॉप

मुंबई, 23 जनवरी (एजेंसियां)।

भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा का बल्ले से संघर्ष जारी है। गुरुवार को जम्मू एंड कश्मीर के खिलाफ अपनी घरेलू टीम मुम्बई की तरफ से खेलते हुए रणजी ट्रॉफी मैच में वह सिर्फ 3 रन बनाकर आउट हो गए। मुम्बई के शरद पवार क्रिकेट एकेडमी बीकेसी में जम्मू एंड कश्मीर के खिलाफ खेले जा रहे रणजी ट्रॉफी मैच के पहले दिन रोहित ने 19 गेंदों का सामना किया और मात्र 3 रन ही बना सके। उन्हें तेज गेंदबाज उमर नजीर मीर ने आउट किया। इस तरह से उनके निराशाजनक प्रदर्शन का सिलसिला जारी है। रोहित ने मुंबई के लिए आखिरी बार रणजी ट्रॉफी मैच नवंबर 2015 में खेला था। तब उन्होंने उत्तर प्रदेश के खिलाफ 140 गेंदों पर 113 रनों की पारी खेली थी। यह मैच ड्रॉ रहा था।

दरअसल, रोहित शर्मा टेस्ट क्रिकेट में खराब फॉर्म के बाद घरेलू क्रिकेट में रणजी ट्रॉफी मुकाबला खेलने उतरे थे। रोहित के अलावा कई स्टार खिलाड़ी रणजी ट्रॉफी के दूसरे चरण में अपनी-अपनी घरेलू टीम के लिए खेल रहे हैं। रोहित अपनी घरेलू टीम मुंबई का हिस्सा हैं और जम्मू एंड कश्मीर के खिलाफ मैच में खेल रहे हैं। हालांकि, रोहित पहली पारी में कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाए। रोहित ने सिंगल डिजिट स्कोर बनाया और 19 गेंदों में 3 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। रोहित शर्मा के अलावा इस मैच की पहली पारी में यशस्वी जायसवाल (4) और मुंबई के कप्तान अजिंक्य रहाणे (12) भी कुछ खास नहीं कर पाए। श्रेयस अय्यर भी 11 रन बनाकर पवेलियन लौट गए।

मुंबई ने मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था लेकिन जम्मू एंड कश्मीर के गेंदबाजों ने इस फैसले को गलत साबित कर दिया है। मुंबई की टीम पहली पारी में 33.2 ओवर में 120 रन पर ही ढेर हो गई। रोहित शर्मा 3 रन, यशस्वी जायसवाल 4 रन, हार्दिक तमोरे 7 रन, कप्तान अजिंक्य रहाणे 12 रन, श्रेयस अय्यर 11 रन , तनुश कोटियन 26 रन, शार्दुल ठाकुर 51 रन, शिवम दूबे, मोहित अवस्थी और शम्स मुलानी खाता भी नहीं खोल सके। जम्मू एंड कश्मीर के लिए उमर नजीर ने 4 विकेट, युद्धवीर सिंह चरक 4 विकेट और आकिब नबी डार ने दो विकेट लिए।

यूईएफए चैम्पियंस लीग फुटबॉल

पेरिस में यूईएफए चैम्पियंस लीग फुटबॉल में पेरिस सेंट जर्मेन और मैनचेस्टर सिटी के खिलाड़ी खेलते हुए।

शारजाह वॉरियर्स ने एडम जम्पा को आईएलटी 20 सीजन 3 के लिए अपने साथ जोड़ा

शारजाह, 23 जनवरी (एजेंसियां)।

इंटरनेशनल लीग टी20 (आईएलटी20) फ्रेंचाइजी शारजाह वॉरियर्स ने ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी एडम जम्पा को अपने साथ जोड़ा है। फ्रेंचाइजी ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी।

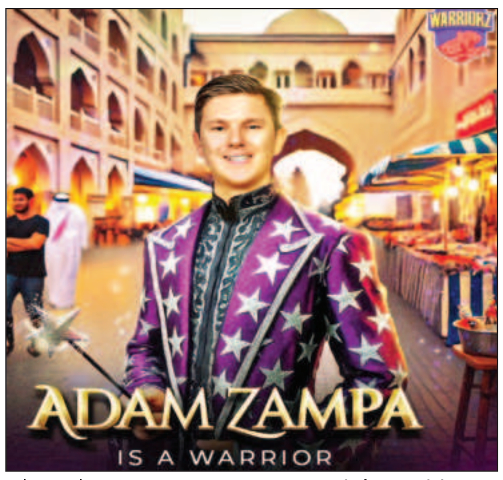

फ्रेंचाइजी ने बताया कि शारजाह वॉरियर्स को ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर एडम जम्पा के साथ अनुबंध की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है, जो डीपी वर्ल्ड आईएलटी20 के सीजन 3 के शेष भाग के लिए श्रीलंकाई विकेटकीपर बल्लेबाज कुसल मेंडिस की जगह लेंगे। स्पिनर जम्पा को टी20 क्रिकेट और फ्रेंचाइजी लीगों में खेलने का काफी अनुभव है। वह ऑस्ट्रेलिया में बिग बैश लीग, भारत में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल), कैरेबियन प्रीमियर लीग, ब्रिटेन में द हंड्रेड और विटैलिटी ब्लास्ट तथा अमेरिका में मेजर लीग क्रिकेट में खेल चुके हैं। शारजाह वॉरियर्स टीम में जाम्पा गेंदबाजी इकाई में आदिल राशिद, हरमीत सिंह, मोहम्मद जवादुल्लाह, कप्तान टिम साउथी और एडम मिल्ने जैसे खिलाड़ियों के साथ होंगे। एडम जम्पा ने फ्रेंचाइजी से जुड़ने पर खुशी जताई है। उन्होंने कहा कि मैं यूएई लौटकर और डीपी वर्ल्ड आईएलटी20 के सीजन 3 के लिए शारजाह वॉरियर्स में शामिल होकर बहुत खुश हूं। वॉरियर्स टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ फ्रेंचाइजी में से एक है और मैं आदिल राशिद, टिम साउथी और जेपी डुमिनी जैसे दिग्गजों के साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं। मुझे पूरा भरोसा है कि हम एक टीम के रूप में अच्छा प्रदर्शन करेंगे और टूर्नामेंट के दूसरे भाग में अपने प्रशंसकों के लिए कुछ शानदार प्रदर्शन करेंगे। शारजाह वॉरियर्स के कोच जेपी डुमिनी ने कहा कि एडम जम्पा एक शानदार गेंदबाज हैं और एक ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्हें हर टीम अपने साथ रखना चाहेगी। हम उन्हें अपनी टीम में शामिल करके बहुत खुश हैं और हमें विश्वास है कि इस सीजन में हमारी प्रगति के लिए वे बहुत महत्वपूर्ण होंगे। वे इस प्रारूप के सबसे खतरनाक गेंदबाजों में से एक हैं और हमें पूरा भरोसा है कि वे यूएई में शारजाह वॉरियर्स के लिए एक ठोस प्रभाव डाल सकते हैं।

मुंबई सिटी एफसी ने स्पेनिश फुटबॉलर जॉर्ज ऑर्टिज के साथ किया करार

मुंबई, 23 जनवरी (एजेंसियां)।

फुटबॉल क्लब मुंबई सिटी एफसी ने स्पेनिश फुटबॉलरजॉर्ज ऑर्टिज के साथ करार किया है। क्लब ने गुरुवार को इसकी घोषणा की। क्लब ने जारी विज्ञप्ति में बताया कि मुंबई सिटी एफसी को स्पेनिश अटैकर जॉर्ज ऑर्टिज के साथ अनुबंध की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। ऑर्टिज 2025-2026 सीजन तक आइलैंडर्स से जुड़े रहेंगे और अपने अनुभव और गुणवत्ता को टीम में लाने की कोशिश करेंगे।

क्लब ने आगे लिखा कि ऑर्टिज ने इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) में 36 मैच खेले हैं, जिसमें 14 गोल और 8 असिस्ट शामिल हैं। मौजूदा आईएसएलसीजन के अहम मोड़ पर उनके शामिल होने से आइलैंडर्स की टीम मजबूत होगी। अपनी आक्रामक मानसिकता और बहुमुखी प्रतिभा के लिए मशहूर ऑर्टिज टीम में आसानी से फिट होने, अहम भूमिका निभाने और महत्वपूर्ण कमियों को पूरा करने की कोशिश करेंगे। इस करार के साथ, आइलैंडर्स इस सीजन को मजबूती से खत्म करना चाहते हैं।

मुंबई सिटी एफसी से जुड़ने पर जॉर्ज ऑर्टिजने कहा कि मैं इंडियन सुपर लीग में वापस आकर, मुंबई सिटी एफसी जैसे रोमांचक क्लब में शामिल होकर और सिटी फुटबॉल ग्रुप में अपना सफर जारी रखने के लिए उत्साहित हूं। क्लब और ग्रुप दोनों ने बहुत ऊंचे मानक स्थापित किए हैं। मुंबई शहर और मुंबई सिटी एफसी का माहौल बेजोड़ है और मैं अपने नए साथियों, प्रशंसकों के साथ शुरुआत करने और उनकी सफलता में योगदान देने के लिए उत्सुक हूं।

मुंबई सिटी एफसी के मुख्य कोच पेट्र क्रैटकी ने कहा कि हम मुंबई सिटी एफसी में ऑर्टिज का स्वागत करते हुए रोमांचित हैं। वह आईएसएल में उच्च क्षमता वाले अटैकर हैं और उन्हें उच्च स्तर पर खेलने का अनुभव है। हम हमेशा बेहतर होने का प्रयास करते हैं और मैदान पर अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाने के तरीके खोजते हैं। इस लिहाज से, ऑर्टिज इस सीजन में हमारी टीम को मजबूती देंगे। हम उनके शामिल होने से उत्साहित हैं और उम्मीद करते हैं कि हम बाकी सीजन में भी सफलता हासिल करेंगे।

महंगा हुआ सोना, चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ल,23 जनवरी (एजेंसियां)।

घरेलू सर्राफा बाजार सोने के भाव में जोरदार तेजी नजर आ रही है। सोना 750 रुपये से लेकर 860 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। हालांकि चांदी की कीमत में लगातार दूसरे दिन कोई बदलावन नहीं हुआ है।

सोने की कीमत में उछाल आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 82,090 रुपये से लेकर 82,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 75,250 रुपये से लेकर 75,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में कोई बदलाव नहीं होने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु भी 96,500 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 82,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 75,400 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 82,090 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 75,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 82,140 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 75,300 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 82,090 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 75,250 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 82,090 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 75,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 82,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 75,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 82,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 75,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 82,240 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 75,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोना महंगा हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 82,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 75,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर ही बिक रहा है।

न्यूज ब्रीफ

सीसीपीए ने आईफोन के प्रदर्शन संबंधी मुद्दों पर एप्पल को जारी किया है नोटिसः जोशी

नई दिल्ली। केंद्रीय उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रह्लाद जोशी ने गुरुवार को कहा कि उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने आईओएस 18+ सॉफ्टवेयर अपडेट के बाद आईफोन के साथ कथित प्रदर्शन समस्याओं के संबंध में एप्पल इंक को नोटिस जारी किया है। जोशी ने एक्स पोस्ट में कहा, उपभोक्ता शिकायतों की जांच करने के बाद विभाग ने सीसीपीए के माध्यम से एप्पल को नोटिस जारी कर मामले पर जवाब मांगा है। इस नोटिस में सॉफ्टवेयर अपडेट के साथ कथित तकनीकी समस्याओं के बारे में एप्पल से स्पष्टीकरण मांगा गया है। उल्लेखनीय है कि आईओएस 18+ सॉफ्टवेयर अपडेट के बाद एप्पल के प्रदर्शन संबंधी मुद्दों के बारे में राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन पर शिकायतें प्राप्त हुई हैं। यह नोटिस भारत में प्रौद्योगिकी दिग्गज के संचालन की नवीनतम विनियामक जांच को दर्शाता है, जो स्मार्टफोन निर्माताओं के लिए एक प्रमुख विकास बाजार है।

अमेजान ने सात गोदाम बंद करने का किया ऐलान, 1700 नौकरियां खतरे में

मुंबई। ऑनलाइन रिटेलर अमेजन ने कहा कि वह आने वाले दो महीने में कनाडा के क्यूबेक में अपने सभी सात गोदामों को बंद कर देगा। अमेजन का कहना है कि इस फैसले के बाद लंबे समय तक उनके कस्टमर्स की बचत होगी। हालांकि, कनाडाई संघ ने अमेजन पर आरोप लगाया है कि उसने क्षेत्र में अपनी कोशिशों को रोकने के कारण गोदामों को बंद करने का निर्णय लिया है। संघ ने यह भी कहा कि उन्होंने एक गोदाम को सफलतापूर्वक संघबद्ध किया है। अमेजन के अनुसार, इस फैसले से ग्रेटर मॉन्ट्रियल क्षेत्र में लगभग 1,700 लोगों की नौकरियां प्रभावित होंगी, जिनमें से 250 कर्मचारी अस्थायी तौर पर काम कर रहे हैं। अमेजन की तरफ से जानकारी दी गई कि पैकेज को बांटने के लिए स्थानीय और तीसरे पक्ष की कंपनियों को नियुक्त करेगा। अमेजन की ओर से 2020 से पहले क्यूबेक में जिस बिजनेस मॉडल को फॉलो किया गया था, वो उसे फिर से इस्तेमाल करेगा। अमेजन एक प्रवक्ता के मुताबिक ये फैसला यूं ही नहीं लिया गया। उन्होंने बताया कि इस फैसले के बाद प्रभावित कर्मचारियों को एक पैकेज दिया जाएगा। इस पैकेज में सुविधाओं के बंद होने के बाद 14 हफ्ते तक का वेतन दिया जाएगा। साथ ही नौकरी प्लेसमेंट संसाधनों जैसे लाभ को भी इसमें शामिल किया गया है।

सरकार को बजट में संरचनात्मक सुधारों के लिए राजनीतिक पकड़ का उपयोग करना चाहिएः सुब्बाराव

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के पूर्व गवर्नर डी. सुब्बाराव ने कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की 3.0 सरकार को वृद्धि तथा रोजगार सृजन को बढ़ावा देने के लिए आगामी बजट में राजनीतिक रूप से कठिन संरचनात्मक सुधारों को लागू करने के लिए अपनी विशाल राजनीतिक पकड़ का इस्तेमाल करना चाहिए। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एक फरवरी को वित्त वर्ष 2025-26 का केंद्रीय बजट संसद में पेश करेंगी। यह बजट वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं तथा धीमी पड़ती घरेलू वृद्धि के बीच आ रहा है। सुब्बाराव ने एक साक्षात्कार में कहा कि यह राजग 3.0 सरकार का पहला पूर्ण बजट है और इसे राजनीतिक रूप से कठिन संरचनात्मक सुधारों को लागू करने के लिए अपनी विशाल राजनीतिक पकड़ का इस्तेमाल करना चाहिए। इसके अलावा उन्होंने कहा कि बजट का प्राथमिक उद्देश्य अर्थव्यवस्था को टिकाऊ बनाना तथा उच्च वृद्धि पथ पर लाना है। सुब्बाराव ने कहा, लेकिन केवल वृद्धि से काम नहीं चलेगा। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि वृद्धि का लाभ व्यापक रूप से सभी तक पहुंचे यानी हमें असमानता कम करने पर ध्यान केंद्रित करना होगा। उन्होंने कहा कि भारत के निचले तबके की आधी आबादी का विशाल उपभोग आधार देश की वृद्धि का सबसे बड़ा चालक है। सुब्बाराव ने कहा कि निचले आधे हिस्से में उपभोग बढ़ाने का एकमात्र स्थायी तरीका रोजगार सृजन है।

लगातार दूसरे दिन मजबूती के साथ बंद हुआ बाजार, निवेशकों ने एक दिन में कमाए 2.73 लाख करोड़ रुपए

नई दिल्ल,23 जनवरी (एजेंसियां)।

घरेलू शेयर बाजार लगातार दूसरे दिन मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। के कारोबार की मिली जुली शुरुआत हुई थी। बाजार खुलने के बाद बिकवाली के दबाव की वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों में गिरावट आ गई लेकिन पहले 15 मिनट के कारोबार के बाद ही खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक ने रिकवरी करके हरे निशान में जगह बना ली। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.15 प्रतिशत और निफ्टी 0.22 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए।

दिन भर के कारोबार के दौरान फार्मास्यूटिकल, आईटी और ऑटोमोबाइल सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। इसी तरह एफएमसीजी, पीएसई, रियल्टी, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल और टेक इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद हुए। ऑयल एंड गैस और बैंकिंग सेक्टर के शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 1.78 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.67 प्रतिशत की तेजी के साथ के कारोबार का अंत किया।

शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब पौने तीन लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन के कारोबार के बाद बढ़ कर 424.61 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले कारोबारी दिन यानी बुधवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 421.88 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को के कारोबार से करीब 2.73 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,067 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,121 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,841 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 105 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में 2,524 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,411 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,113 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 17 शेयर बढ़त के साथ और 13 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 32 शेयर हरे निशान में और 18 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स 9.53 अंक की मामूली बढ़त के साथ 76,414.52 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से पहले 15 मिनट के कारोबार में ही ये सूचकांक 202.87 अंक की कमजोरी के साथ 76,202.12 अंक के स्तर तक गिर गया। इसके बाद खरीदारों ने मोर्चा संभाल लिया और आक्रामक अंदाज में खरीदारी शुरू कर दी। बाजार में लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से दोपहर 12 बजे के थोड़ी देर बाद ये सूचकांक निचले स्तर से 540 अंक उछल कर 338.55 अंक की मजबूती के साथ 76,743.54 अंक तक पहुंच गया। हालांकि इसके बाद बाजार में शुरू हुई मुनाफा वसूली की वजह से सेंसेक्स ऊपरी स्तर से 200 अंक से ज्यादा लुढ़क कर 115.39 अंक की तेजी के साथ 76,520.38 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

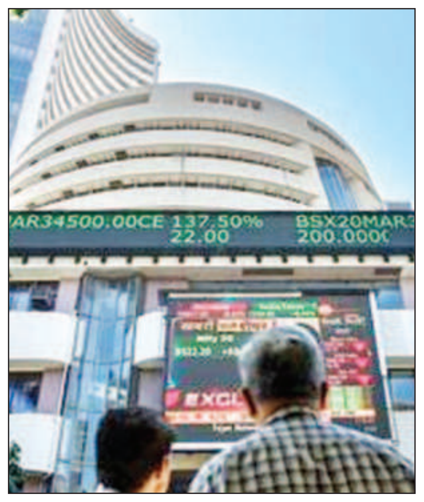

नोएडा प्लांट में भी बनेंगे गैलेक्सी एस25 सीरिज के स्मार्टफोनः सैमसंग

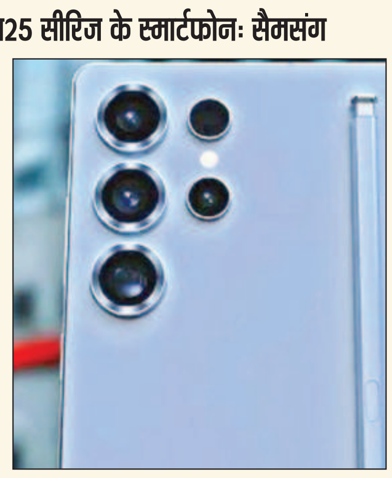

नई दिल्ली। साउथ कोरिया की इलेक्ट्रॉनिक्स दिग्गज कंपनी सैमसंग ने अपने नवीनतम फ्लैगशिप स्मार्टफोन गैलेक्सी एस 25 सीरीज लॉन्च की है। अमेरिका के सैन जोस में आयोजित इवेंट में इस सीरीज की घोषणा की गई और इसमें गैलेक्स एस25 अल्ट्रा, एस25+ और एस25 मॉडल शामिल हैं। यह स्मार्टफोन भारत के नोएडा स्थित सैमसंग प्लांट में भी बनाया जाएगा। गैलेक्सी एस25 सीरीज की कीमत 800 डॉलर (करीब 66,000 रुपये) से शुरू होकर अल्ट्रा-प्रीमियम सेगमेंट में प्रस्तुत हो रही है। इस लॉन्च से सैमसंग ने भारतीय बाजार में अपनी पकड़ जमाने का मिशन तय किया है। सीरीज को विकसित करने में सैमसंग के बेंगलुरु स्थित रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेंटर ने सहयोग किया है। इस सेंटर ने एआई क्षमताओं को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है और इसे साउथ कोरिया के बाहर कंपनी का सबसे बड़ा आरएंडडी सेंटर बना दिया है। सैमसंग की उम्मीद है कि इस नई सीरीज स्मार्टफोन बाजार में एक नया दौर खोलेगा और स्मार्टफोन कंपनियों के बीच मुकाबला औरत बढ़ाएगा। यह सीरीज फिचर्स में कस्टमाइज्ड स्नैपड्रैगन 8 एलीट मोबाइल प्लेटफॉर्म फॉर गैलेक्सी को समेत लेकर आता है, जो एआइ फीचर्स के लिए बेहतर प्रोसेसिंग परफार्मेंस प्रदान करता है। इस सुपर-प्रीमियम स्मार्टफोन सीरीज की ग्लॉबल लॉन्चिंग ने उम्मीदों को उच्च कीमत, तकनीकी नवाचार और शानदार डिज़ाइन की उम्मीद दी है। सैमसंग की गैलेक्सी एस25 सीरीज एक नया मील का पत्थर बन सकती है।

ईवी में भरोसा बढ़ाने मारुति किराये पर देगी पेट्रोल कार

नई दिल्ल,23 जनवरी (एजेंसियां)।

मारुति सुजूकी ने अपनी इलेक्ट्रिक कार ई-विटारा को बाजार में उतारने से पहले चार्जिंग व्यवस्था और सर्विस नेटवर्क का व्यापक विस्तार करने का ऐलान किया है। यह कार 500 किलोमीटर तक चलने का क्षमता होगी और 2,700 मिलीमीटर लंबे व्हीलबेस के साथ आएगी। इसके साथ ही कंपनी पुराने जमाने की सोच को तोड़कर ग्राहकों को सुविधा प्रदान करने के लिए कई नई योजनाएं लेकर आ रही है। इसमें एक हाइब्रिड कार किराए पर देने का प्रस्ताव भी शामिल है, जो ईवी ग्राहकों को लंबी या बहुत दूरी तक की यात्रा के लिए विकल्प प्रदान करेगी।

टॉप 100 शहरों में हर 5 से 10 किलोमीटर पर फास्ट चार्जिंग स्टेशनों की भी योजना

कंपनी के एक वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी ने बताया कि ईवी सिलसिले में ग्राहकों को जितनी सुविधाएं मिल सकती हैं, उतनी ही सरल और आसानी से मिलनी चाहिए। उन्होंने उज्जवल भविष्य की कल्पना करते हुए कहा कि हम ईवी को खरीदने वाले ग्राहकों को पहली कार के रूप में महसूस कराना चाहते हैं। इस निर्धारित राह को आगे बढ़ाते हुए मारुति सुजूकी ने विभिन्न शहरों में 1,000 सर्विस वर्कशॉप को ईवी कारों के लिए तैयार करने का भी ऐलान किया है।

कंपनी ने टॉप 100 शहरों में हर 5 से 10 किलोमीटर पर फास्ट चार्जिंग स्टेशनों की स्थापना करने की भी योजना बनाई है। इन सब उपायों से मारुति सुजूकी का उद्देश्य है ग्राहकों को सुरक्षित और सुखद ईवी यात्रा का अनुभव करवाना, ताकि उन्हें पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी होने की भावना में एक उत्कृष्ट माध्यम मिले। कंपनी ने जो दिशा में कदम बढ़ाया है, यह स्पष्ट दर्शाता है कि भावनात्मक सहयोग और आधुनिक तकनीक का सही संयोजन हमें समृद्धि की ओर ले जा सकता है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

कंफर्ट जोन...

हमें नेताजी सुभाष की प्रेरणा से एक लक्ष्य एक ध्येय विकसित भारत के लिए निरंतर काम करते रहना है और यही नेताजी को हमारी सच्ची कार्यांजलि होगी।

प्रधानमंत्री ने कहा, आज नेताजी सुभाष चंद्र बोस जी के जन्म जयंती के इस पावन अवसर पर पूरा देश श्रद्धा-पूर्वक उन्हें याद कर रहा है। मैं नेता जी सुभाष बाबू को श्रद्धापूर्वक नमन करता हूं। इस वर्ष के पराक्रम दिवस का भव्य उत्सव नेता जी की जन्म भूमि पर हो रहा है। मैं ओडिशा की जनता को, ओडिशा की सरकार को इसके लिए बहुत-बहुत बधाई देता हूं। कटक में नेता जी के जीवन से जुड़ी एक विशाल प्रदर्शनी भी लगाई गई है। इस प्रदर्शनी में नेता जी के जीवन से जुड़ी अनेक विरासतों को एक साथ सहेजा गया है। कई चित्रकारों ने कैनवास पर नेता जी के जीवन प्रसंग की तस्वीरें उकेरी हैं। इन सबके साथ नेता जी पर आधारित कई पुस्तकों को भी इकट्ठा किया गया है। नेता जी की जीवन यात्रा की ये सारी विरासत मेरे युवा भारत माई भारत को एक नई ऊर्जा देगी।

कभी-कभी...

आरएसएस नेता ने कहा कि मानवता, हिंदू धर्म के केंद्र में है और इसमें हमारे कर्तव्य, सहयोग, सच्चाई और न्याय शामिल हैं। इससे पहले, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

पंजाब में ...

कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने यह भी दावा किया कि जहां पर यह नारे लिखे गए हैं और झंडा लगाया गया है। यह जगह कार्यक्रम स्थल से काफी दूर है। पूरी घटना को सुरक्षा में चूक की दृष्टि से लिया जा रहा है।

ईडी ने बंगाल में ...

सूत्रों के अनुसार, कोलकाता के व्यवसायी राजेश गोयनका विशेष रूप से केंद्रीय जांच एजेंसी के अधिकारियों की जांच के दायरे में हैं। धोखाधड़ी के शिकार लोगों से शिकायतें मिलने के बाद ईडी द्वारा गुरुवार को ये कार्रवाई की जा रही है। ईडी ने शिकायत मिलने के बाद प्रवर्तन मामले की सूचना रिपोर्ट (ईसीआईआर) दर्ज करने के बाद जांच शुरू की थी।

सूत्रों ने बताया कि जांच अधिकारियों का मानना है कि इस रैकेट की मुख्य जड़ पश्चिम बंगाल में है। लेकिन इस बात की ज्यादा संभावना है कि इसकी शाखाएं अन्य राज्यों, विशेषकर पूर्वी भारत में भी हो सकती हैं। सूत्रों ने बताया कि ईडी के अधिकारी जब्त किए गए कागजात और डिजिटल दस्तावेजों की जांच करके पूरे जालसाजी में शामिल धन की सही मात्रा का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं।

मृतकों की संख्या...

उन्होंने बताया कि मध्य रेलवे के महाप्रबंधक और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी रात में मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने उन अस्पतालों का भी दौरा किया जहां घायलों को इलाज के लिए ले जाया गया था।

अधिकारियों ने पहले बताया था कि हादसा बुधवार शाम को हुआ जब पुष्पक एक्सप्रेस में सवार यात्री ट्रेन में आग लगने के डर से जल्दबाजी में बगल की पटरियों पर कूद गए और सामने से आ रही कर्नाटक एक्सप्रेस की चपेट में आ गए।मध्य रेलवे के अधिकारियों ने बताया कि यह दुर्घटना उत्तर महाराष्ट्र के जलगांव जिले के पचोरा कस्बे के पास माहेजी और परधाड़े स्टेशनों के बीच उस समय हुई जब बुधवार शाम करीब चार बजकर 45 मिनट पर किसी ने चेन खींच दी जिसके बाद पुष्पक एक्सप्रेस रुक गई।

रेलवे बोर्ड के सूचना एवं प्रचार विभाग के कार्यकारी निदेशक दिलीप कुमार ने हालांकि इस बात से इनकार किया कि कोच के अंदर किसी चिंगारी या आग के कारण यात्रियों ने अलार्म बजाया था।स्विटजरलैंड के दावोस से एक वीडियो संदेश में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार को कहा, ट्रेन में सवार कुछ यात्रियों को गलती से लगा कि ट्रेन से धुआं निकल रहा है और वे कूद गए। दुर्भाग्य से, वे दूसरी ट्रेन की चपेट में आ गए।मुख्यमंत्री ने हादसे में मारे गए यात्रियों के परिजनों को पांच-पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की।रेलवे बोर्ड ने अलग से मृतकों के परिजनों को 1.5-1.5 लाख रुपये, गंभीर रूप से घायलों को 50-50 हजार रुपये तथा मामूली रूप से घायलों को पांच-पांच हजार रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की।

चुनाव में फर्जी ...

आयोजित करने में ईएमबी के विविध अनुभवों के आधार पर किया गया है।

सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में अपने मुख्य भाषण में श्री कुमार ने दक्षता, पारदर्शिता और मतदाता विश्वास बढ़ाने में प्रौद्योगिकी और डिजिटल नवाचारों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करती है, लेकिन यह साइबर सुरक्षा खतरों और गलत सूचना जैसी चुनौतियां भी लाती है।उन्होंने चुनाव प्रबंध करने वाले निकायों से इन तकनीकी चुनौतियों से निपटने के लिए रणनीतियों को कारगर बनाने का आग्रह किया, ताकि जोखिमों को प्रभावी ढंग से कम किया जा सके। उन्होंने कहा कि 2024 चुनौतियों और जटिलताओं के बीच लोकतांत्रिक मूल्यों की पुष्टि के लिए ईएमबी के लिए एक निर्णायक वर्ष था।

सम्मेलन में मॉरीशस के चुनाव आयुक्त अब्दुल रहमान मोहम्मद इरफान, भूटान के सीईसी दाशो सोनम तापगे, कजाकिस्तान गणराज्य के अध्यक्ष और सीईसी नूरलान अब्दिरोव, नेपाल के सीईसी दिनेश के। थापलिया, नामीबिया के चुनाव आयोग की अध्यक्ष एल्सी न्धिकेम्बुआ, इंडोनेशिया के आम चुनाव आयोग के आयुक्त इधम होलिक, रूसी संघ की एल्मीरा खैमुरज़िना, श्रीलंका की अनुसूया शानमुगनाथन, ट्यूनीशिया की नजला अब्रूगी और उज्बेकिस्तान के बखरोम कुचकारोव तथा अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधि जैसे कि इंटरनेशनल फाउंडेशन फॉर इलेक्टोरल सिस्टम्स (आईएफईएस) के अध्यक्ष एवं सीईओ एंथनी नाथन बैनबरी और ए-वेब तथा इंटरनेशनल आईडीईए के महासचिव इन-सिक-जंग सम्मेलन में भाग ले रहे हैं।

सम्मेलन के पहले दिन उज्बेकिस्तान, श्रीलंका, मॉरीशस, इंडोनेशिया, कजाकिस्तान के चुनाव प्रबंधन निकायों ने 2024 में अपने चुनावी अनुभव पर प्रस्तुतियाँ दीं और सोशल मीडिया पर गलत सूचना, गलत सूचना और फर्जी आख्यानों के बारे में अपनी चिंताएँ रखीं, जो लाइव चुनावों में चुनाव की निष्पक्षता को प्रभावित करते हैं।

मॉरीशस के सीईसी अब्दुल रहमान ने ई एम.बी. में मतदाताओं के विश्वास को कम करने के लिए फर्जी खबरों के खतरे पर भी जोर दिया। चुनाव कर्मचारियों की भर्ती के लिए फर्जी ऑनलाइन आवेदनों के एक विशेष मामले पर प्रकाश डालते हुए, श्री रहमान ने चुनावों के दौरान गलत सूचना और भ्रामक सूचनाओं के खतरे को बढ़ाने में प्रौद्योगिकी और सोशल मीडिया के उपयोग पर चिंता व्यक्त की।

नामीबिया के चुनाव आयोग के एक प्रतिनिधि ने फर्जी खबरों के बढ़ते चलन पर चिंता व्यक्त करते हुए सोशल मीडिया पर फर्जी खबरों से निपटने के लिए सुझाव मांगे।

इंडोनेशिया के आम चुनाव आयोग के आयुक्त इधान होलिक ने वास्तविक समय में गलत सूचनाओं से निपटने के लिए एक समर्पित व्हाट्सएप चैनल का उपयोग करने के अपने अनुभव के बारे में बताया।

भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त कुमार ने एआई-संचालित प्रक्रियाओं, ऑनलाइन और दूरस्थ मतदान, बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण और वैश्विक सहयोग में वृद्धि सहित चुनावों के भविष्य को आकार देने वाले प्रमुख रुझानों को भी रेखांकित किया और सभी प्रतिभागियों से चुनावों को अधिक पारदर्शी, समावेशी और सुलभ बनाने में तकनीकी प्रगति के साथ अवसरों का पता लगाने का आह्वान किया।

भारत में पिछले आम चुनाव में 64.7 लाख मतदाताओं और दस लाख से अधिक मतदान केंद्रों की रिकॉर्ड भागीदारी के साथ भारत के ऐतिहासिक आम चुनावों पर प्रकाश डालते हुए, सीईसी कुमार ने कहा कि ये चुनाव अधिक समावेशी भी थे, जिसमें विशेष रूप से महिलाओं, 85 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों, दिव्यांग व्यक्तियों और तीसरे लिंग के बीच अधिक भागीदारी थी।

सीईसी कुमार ने क्षमता निर्माण और वैश्विक सहयोग में सहयोगी प्रयासों के महत्व को रेखांकित किया, जो दुनिया भर में लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं की सुरक्षा और चुनाव प्रबंधन को मजबूत करने के लिए महत्वपूर्ण है।

चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने प्रमुख सीखों पर पहले सत्र में, भारतीय लोकसभा चुनावों के पैमाने, जटिलता और गुणवत्ता को रेखांकित करते हुए लोकसभा चुनाव 2024 का मामला प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि विशाल चुनौतियां के बावजूद, चुनाव प्रक्रिया ने गुणवत्ता को बरकरार रखा और वैश्विक स्तर पर चुनावों के संचालन में नए मानक स्थापित किए।

चुनाव प्रबंधन में प्रौद्योगिकी की भूमिका - अवसर और चुनौतियां पर सत्र में बोलते हुए, भूटान के सीईसी दाशो सोनम टोपगे ने भारत को उसके सहयोग के लिए धन्यवाद दिया।

वायरस-बैक्टीरिया...

इनमें सबसे अधिक प्रभावित वे घर हैं, जहां मौतें हुई हैं। इन घरों को सील कर दिया गया है और किसी भी व्यक्ति को नामित अधिकारी की अनुमति के बिना प्रवेश की अनुमति नहीं है। अन्य दो जोन में वे परिवार शामिल हैं, जो प्रभावित परिवारों के संपर्क में आए हैं।

संक्रमण फैलने के खतरे को देखते हुए, उच्च जोखिम वाले संपर्कों को तुरंत बदहाल गांव से जम्मू के नर्सिंग कॉलेज और सरकारी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) राजौरी में स्थानांतरित कर दिया गया है। यह कदम समुदाय की सुरक्षा और भलाई सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है।

देवगुरु बृहस्पति करेंगे कई बार राशि परिवर्तन

गुरु 12 साल बाद मिथुन और कर्क राशि में करेंगे प्रवेश

नौ ग्रहों में शुभ फल देने वाले देवगुरु बृहस्पति साल 2025 में दो बार राशि बदलेंगे। वैदिक ज्योतिष शास्त्र में देवगुरु को विशेष स्थान होता है। जिन जातकों की कुंडली में गुरु अच्छी स्थिति में उन्हे शुभ फल प्राप्त होते हैं। देवगुरु बृहस्पति को सुख-समृद्धि, धन-दौलत, मान-सम्मान, शिक्षा, संतान और विवाह का कारक ग्रह माना जाता है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि साल 2025 में गुरु का गोचर बहुत ही खास रहने वाला है। देवगुरु बृहस्पति करीब किसी एक राशि में करीब 13 महीनों तक रहते हैं। इस वर्ष गुरु तीन बार अपनी राशि बदलेंगे, जिसके कारण गुरु अतिचारी होंगे। इस तरह का योग कई वर्षों बाद बनता है। वैदिक ज्योतिष शास्त्र के अनुसार देवगुरु बृहस्पति करीब 13 महीनों के बाद ही राशि परिवर्तन करते हैं। लेकिन इस वर्ष गुरु अतिचारी होकर दो बार राशि परिवर्तन करेंगे और दो बार इनकी चाल में बदलाव आएगा। गुरु के दो बार गोचर होने पर यह अतिचारी होकर सभी राशियों पर प्रभाव डालेंगे।

गुरु का गोचर 14 मई 2025 को मिथुन राशि में होगा। जो बुद्ध की राशि है। संचार की राशि है। तीसरे भाव की राशि है तो लोग नई चीज सीखेंगे। गुरुओं की कद्र होगी और लोग अपने ज्ञान को दूसरों के साथ बाटेंगे। यह समय नए विचारों और यात्राओं का होगा। आप अंदर से कुछ खुला हुआ महसूस करेंगे। मिथुन राशि में बृहस्पति का गोचर सामाजिक संपर्क और बौद्धिक गतिविधियों को बढ़ाता है लेकिन ध्यान केंद्रित रखना स्वयं पर यह भी बहुत आवश्यक है। अगर आप अपना व्यक्तिगत विकास करना चाहते हैं, शिक्षा प्राप्त करना चाहते हैं। अपना कम्युनिकेशन अच्छा करना चाहते हैं ,अपना सोशल सर्कल बढ़ाना चाहते हैं, सामाजिक नेटवर्क उसके लिए विस्तार का समय है।

गुरु गोचर 2025

गुरु ग्रह शनिदेव के बाद दूसरे ऐसे ग्रह हैं जो सबसे धीमी चाल से चलते हैं। गुरु ग्रह हर एक राशि में करीब 13 महीनों तक रहते हैं, फिर इसके बाद दूसरी राशि में गोचर करते हैं। देवगुरु बृहस्पति कर्क राशि में उच्च के जबकि मकर राशि में नीच के माने जाते हैं। साल 2025 में गुरु ग्रह राशि परिवर्तन करने वाले हैं। गुरु ग्रह साल 2025 में दो बार राशि परिवर्तन करते हुए तीन गुना अतिचारी रहेंगे। गुरु ग्रह का साल 2025 में पहली बार गोचर 15 मई को मिथुन राशि में होगा। फिर इसके बाद दूसरा गोचर 19 अक्तूबर को कर्क राशि में होगा। साल 2025 में गुरु कर्क राशि में रहते हुए अपनी उच्च अवस्था में होंगे। ऐसे में कुछ राशि वालों को इसका विशेष लाभ मिलेगा।

12 नवंबर 2025 को गुरु ग्रह कर्क राशि में रहते हुए वक्री हो जाएंगे। फिर इसी अवस्था में रहते हुए 03 दिसंबर 2025 को फिर से मिथुन राशि में गोचर हो जाएंगे। इस तरह से साल 2025 में गुरु ग्रह वृषभ राशि की अपनी यात्रा को विराम देते हुए मिथुन राशि में ,फिर मिथुन राशि से चंद्रमा की राशि कर्क में गोचर होंगे और कर्क राशि से निकलकर वक्री होकर मिथुन राशि में गोचर करेंगे। 09 जून 2025 को गुरु अस्त हो जाएंगे और 09 जुलाई को उदय हो जाएंगे। इस तरह से गुरु के साल 2025 में दो बार गोचर होने से अतिचारी होंगे।

गोचर का प्रभाव

व्यापार में तेजी आएगी। देश में कई जगह ज्यादा बारिश होगी। प्राकृतिक घटनाएं होगी। भूकंप आने की संभावना है। तूफान, बाढ़, भूस्खलन, पहाड़ टूटने, सड़के और पुल भी टूटने की घटनाएं हो सकती हैं। बस और रेलवे यातायात से जुड़ी बड़ी दुर्घटना होने की भी आशंका है। बीमारियों का संक्रमण बढ़ सकता है। शासन-प्रशासन और राजनैतिक दलों में तेज संघर्ष होंगे। सामुद्रिक तूफान और जहाज-यान दुर्घटनाएं भी हो सकती हैं। खदानों में दुर्घटना और भूकंपन से जन-धन हानि होने की आशंका बन रही है। रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। आय में इजाफा होगा। राजनीति में बड़े स्तर पर परिवर्तन देखने को मिलेगा।

क्या करें उपाय

हं हनुमते नमः, ॐ नमः शिवाय, हं पवननंदनाय स्वाहा का जाप करें। प्रतिदिन सुबह और शाम हनुमान जी के समक्ष सरसों के तेल का दीपक जलाएं। लाल मसूर की दाल शाम 7:00 बजे के बाद हनुमान मंदिर में चढ़ाएं। हनुमान जी को पान का भोग और दो बूंदी के लड्डू का भोग लगाएं। ईश्वर की आराधना संपूर्ण दोषों को नष्ट एवं दूर करती है। महामृत्युंजय मंत्र और दुर्गा सप्तशती पाठ करना चाहिए। माता दुर्गा, भगवान शिव और हनुमानजी की आराधना करनी चाहिए। गुरु के साल 2025 में दो बार राशि बदलने के सभी 12 राशियों पर कैसा असर दिखेगा

मेष राशि

गुरु का राशि परिवर्तन बहुत ही फलदायी साबित होगा। आपके जो काम नहीं हो पा रहे थे उसमें अब सफलता मिलेगी। नौकरी-पेशा और व्यापारियों के लिए गुरु का राशि परिवर्तन अच्छा रहेगा।

वृषभ राशि

वृषभ राशि के जातकों के लिए गुरु का राशि परिवर्तन अनुकूल रहेगा। आर्थिक स्थितियां पहले के मुकाबले बेहतर रहेगी। धन लाभ के अवसरों में वृद्धि होगी। जो लोग अविवाहित हैं उनका विवाह हो सकता है।

मिथुन राशि

गुरु का गोचर आपकी ही राशि में होगा। ऐसे में गुरु आपको शुभ फल देने के लिए बाध्य होंगे। आपके शत्रुओं की हार होगी। सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। मान-सम्मान में बढ़ोतरी होगी।

कर्क राशि

गुरु का राशि परिवर्तन मिलाजुला साबित होगा। कमाई के लिए आपको अतिरिक्त परिश्रम करना होगा। नौकरीपेशा जातकों को नौकरी में कामकाज को लेकर कुछ दिक्कतों का सामना भी करना पड़ सकता है।

सिंह राशि

गुरु का गोचर अच्छा रहेगा। अच्छी सफलता प्राप्ति होगी और कार्यक्षेत्र में मान-सम्मान में इजाफा देखने को मिलेगा। मकान और वाहन का सुख आपको मिलेगा। कर्ज संबंधी परेशानियों से आपको निजात मिलेगी। लाभ के शानदार मौके आपको मिलेंगे।

कन्या राशि

गुरु का गोचर आपको कामकाज में लाभ और उन्नति के अवसरों में वृद्धि करवाएगा। आर्थिक स्थिति में सुधार देखने को मिलेगा। कर्ज संबंधी समस्याओं से आपको निजात मिलेगी। जीवन में सुख और वैभव की प्राप्ति होगी।

तुला राशि

आपको अपने धन संबंधी मामलों में आ रही रुकावटें दूर होंगी। लाभ के अवसरों में वृद्धि होगी। भाग्य का अच्छा साथ मिलेगा। धर्म-कर्म में आपकी रुचि बढ़ेगी। लाभ के अच्छे अवसर आपके हाथ आएंगे।

वृश्चिक राशि

गुरु का राशि परिवर्तन आपके जीवन में मिलाजुला असर प्रदान करने में सहायक साबित होगा। आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार देखने को मिलेगा। व्यापार में आपको निवेश संबंधी मामलों में फैसले लेने में आजादी मिलेगी।

धनु राशि

गुरु ग्रह आपके जीवन में शुभ फल देंगे। लाभ के अवसरों में वृद्धि करवाने में कामयाब होंगे। बिजनेस में आपको कामयाबी मिल सकती है और कोई बड़ी डील आपके हाथ में लग सकती है। आप अपने विरोधियों पर भारी होंगे। लाभ के अवसरों में वृद्धि होगी।

मकर राशि

सुखद पल और आनंद की प्राप्ति होगी। लेकिन आपके बेफिजूल के खर्चो में बढ़ोतरी होगी। कार्यस्थल पर आपको लाभ के अवसरों में वृद्धि होगी। निवेश संबंधी मौके आपके हाथ लगेंगे। जो लोग इस वर्ष विवाह करना चाह रहे हैं उनका विवाह हो सकता है। सुख-सुविधाओं में इजाफा होगा।

कुंभ राशि

गुरु का गोचर लाभकारी साबित होगा। धन लाभ के अवसरों में वृद्धि होगी। आपको अपनी योजना पर काम को जारी रखने का प्रयास करना होगा। भाग्य का अच्छा साथ मिलने से आपको धन संबंधी लाभ मिलने के संकेत हैं।

मीन राशि

गुरु का मिथुन राशि में प्रवेश कुछ मामलों में अच्छा नहीं कहा जा सकता है। आपको किसी काम में जल्दबाजी नहीं दिखानी होगी। कानूनी वाद-विवाद में आपको संभलकर रहना होगा। सुख-सुविधाओं में आपको कमी का सामना करना पड़ सकता है।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

मौनी अमावस्या पर पेड़ों की करें पूजा आसपास भी नहीं भटकेगा दु:ख

इस साल माघ माह की अमावस्या बुधवार, 29 जनवरी को मनाई जा रही है, जिसे मौनी अमावस्या के नाम से भी जाना जाता है। अमावस्या तिथि पर गंगा स्नान के साथ-साथ दान-पुण्य करने का भी काफी महत्व माना गया है। आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि अमावस्या के दिन किन पेड़-पौधों की पूजा करनी चाहिए, ताकि साधक पर पितरों का आशीर्वाद बना रहे।

जरूर करें ये काम : हिंदू धर्म में तुलसी को खास महत्व दिया जाता है। ऐसे में मौनी अमावस्या के दिन तुलसी के पास दीपक जलाकर आर-ाधना करें। इसी के साथ आप तुलसी के पौधे में लाल कलावा भी बांध सकते हैं। ऐसा करने से जीवन की कई परेशानियों से मुक्ति मिल जाती है। साथ ही अमावस्या पर पानी में कच्चा दूध मिलाकर तुलसी में अर्पित करने से प्रभु श्रीहरि और माता लक्ष्मी की कृपा मिलती है।

पितृ भी होंगे खुश : अमावस्या के दिन पीपल के पेड़ की पूजा करना भी काफी शुभ माना जाता है, क्योंकि ऐसी मान्यता है कि पीपल के मूल में भगवान विष्णु, तने में शिव जी और अग्रभाग में ब्रह्माजी का वास होता है। ऐसे में आप मौनी अमावस्या के दिन पीपल की पूजा कर उसमें दूध चढ़ाएं और सात बार परिक्रमा करें। इसी के साथ पितरों को याद करते हुए दीपक जलाएं।

लगा सकते हैं ये पौधा : अमावस्या के दिन बेल पत्र के पेड़ की पूजा करना भी काफी लाभकारी माना जाता है। इस पेड़ को भगवान शिव से जोड़कर देखा जाता है। ऐसे में आप मौनी अमावस्या के दिन बेलपत्र की विधिवत रूप से पूजा-अर्चना करें और जल चढ़ाएं। इससे साधक को जीवन में अच्छे परिणाम मिलने लगते हैं। इसी के साथ अमावस्या के दिन इस पौधे को घर में लगाना भी काफी शुभ माना जाता है। आप इस पौधे को किसी मंदिर के आस-पास भी लगा सकते हैं।

मौनी अमावस्या पर ऐसे करें पितरों का तर्पण, पितृ दोष होगा दूर

धार्मिक मान्यता है कि माघ माह की अमावस्या पर पवित्र नदी में स्नान और दान करने का करने से जातक को पितृ दोष की समस्या से छुटकारा मिलता है। इस दिन विधिपूर्वक पितरों का तर्पण करना चाहिए। इससे पितरों को मोक्ष की प्राप्ति होती है।

ऐसे करें तर्पण : मौनी अमावस्या के दिन सुबह जल्दी उठें और स्नान करने के बाद सूर्य देव को जल अर्पित करें। इस दौरान सूर्य देव के मंत्रों का जप करें। इसके बाद पूर्वजों का तर्पण करते समय दक्षिण दिशा की तरफ मुख करें। पितरों का तर्पण करने के लिए जौ, कुश और काले तिल इस्तेमाल करें। सच्चे मन से पितृ देव और मां गंगा के 108 नाम का जप करें। आखिरी में गरीब लोगों में दान करें और भोजन खिलाएं।

एक श्राप के कारण अंधे जन्मे थे धृतराष्ट्र

महाभारत में धृतराष्ट्र अंधे थे, लेकिन उन्हें यह अंधापन पिछले जन्म में मिले एक श्राप के कारण मिला था। धृतराष्ट्र ने ही गांधारी के परिवार को मरवाया था। लेकिन क्यों मिला था उन्हें अंधे होने का श्राप और क्यों मरवाया था उन्होंने अपनी पत्नी गांधारी के परिवार को?

भीम को मार डालना चाहते थे धृतराष्ट्र

भीम ने धृतराष्ट्र के प्रिय पुत्र दुर्योधन और दु:शासन को बड़ी निर्दयता से मार डाला था, इस कारण धृतराष्ट्र भीम को भी मार डालना चाहते थे। जब युद्ध समाप्त हो गया तो श्रीकृष्ण के साथ युधिष्ठिर, भीम, अर्जुन, नकुल और सहदेव महाराज धृतराष्ट्र से मिलने पहुंचे। युधिष्ठिर ने धृतराष्ट्र को प्रणाम किया और सभी पांडवों ने अपने-अपने नाम लिए, प्रणाम किया। श्रीकृष्ण महाराज के मन की बात पहले से ही समझ गए थे कि वे भीम का नाश करना चाहते हैं।

धृतराष्ट्र ने भीम को गले लगाने की इच्छा जताई तो श्रीकृष्ण ने तुरंत ही भीम के स्थान पर भीम की लोहे की मूर्ति आगे बढ़ा दी। धृतराष्ट्र बहुत शक्तिशाली थे, उन्होंने क्रोध में आकर लोहे से बनी भीम की मूर्ति को दोनों हाथों से दबोच लिया और मूर्ति को तोड़ डाला।मूर्ति तोड़ने की वजह से उनके मुंह से भी खून निकलने लगा और वे जमीन पर गिर गए। कुछ ही देर में उनका क्रोध शांत हुआ तो उन्हें लगा की भीम मर गया है तो वे रोने लगे। तब श्रीकृष्ण ने महाराज से कहा कि भीम जीवित है, आपने जिसे तोड़ा है, वह तो भीम के आकार की मूर्ति थी। इस प्रकार श्रीकृष्ण ने भीम के प्राण बचा लिए।

धृतराष्ट्र थे जन्म से अंधे

महाराज शांतनु और सत्यवती के दो पुत्र हुए विचित्रवीर्य और चित्रांगद। चित्रांगद कम आयु में ही युद्ध में मारे गए। इसके बाद भीष्म ने विचित्रवीर्य का विवाह काशी की राजकुमारी अंबिका और अंबालिका से करवाया। विवाह के कुछ समय बाद ही विचित्रवीर्य की भी बीमारी के कारण मृत्यु हो गई। अंबिका और अंबालिका संतानहीन ही थीं तो सत्यवती के सामने यह संकट उत्पन्न हो गया कि कौरव वंश आगे कैसे बढ़ेगा।

वंश को आगे बढ़ाने के लिए सत्यवती ने महर्षि वेदव्यास से उपाय पूछा। तब वेदव्यास से अपनी दिव्य शक्तियों से अंबिका और अंबालिका से संतानें उत्पन्न की थीं। अंबिका ने महर्षि के भय के कारण आंखें बद कर ली थी तो इसकी अंधी संतान के रूप में धृतराष्ट्र हुए। दूसरी राजकुमारी अंबालिका भी महर्षि से डर गई थी और उसका शरीर पीला पड़ गया था तो इसकी संतान पाण्डु हुई। पाण्डु जन्म से ही कमजोर थे। दोनों राजकुमारियों के बाद एक दासी पर भी महर्षि वेदव्यास ने शक्तिपात किया था। उस दासी से संतान के रूप में महात्मा विदुर उत्पन्न हुए।

एक श्राप

धृतराष्ट्र अपने पिछले जन्म मैं एक बहुत दुष्ट राजा था। एक दिन उसने देखा की नदी मैं एक हंस अपने बच्चों के साथ आराम से विचरण कर रहा हे।

उसने आदेश दिया की उस हंस की आँख फोड़ दी जायैं और उसके बच्चों को मार दिया जाये। इसी वजह से अगले जन्म मैं वह अंधा पैदा हुआ और उसके पुत्र भी उसी तरह मृत्यु को प्राप्त हुये जैसे उस हंस के।

अंधे होने के कारण धृतराष्ट्र से पहले पाण्डु बने थे राजा

धृतराष्ट्र, पाण्डु और विदुर के पालन-पोषण का भार भीष्म के ऊपर था। तीनों पुत्र बड़े हुए तो उन्हें विद्या अर्जित करने भेजा गया। धृतराष्ट्र बल विद्या में श्रेष्ठ हुए, पाण्डु धनुर्विद्या में और विदुर धर्म और नीति में पारंगत हो गए। तीनों पुत्र युवा हुए तो बड़े पुत्र धृतराष्ट्र को नहीं, बल्कि पाण्डु को राजा बनाया गया, क्योंकि धृतराष्ट्र अंधे थे और विदुर दासी पुत्र थे। पाण्डु की मृत्यु के बाद धृतराष्ट्र को राजा बनाया गया। धृतराष्ट्र नहीं चाहते थे कि उनके बाद युधिष्ठिर राजा बने, बल्कि वे चाहते थे कि उनका पुत्र दुर्योधन राजा बने। इसी कारण वे लगातार पाण्डव पुत्रों की उपेक्षा करते रहे।

गांधार की राजकुमारी से विवाह

भीष्म ने धृतराष्ट्र का विवाह गांधार की राजकुमारी गांधारी से कराया था। विवाह से पूर्व गांधारी को ये बात मालूम नहीं थी कि धृतराष्ट्र अंधे हैं। जब गांधारी को ये बात मालूम हुई तो उसने भी अपनी आंखों पर पट्टी बांध ली। अब पति और पत्नी दोनों अंधे के समान हो गए थे। धृतराष्ट्र और गांधारी के सौ पुत्र और एक पुत्री थी। दुर्योधन सबसे बड़ा और सबसे प्रिय पुत्र था। दुर्योधन के प्रति धृतराष्ट्र को अत्यधिक मोह था। इसी मोह के कारण दुर्योधन के गलत कार्यों पर भी वे मौन रहे। दुर्योधन की गलत इच्छाओं को पूरा करने के लिए भी हमेशा तैयार रहते थे। यही मोह पूरे वंश के नाश का कारण बना।

धृतराष्ट्र ने मरवाया था गांधारी के परिवार को

ध्रतराष्ट्र का विवाह गांधार देश की गांधारी के साथ हुआ था। गंधारी की कुंडली मैं दोष होने की वजह से एक साधु के कहे अनुसार उसका विवाह पहले एक बकरे के साथ किया गया था। बाद मैं उस बकरे की बलि दे दी गयी थी। यह बात गांधारी के विवाह के समय छुपाई गयी थी. जब ध्रतराष्ट्र को इस बात का पता चला तो उसने गांधार नरेश सुबाला और उसके 100 पुत्रों को कारावास मैं डाल दिया और काफी यातनाएं दी।

एक एक करके सुबाला के सभी पुत्र मरने लगे। उन्हैं खाने के लिये सिर्फ मुट्ठी भर चावल दिये जाते थे। सुबाला ने अपने सबसे छोटे बेटे शकुनि को प्रतिशोध के लिये तैयार किया। सब लोग अपने हिस्से के चावल शकुनि को देते थे ताकि वह जीवित रह कर कौरवों का नाश कर सके। मृत्यु से पहले सुबाला ने ध्रतराष्ट्र से शकुनि को छोड़ने की बिनती की जो ध्रतराष्ट्र ने मान ली। सुबाला ने शकुनि को अपनी रीढ़ की हड्डी क पासे बनाने के लिये कहा, वही पासे कौरव वंश के नाश का कारण बने।

शकुनि ने हस्तिनापुर मैं सबका विश्वास जीता और 100 कौरवों का अभिवावक बना। उसने ना केवल दुर्योधन को युधिष्ठिर के खिलाफ भडकाया बल्कि महाभारत के युद्ध का आधार भी बनाया। और धृतराष्ट्र चले गए वन में

युद्ध के बाद धृतराष्ट्र और गांधारी, पांडवों के साथ एक ही महल रहने लगे थे। भीम अक्सर धृतराष्ट्र से ऐसी बातें करते थे जो कि उन्हें पसंद नहीं थीं। भीम के ऐसे व्यवहार से धृतराष्ट्र बहुत दुखी रहने लगे थे। वे धीरे-धीरे दो दिन या चार दिन में एक बार भोजन करने लगे। इस प्रकार पंद्रह वर्ष निकल गए। फिर एक दिन धृतराष्ट्र के मन में वैराग्य का भाव जाग गया और वे गांधारी के साथ वन में चले गए।

महाभारत युद्ध के बाद कहां चले गए धृतराष्ट्र की आंखें बनने वाले संजय?

संजय, महाभारत के प्रमुख पात्रों में से एक रहे हैं, जो हस्तिनापुर के राजा धृतराष्ट्र के सलाहकार और सारथी भी थे। लेकिन क्या आप जानते हैं कि महाभारत युद्ध की समाप्ति के बाद आखिर संजय कहां गए और किस तरह अपना जीवन जिया? आज हम आपको इसी के बारे में बताने जा रहे हैं।

कहां गए संजय : महाभारत के युद्ध में पांडवों की जीत हुई थी। कहा जाता है कि युद्ध की समाप्ति के बाद संजय काफी समय तक युधिष्ठिर के राज्य में रहे थे। यह भी माना जाता है कि जब महाराज धृतराष्ट्र, उनकी पत्नी गांधारी और पांडवों की माता कुंती ने संन्यास लिया, तो संजय ने भी उन तीनों के साथ संन्यास ले लिया। यह भी कहा जाता है कि धृतराष्ट्र की मृत्यु होने के बाद संजय हिमालय में जाकर रहने लगे।

संजय से जुड़ी अन्य खास बातें : संजय हमेशा धर्म का साथ देते थे और बेहद विनम्र और धार्मिक स्वभाव के थे। वह महाराज धृतराष्ट्र के सामने भी अपनी बात कहने में नहीं हिचकिचाते थे, चाहे वह बात राजा के विरोध में ही क्यों न हो। संजय, वेदव्यास के शिष्य थे, जिन्होंने उन्हें दिव्य दृष्टि का वरदान दिया था। महाभारत की युद्ध भूमि में जब भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को अपने विराट स्वरूप के दर्शन दिए, तो इस दर्शन का लाभ संजय को भी मिला। महाराज धृतराष्ट्र ने महाभारत के युद्ध को टालने के लिए संजय को ही पांडवों के पास समझाने के लिए भेजा था। लेकिन संजय यह जानते थे कि अब युद्ध नहीं टाला जा सकता। जब चौसर के खेल में हारने के बाद पांडवों को वनवास का सामना करना पड़ा, तब भी संजय ने धृतराष्ट्र को यह चेतावनी दी थी कि 'हे राजन! कुरु वंश का नाश अब निश्चित है, लेकिन इस युद्ध में प्रजा की भी भारी हानि होने वाली है।

फिल्म हिट होगी या फ्लॉप, प्रोड्यूसर गुलशन राय की नींद की एक झपकी सब कुछ कर देती थी तय

फिल्म हिट हो जाए इससे जुड़े फिल्म मेकर्स और एक्टर्स के बहुत सारे विश्वास और अंधविश्वास होते हैं। जैसे काजोल के लिए कहा जाता है कि वो जिस फिल्म की शूटिंग के दौरान गिर जाती हैं, वो फिल्म हिट हो जाती है। उसी तरह गुजरे दौर के एक प्रोड्यूसर के लिए कहा जाता है कि उनका सोना फिल्म हिट होने की गारंटी होता था। इस प्रोड्यूसर का नाम था गुलशन राय। जो अपनी एक फिल्म का ट्रायल देखते देखते सोए तो फिल्म हिट हो गई। दूसरे में नहीं सोए और फिल्म फ्लॉप हो गई।

कौन सी फिल्म हिट, कौन सी फ्लॉप

देव आनंद और हेमा मालिनी की फिल्म जॉनी नाम मेरा एक क्राइम एक्शन फिल्म थी। इस फिल्म को विजय आनंद ने डायरेक्ट और गुलशन राय ने प्रोड्यूस किया था। इसके अलावा एक फिल्म और थी, ज्वेल थीफ। दोनों के ही ट्रायल के दौरान गुलशन राय सोए थे। ऐसा कहा जाता था कि अगर वो ट्रायल के दौरान सो जाते हैं तो इसका मतलब है कि फिल्म सफल होगी। अगर वे नहीं सोते तो इसका मतलब है कि फिल्म फ्लॉप होगी। जोशिला के दौरान गुलशन राय सोए नहीं थे और ये फिल्म फ्लॉप साबित हुई थी। इस फिल्म में गुलशन राय ने यश चोपड़ा के साथ काम किया था।

गुलशन-विजय में हुई लड़ाई

गुलशन ने बताया था कि जॉनी मेरा नाम का पहला क्लाइमेक्स शॉट बेकार था और गुलशन राय ने इसे अस्वीकार कर दिया। गुलशन चाहते थे कि इसे फिर से शूट किया जाए, लेकिन विजय नहीं माने। पर गुलशन राय भी अड़े रहे। आखिरकार विजय ने हार मान ली और दूसरा क्लाइमेक्स लिखा। नया क्लाइमेक्स और भी बेहतर था और काफी सराहा भी गया। जब जॉनी मेरा नाम बनकर तैयार हुई तो विजय आनंद ने 6 लाख मांगे। गुलशन ने विजय को पेमेंट करने का फैसला किया जो वह मांग रहे थे।

दिलजीत दोसांझ ने पंजाब 95 से दिखाई अपनी शानदार झलकियां

पिछले कुछ समय से दिलजीत दोसांझ लगातार चर्चा में हैं। उनके लाइव कार्यक्रम दुनियाभर में चर्चा का विषय बन रहे हैं। पिछले दिनों वह तब सुर्खियों में रहे, जब उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की, जिसकी कई तस्वीरें व वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए।फिलहाल दिलजीत अपनी आने वाली फिल्म पंजाब 95 को लेकर चर्चा में हैं, जिसकी पहली झलक उन्होंने अपने प्रशंसकों के साथ साझा की है।लोगों ने उनका लुक देखकर क्या कहा, आइए जानते हैं।दिलजीत ने जो पोस्टर इंस्टाग्राम पर साझा किया है, उसमें वह खून से सने हुए नजर आ रहे हैं। उनके माथे पर चोट लगी हुई है। मानवाधिकार कार्यकर्ता जसवंत सिंह खालरा के रूप में नजर आए दिलजीत को जिसने भी देखा, उसकी निगाहें उन पर टिक गईं।पोस्टर साझा करते हुए दिलजीत ने लिखा, मैं अंधेरे को चुनौती देता हूं।बता दें कि हनी त्रेहान के निर्देशन में बनी इस फिल्म के निर्माता रॉनी स्क्रूवाला हैं।

दिलजीत ने फिल्म से अपनी 2 तस्वीरें साझा की हैं। पहली तस्वीर में वह एक कोने में बैठे हुए हैं। उनके कपड़े धूल मिट्टी से सने हैं और शरीर पर वह एक कंबल लपेटे हुए हैं वहीं, दूसरी तस्वीर में उन्होंने अपने चेहरे को करीब से दिखाया है। तीसरी तस्वीरें में दिलजीत दो बच्चों के साथ नजर आ रहे हैं।दिलजीत ने इंस्टा स्टोरी पर यह भी बताया कि उनकी ये फिल्म फरवरी में रिलीज होने वाली है।एक यूजर ने लिखा, ऐसे महान किरदार सिर्फ और सिर्फ दिलजीत ही कर सकते हैं और उन्होंने ही किए हैं।एक लिखते हैं, खालरा साहब को सलाम।एक लिखते हैं, आप अपना किरदार बड़ी शिद्दत से जीते हैं। तुस्सी फिर छा गए दिलजीत पाजी।एक ने लिखा, पंजाब ने क्या कुछ सहा है और खालरा जी का क्या योगदान रहा, वो अब दुनिया के सामने आएगा।

कुछ के मुताबिक, यह फिल्म पंजाबी सिनेमा के लिए मील का पत्थर साबित होगी।मानवाधिकार कार्यकर्ता जसवंत सिंह खालरा की जिंदगी पर बनी दिलजीत की इस फिल्म में अर्जुन रामपाल भी नजर आएंगे। पहले इस फिल्म को घल्लूघारा कहा जा रहा था, लेकिन बाद में निर्माताओं ने इसे नया नाम पंजाब 95 दिया। यह फिल्म सेंसर बोर्ड के साथ भिड़त को लेकर भी खूब विवादों में रही।फिल्म में दिलजीत को जसवंत की भूमिका में देखा जाएगा, जो मानवाधिकार कार्यकर्ता होने के साथ-साथ पंजाब के अमृतसर में एक बैंक के डायरेक्टर थे।जब पंजाब में उग्रवाद चरम पर था, तब खालरा ने हजारों अज्ञात लोगों के अपहरण, हत्या और दाह संस्कार के सबूत जुटाए थे। 1995 में खालरा अचानक लापता हो गए थे। पंजाब पुलिस के अधिकारियों को उनके अपहरण और हत्या का दोषी ठहराया गया था।

रहस्य और रोमांच से भरपूर फिल्म अगथिया का मोशन पोस्टर जारी

रहस्य, फैंटसी, हॉरर और थ्रिल से भरपूर फिल्म अगथिया का मोशन पोस्टर सोशल मीडिया पर निर्माता अनीश अर्जुन देव और डॉ इशारी के गणेश द्वारा जारी कर दिया गया। वाइड ऐंगल मीडिया के साथ डॉ इशारी के गणेश द्वारा प्रस्तुत फिल्म अगथिया का लेखन और निर्देशन पी ए विजय ने किया है। फिल्म का संगीत युवा संगीतकार युवान शंकर राजा ने दिया है। फिल्म के सभी गाने निर्देशक पी ए विजय ने लिखा है।फिल्म का नाम अगथिया का मोशन पोस्टर काफी इंटरेस्टिंग दिख रहा है यह काफी रहस्यमय लग रहा है। और फिल्म के नाम से भी जाहिर है कि इसमें रहस्य और रोमांच के साथ फैंटसी का तड़का भी लगाया गया है। मोशन पोस्टर शुरू होते ही पुरानी घड़ी के कलपुर्जे जैसी आकृतियाँ और मशीनरी जैसा दर्शाया गया है जो कई परतों से होते हुए बैकग्राउंड में चल जाता है और सामने ऐन्टिक स्टाइल में अगथिया के साथ सब हेडलाइन ऐन्जल वर्सेज़ डेविल लिखा हुआ आता है जो तमिल, तेलुगु, हिन्दी और इंग्लिश के साथ बदलता रहता है। पोस्टर में फिल्म के यूनीक स्टाइल में लिखे हुए नाम के साथ एक रहस्यमयी म्यूजिक बैकग्राउंड में सुनाई दे रहा है। पोस्टर के अंत में काफी हॉन्टेड दृश्य दिखाया गया है जिसमे एक जादूगर जैसे कपड़े में एक व्यक्ति जिसका चेहरा धधकती हुई आग के जैसा है, अपने हाथ में एक बड़ी सी ऑप्टिकल रॉड ले कर खूंखार तरीके से घुमाता हुआ दिख रहा है जो काफी डरावना है। पूरा मोशन पोस्टर रहस्यमयी होने के साथ ही कई सवाल भी छोड़ जाता है जिनका जवाब फिल्म की रिलीज के बाद ही मिलेगा।फिल्म के निर्माता अनीश अर्जुन देव और डॉ इशारी के गणेश ने कहा यह फिल्म एक फैंटसी हॉरर और थ्रिलर फिल्म है जो एक युवा और संघर्षशील आर्ट डायरेक्टर की कहानी दर्शाएगी जो एक पुराने कैमरे के जरिए 1940 की दुनिया में दाखिल हो जाता है और इतिहास के गर्त में दफन कई रहस्यों को खोजने की कोशिश करता है।

इस फिल्म में भारत में अंग्रेजी हुकूमत के दृश्य भी दर्शकों को एक अलग प्रकार का अनुभव देंगे। फिल्म का निर्माणकार्य पूरा हो चुका है, जल्दी है हम इसका टीजर और ट्रैलर भी रिलीज करेंगे। डॉ गणेश इससे पहले कई सफल फिल्मों का निर्माण कर चुके है।फिल्म तमिल और तेलुगु के साथ साथ हिन्दी में भी बड़े स्तर पर सिनेमाघरों में रिलीज की जाएगी। कुल तीन भाषाओं में रिलीज होने वाली महत्वाकांक्षी फिल्म अगथिया ऐन्जल बनाम डेविल को आने वाली 31 जनवरी को रिलीज किया जाएगा।

परेश रावल की नई फिल्म द स्टोरी टेलर का ऐलान

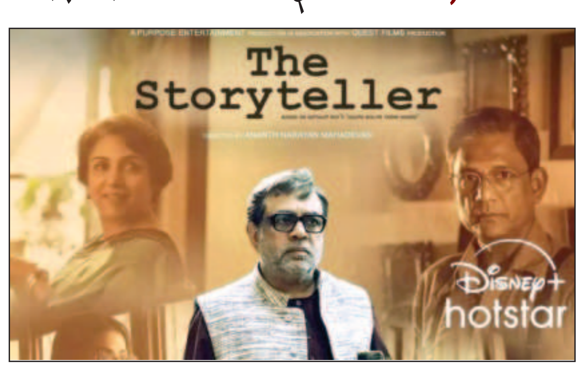

भारतीय सिनेमा के दिग्गज अभिनेता परेश रावल पिछली बार फिल्म जो तेरा है वो मेरा है में देखा गया था, जिसमें उनकी अदाकारी की जमकर तारीफ हुई। इस फिल्म को आप ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो सिनेमा पर देख सकते हैं।अब परेश की नई फिल्म का ऐलान हो गया है, जिसका नाम द स्टोरी टेलर है, जिसके निर्देशन की कमान अनंत नारायण महादेवगन ने संभाली है।यह परेश और अनंत के बीच पहला सहयोग है।द स्टोरी टेलर की रिलीज तारीख से भी पर्दा उठ गया है। यह फिल्म सिनेमाघरों में नहीं, बल्कि ओटीटी का रुख करेगी।फिल्म का प्रीमियर 28 जनवरी, 2025 से डिज्नी+ हॉटस्टार पर होने जा रहा है। द स्टोरी टेलर का पहला पोस्टर भी सामने आ चुका है, जिसमें परेश समेत तमाम सितारों की झलक दिख रही है।इस फिल्म में परेश के अलावा आदिल हुसैन, तनिष्ठा चटर्जी और अनिंदिता बोस जैसे सितारे भी नजर आएंगे।

मुंबई में ठिकाना ढूंढने भटक रही यामिनी मल्होत्रा

बिग बॉस 18 की कंटेस्टेंट रहीं यामिनी मल्होत्रा इन दिनों मुंबई में रहने के लिए घर की तलाश कर रही हैं। यामिनी दिल्ली से मुंबई शिफ्ट होना चाहती हैं लेकिन उन्हें काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। यामिनी ने सोशल मीडिया पर एक तस्वीर शेयर कर बताया है कि उन्हें कितनी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।दरअसल, बिग बॉस 18 के बाद यामिनी अब मुंबई में रहना चाहती हैं लेकिन उन्हें रहने के लिए छत नहीं मिल रही है। वह पिछले कई दिनों से घर की तलाश कर रही हैं लेकिन कोई भी उन्हें अपने घर में किराए पर रहने नहीं दे रहा है। इन सब चीजों से परेशान होकर यामिनी ने अब सोशल मीडिया का सहारा लिया है। यामिनी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए बताया है कि उन्हें काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।यामिनी ने सोशल मीडिया पर जो तस्वीर जारी की है उसमें उन्होंने लिखा है कि उन्हें कुछ ऐसा

सोशल मीडिया पोस्ट में बयां किया अपना दर्द

शेयर करना पड़ रहा है जो उनके लिए काफी निराशाजनक रहा है। यामिनी ने लिखा- जितना मैं मुंबई से प्यार करती हूं, यहां फ्लैट मिलना उतना ही मुश्किल होता जा रहा है। मुझसे सवाल पूछे जा रहे हैं कि मैं हिंदू हूं या मुसलमान, गुजराती हूं या मारवाड़ी।जैसे ही लोगों को पता चलता है कि मैं एक्ट्रेस हूं, वे सीधे मना कर देते हैं। यामिनी ने आगे एक सवाल लिखा कि क्या एक्टर होने के नाते मैं घर खरीदने के लायक नहीं हूं। यह बहुत ही आश्चर्यजनक बात है कि साल 2025 में भी लोग आपसे ऐसे सवाल पूछते हैं। क्या हम वाकई मुंबई को सपनों का शहर कह सकते हैं अगर ये सपने कुछ शर्तों पर पूरे हैं।

दीपिका पादुकोण की फिल्म पद्मावत सिनेमाघरों में फिर हो रही रिलीज

संजय लीला भंसाली की फिल्मों की बात कुछ अलग होती है। उनकी मूवीज में एक्टर के साथ सीन में नजर आ रहा हर एलिमेंट एक अलग कहानी कह रहा होता है। भंसाली अपने ग्रैंड सेट्स के लिए भी काफी मशहूर हैं। ऐसी ही एक फिल्म अब सिनेमाघरों में पहुंचने वाली है जिसका नाम पद्मावत है। इसे पहली रिलीज के 7 साल बाद इसे फिर से सिल्वर स्क्रीन पर उतारा जा रहा है।वॉयकॉम 18 स्टूडियो और भंसाली प्रोडक्शन ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर हाल ही में एक पोस्ट शेयर किया है। पोस्ट में पीरियड ड्रामा फिल्म का पोस्टर शेयर कर उसकी री-रिलीज का ऐलान किया गया है। वॉयकॉम 18 स्टूडियो के मुताबिक, पद्मावत फिल्म 24 जनवरी 2025 को फिर से बड़े पर्दे पर रिलीज की जाने वाली है। फिल्म को देखने के लिए फैंस काफी एक्साइटेड हैं और कमेंट में जमकर अपने रिएक्शन दे रहे हैं।पद्मावत की टक्कर की अक्षय कुमार की फिल्म स्काई फोर्स ने होने वाली है। 2018 में जब पद्मावत रिलीज हुई तो इसने हर तरफ तहलका मचा दिया था। फिल्म की कहानी और शानदार एक्टिंग ने दर्शकों का दिल जीत लिया था। दीपिका पादुकोण ने रानी पद्मावती के रोल में काफी बढ़िया काम किया था।वहीं रणवीर सिंह ने खिलजी के किरदार में डर और जुनून के साथ हर किसी को हैरान कर दिया था। फिल्म की कहानी और संजय लीला भंसाली के निर्देशन ने फिल्म को सफल बनाने में बड़ा योगदान दिया था।दीपिका पादुकोण की पद्मावत का निर्देशन संजय लीला भंसाली ने किया था। उस समय फिल्म रिलीज को लेकर काफी बवाल भी मचा था। विवाद इतना हुआ था कि इसके नाम तक में बदलाव किए गए थे। यह साल 2018 की बड़ी हिट में से एक थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, उस दौरान फिल्म को राजस्थान में बैन कर दिया गया था।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अगर आपकी योजना बाहर घूमने–फिरने की है तो आपका वक़्त हँसी–ख़ुशी और सुकून भरा रहेगा। आज धन आपके हाथ में नहीं टिकेगा, आपको धन संचय करने में आज बहुत दिक़्क़तों का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे लोगों से दूर रहें जिनकी बुरी आदतें आपके ऊपर असर डाल सकती हैं। अपनी दीवानगी को क़ाबू में रखें, नहीं तो यह आपके प्रेम–संबंध को मुश्किल में डाल सकती है। कामकाज में आ रहे बदलावों के कारण आपको लाभ मिलेगा। हितकारी ग्रह कई ऐसे कारण पैदा करेंगे, जिनकी वजह से आज आप ख़ुशी महसूस करेंगे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

रचनात्मक शौक़ आज आपको सुकून का एहसास कराएंगे। आर्थिक पक्ष के मजबूत होने की पूरी संभावना है। अगर आपने किसी शख्स को पैसा उधार दिया था तो आज आपको वो पैसा वापस मिलने की उम्मीद है। शाम के वक़्त अचानक मिली कोई अच्छी ख़बर पूरे परिवार की ख़ुशी और उत्साह की वजह साबित होगी। आज आप इश्क़ की चाशनी ज़िन्दगी में घुलती हुई महसूस करेंगे। किसी नयी परियोजना पर काम करने से पहले अच्छी तरह सोच–विचार लें। समय का अच्छा इस्तेमाल करने के लिए आज आप पार्क में घूमने का प्लान बना सकते हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आज आप अपने घर के सदस्यों को कहीं घुमाने ले जा सकते हैं और आपका काफी धन खर्च हो सकता है। आपका जीवनसाथी आपकी सहायता करेगा और मददगार साबित होगा। बीते दिनों की मीठी यादें आपको व्यस्त रखेंगी। कार्यक्षेत्र में आपके प्रतिद्वन्द्वियों को अपने ग़लत कामों का फल मिलेगा। अगर कहीं बाहर जाने की योजना है तो वह आख़िरी वक़्त पर टल सकती है। आप महसूस कर सकते हैं कि जीवनसाथी का प्यार सारे दु:ख–दर्द भुला देता है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आप खाली समय का आनंद ले सकेंगे। आज मुमकिन है कि आपको धन से जुड़ी कोई समस्या हो लेकिन अपनी सूझबूझ से आप हानि को भी मुनाफे में बदल सकते हैं। पुराने संपर्क और दोस्त मददगार रहेंगे। आपको अपनी तरफ़ से सबसे बेहतर तरीक़े से बर्ताव करने की ज़रूरत है – क्योंकि आज आपका प्रिय जल्दी ही नाराज़ हो सकता है। आज आपका कोई छुपा विरोधी आपको ग़लत साबित करने की पुरज़ोर कोशिश करेगा। आज आपके पास लोगों से मिलने–जुलने का और अपने शौक़ पूरे करने का पर्याप्त खाली वक़्त है। ज़्यादा ख़र्चे की वजह से जीवनसाथी से खट–पट हो सकती है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

अपने नकारात्मक रवैये के चलते आप प्रगति नहीं कर पा रहे हैं। यह इस बात को समझने का सही वक़्त है कि चिंता की आदत ने आपके सोचने की क्षमता को ख़त्म कर दिया है। हालात के उजले पहलू की ओर देखें और आप पाएंगे कि चीज़ें सुधर रही हैं। कोई बेहतरीन नया विचार आपको आर्थिक तौर पर फ़ायदा दिलायेगा। आप दोस्तों के साथ बेहतरीन वक़्त बिताएंगे, लेकिन गाड़ी चलाते वक़्त ज़्यादा सावधानी बरतें। यदि कोई समस्या है तो उसे टालें नहीं, बल्कि जल्दी–से–जल्दी उसका समाधान ढूंढने की कोशिश करें। आपको ख़ुश करने के लिए आपका जीवनसाथी काफ़ी कोशिशें कर सकता है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

अपनी शारीरिक चुस्ती–फुर्ती को बनाए रखने के लिए आप आज का दिन खेलने में व्यतीत कर सकते हैं। पुराने निवेशों के चलते आय में बढ़ोत्तरी नज़र आ रही है। उन लोगों के साथ कुछ समय बिताएँ, जो आपको चाहते हैं और आपका ख़याल रखते हैं। अगर आप कई दिनों से कामकाज में दिक़्क़त महसूस कर रहे हैं, तो आज के दिन आपको राहत महसूस हो सकती है। किसी भी स्थिति में आपको अपने समय का ख्याल रखना चाहिए याद रखिये अगर समय की कद्र नहीं करेंगे तो इससे आपको ही नुक्सान होगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

हाल की घटनाओं से आपका मन बेचैन हो सकता है। शारीरिक और मानसिक लाभ के लिए ध्यान व योग फ़ायदेमंद साबित होंगे। आज बिना किसी की मदद के ही आप धन कमा पाने में सक्षम होंगे। घर को सजाने–संवारने के लिए अपने खाली समय का उपयोग करें। इसके लिए आप परिवार से सराहना पाएंगे। शाम के लिए कोई ख़ास योजना बनाएँ और कोशिश करें कि यह ज़्यादा–से–ज़्यादा रुमानी हो। कामकाज के मामलों को सुलझाने के लिए अपनी होशियारी और प्रभाव का इस्तेमाल करें। यह दिन शादीशुदा ज़िन्दगी के सबसे ख़ास दिनों में से एक रहेगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अपना मूड बदलने के लिए किसी सामाजिक आयोजन में शिरकत करें। आर्थिक तौर पर सुधार तय है। अपने जीवनसाथी का बोझ दूर करने के लिए घरेलू कामकाज में हाथ बटाएँ। इससे आपको साथ में काम करने का आनंद मिलेगा और जुड़ाव महसूस होगा। आप किसी बड़े व्यावसायिक लेन–देन को अंजाम दे सकते हैं और मनोरंजन से जुड़ी किसी परियोजना में कई लोगों का संयोजन कर सकते हैं। वक्त की नाजाकत को समझते हुए आज आप सब लोगों से दूरी बनाकर एकांत में वक्त बिताना पसंद करेंगे। ऐसा करना आपके लिए हितकर भी होगा।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आपका सबसे बड़ा सपना हक़ीक़त में बदल सकता है। लेकिन अपने उत्साह को क़ाबू में रखें, क्योंकि ज़्यादा ख़ुशी भी परेशानी का सबब बन सकती है। अपने लिए पैसा बचाने का आपका ख्याल आज पूरा हो सकता है। आज आप उचित बचत कर पाने में सक्षम होंगे। अपने जीवन–साथी के साथ बेहतर समझ ज़िन्दगी में ख़ुशी, सुकून और समृद्धि लाएगी। किसी भी ख़र्चीले काम या योजना में हाथ डालने से पहले ठीक तरह से सोच–विचार कर लें। जीवनसंगी के साथ वक्त बिताने के लिए आज आप ऑफिस से जल्दी निकल सकते हैं सेहत के नज़रिये से दिन अच्छा हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

स्वास्थ्य के लिहाज़ से बहुत अच्छा दिन है। आपकी ख़ुशमिज़ाजी ही आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी करेगी। जिन लोगों ने अतीत में अपना धन निवेश किया था आज उस धन से लाभ होने की संभावना बन रही है। अगर आपका साथी अपना वादा न निभाए तो बुरा महसूस न करें– आपको बैठकर बातचीत के ज़रिए मामला सुलझाने की ज़रूरत है। हवन/पूजा–पाठ आदि का आयोजन घर मे होगा। आपके लिए यह ख़ूबसूरत दिन रहेगा, लेकिन सेहत को लेकर थोड़ी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

कोई दोस्त आपकी सहनशक्ति और समझ की परीक्षा ले सकता है। आप घूमने–फिरने और पैसे ख़र्च करने के मूड में होंगे– लेकिन अगर आपने ऐसा किया तो बाद में आपको पछताना पड़ सकता है। आज आपके प्रिय को आपके अस्थिर रवैये के चलते आपसे तालमेल बिठाने में काफ़ी दि–क़्क़त का सामना करना पड़ेगा। बड़े उद्योगपतियों के साथ साझीदारी का व्यवसाय फ़ायदेमंद रहेगा। आज आप हँसी–मजाक़ के बीच आपके और आपके जीवनसाथी के बीच कोई पुराना मुद्दा उभर सकता है, जो फिर वाद–विवाद का रूप भी ले सकता है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

मौज–मस्ती और मनपसंद काम करने का दिन है। आकस्मिक मुनाफ़े या सट्टेबाज़ी के ज़रिए आर्थिक हालात सुदृढ़ होंगे। जिसपर आप यक़ीन करते हैं, मुमकिन है वह आपको पूरा सच न बता रहा हो। आपकी दूसरों को राज़ी करने की क्षमता आने वाली मुश्किल को हल करने में कारगर साबित होगी। यह दूसरे देशों में व्यावसायिक सम्पर्क बनाने का बेहतरीन समय है। आज आप ख़ुद को लोगों के ध्यान के केंद्र में पाएंगे, जब कोई आपके सहयोग की वजह से पुरस्कृत होगा या सराहा जाएगा।

शुक्रवार का पंचांग

दिनांक : 24 जनवरी 2025 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2081
मास : माघ ,कृष्ण पक्ष
तिथि : दशमी रात्रि 07:27 तक
नक्षत्र : अनुराधा अहोरात्र
योग : वृद्धि रात्रि 05:07 तक
करण : विष्टि रात्रि 07:27 तक
चन्द्रराशि : वृश्चिक
सूर्योदय : 06:49 , सूर्यास्त 06:07 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:46 , सूर्यास्त 06:17 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:40 , सूर्यास्त 06:08 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:39 , सूर्यास्त 05:59 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रात: 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : भद्रा रात्रि 07:26 तक
अभिजीत से रवि निवृत्ति रात्रि 01:08 से

पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

योग को दसवीं कक्षा तक पाठ्यक्रम में लागू करने वाला हरियाणा पहला प्रदेश : बंडारू

चंडीगढ़,23 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दतात्रेय ने कहा कि हरियाणा देश का पहला राज्य है जिसने योग को पहली से दसवीं कक्षा तक पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया है। इसके अलावा राज्य में 10000 से अधिक स्कूलों, 300 कॉलेजों और 30 से अधिक विश्वविद्यालयों में योग क्लब स्थापित किए गए हैं। बंडारू दतात्रेय नेता जी सुभाष चन्द्र बोस की जंयती के अवसर पर आईटीबीपी के बीटीसी प्रशिक्षण केन्द्र भानू में आयोजित सूर्य नमस्कार अभियान–2025 कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हरियाणा योग आयोग प्रदेश में 22000 से अधिक योग प्रशिक्षकों को प्रशिक्षण देकर योग का व्यापक स्तर पर प्रचार–प्रसार कर रहा है। इसके लिए शिक्षा विभाग, आयुष विभाग, खेल विभाग, हरियाणा योग आयोग बधाई के पात्र है। राज्यपाल ने राज्य स्तरीय कार्यक्रम में सिविल सर्जन डा. मुक्ता कुमार, माध्यमिक शिक्षा अजय कुमार, खेल विभाग मीनाक्षी चौहान, सीआरपीएफ जी डी माक्खन सिंह तोमर, युवा भारत से अश्वनी मिश्रा, विद्या भारती से डा.

ऋषि राज, एनर्जेटिक योग परिवार विनोद बजाज सुमन गुगलानी, एसईआरटी सुनील बजाज, योग आयोग से डा. हरीश, आर्मी, लेफ्टिनेंट सुमित चन्द को सम्मानित किया गया।

उन्होंने कहा कि आज महान स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती भी है, जिनकी असीम देशभक्ति, साहस और नेतृत्व हमारे लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। उनके बलिदान और योगदान ने हमारे देश को स्वतंत्रता की राह पर अग्रसर किया। सुर्यनमस्कार के कार्यक्रम से मनोबल बढ़ेगा और प्रधानमंत्री के फिट इण्डिया कार्यक्रम को बल मिलेगा। इस प्रकार से योग देश व प्रदेश की सुरक्षा में एक मील का पत्थर साबित होगा।

दत्तात्रेय ने कहा कि अष्टांग योग की विस्तार से चर्चा महर्षि पतंजलि के योगसूत्र में मिलती है। उन्होंने अष्टांग योग के आठ सूत्र यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान और समाधि दिए हैं। अष्टांग योग के आसन में सूर्य नमस्कार की अपनी महत्ता है। इसे सभी योगासनों में सर्वश्रेष्ठ माना गया है। सूर्य नमस्कार स्त्री, पुरुष, बाल, युवा और वृद्धों व सभी के लिए उपयोगी है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में मानव भौतिकवाद के अंधेरे में मानसिक शांति और शारीरिक स्वास्थ्य को खोता जा रहा है। आधुनिक मानव का चित्त या मन अपने केंद्र से भटक गया है। उसके अंतर्मुखी और बहिर्मुखी होने में संतुलन नहीं रहा। इसके परिणामस्वरूप जीवन में तनाव बेहद खुशी है।

राज्यपाल ने कहा कि हमारे सैन्य बलों के लिए तो योग अत्यंत ही लाभकारी है। सुरक्षा बलों में तैनात सैनिकों को विकट स्थानों पर बहुत ही विकट परिस्थितियों में काम करना पड़ता है। ऐसे में शारीरिक और मनोस्थिति को संतुलित बनाए रखना बहुत ही जरूरी है। जीवन की दिनचर्या में संतुलन बनाए रखने के लिए योग एक अमूल्य औषधि का कार्य करता है। किसी भी वर्ग के लोगों के लिए योग एक रामबाण है। कार्यक्रम में बीटीसी प्रशिक्षण डीआईजी ब्रिगेडियर जी एस गिल, चेयरमैन हरियाणा योग आयोग डॉ. जयदीप आर्य ने भी अपने विचार रखे। रजिस्ट्रार, डॉ. रोशन लाल, डॉ. राज कुमार, निदेशक प्रियंका, परियोजना सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

जयपुर में एचएमपीवी वायरस के 2 केस

जयपुर,23 जनवरी (एजेंसियां)। जयपुर में एचएमपीवी वायरस के दो नए मामले सामने आए हैं। दोनों मरीजों को सांस संबंधी समस्याएं हैं और उन्हें सवाई मानसिंह अस्पताल में भर्ती किया गया है। कुछ मीडिया रिपोर्ट में एसएमएस मेडिकल कॉलेज की सीनियर प्रोफेसर डॉ. भारती मल्होत्रा के हवाले से इस बात की पुष्टि की है। इन दोनों मरीजों का वायरस टेस्ट पॉजिटिव आया है। यह इस साल के पहले दो केस हैं, और मरीजों में से एक महिला और एक पुरुष हैं, जो सांस की बीमारी के अलावा अन्य स्वास्थ्य समस्याओं से भी पीड़ित थे।डॉ. मल्होत्रा के अनुसार, यह वायरस सर्दी के मौसम में अपनी इंटेंसिटी बढ़ा सकता है, खासकर अक्टूबर से मार्च तक। पिछले साल 2024 में कुल 71 केस इस वायरस के सामने आए थे, जिनमें अक्टूबर और नवंबर में दो–दो मामले सामने आए थे।

दिल्ली में भाजपा सरकार पूरे बहुमत के साथ सरकार बनाएगी : अनिल विज

चंडीगढ़,23 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा कि दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी सरकार पूरे बहुमत के साथ सरकार बनाएगी। विज आज चंडीगढ़ में मीडियाकर्मियों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का उत्तर दे रहे थे। दिल्ली विधानसभा चुनाव में प्रचार के लिए जाने को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होने कहा कि दिल्ली विधानसभा चुनाव में जिनकी ड्यूटी लगाई है, वे जा रहे हैं। दिल्ली के विधानसभा चुनाव में पंजाब के सरकारी कर्मचारियों की ड्यूटी लगाए जाने को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में विज ने कहा कि मेरा 35 से 40 साल का राजनीतिक अनुभव ये बताता है कि चुनाव में रोता वही है जो हार रहा होता है। इनके (आप पार्टी नेता) रोते हुए, लटके हुए चेहरे, मुरझाते हुए चेहरे साफ इशारा कर रहे है कि इस बार दिल्ली से केजरीवाल साफ है। उन्होंने कहा कि लोगों के जाने और सरकारी मशीनरी के जाने में अंतर को केजरीवाल को समझना चाहिए। उन्होंने बताया कि चुनावों में सारे देश से लोग जाते है, नेता भी जाते है और मंत्री भी जाते है लेकिन जब वे मशीनरी कहते है तो उसमें सरकारी अधिकारी/ कर्मचारी आ जाते है।पंजाब सरकार के कुछ टीचरों को दिल्ली पुलिस ने डिटेन किया है के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि इस संबंध में उन्हें बताना पड़ेगा कि वह दिल्ली में क्या करने गए थे।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती कार्यक्रम में सीएम सैनी ने किए कई ऐलान

चंडीगढ़,23 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी गुरुवार को नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 128वीं जयंती पर चंडीगढ़ में एक कार्यक्रम को संबोधित किया। इस मौके पर उन्होंने कई घोषणाएं कीं।

मुख्यमंत्री सैनी ने कहा, हमने कैबिनेट की मीटिंग में कई महत्वपूर्ण फैसले लिए हैं। इसमें एमआईटीसी, हरियाणा मिनरल्स लिमिटेड, हथकरघा एवं निर्यात निगम के ऐसे कर्मचारियों को, जिनके डिपार्टमेंट खत्म हो चुके या मर्ज हो चुके हैं, उनको 6 हजार से 20 हजार रुपये तक की पेंशन देने का फैसला लिया गया। उन्होंने कहा, हमने दिव्यांगजनों के लिए 2016 में किए गए संशोधन में कुछ महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं। इसके तहत हरियाणा में 10 नई दिव्यांग श्रेणियों को शामिल किया गया है, इन्हें अब मासिक पेंशन का लाभ भी मिलेगा। गुरुवार को कैबिनेट द्वारा लिए गए फैसले के अनुसार, लगभग 32 हजार दिव्यांग

इस योजना का लाभ उठाएंगे। इससे पहले केंद्र सरकार ने दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 के तहत 21 प्रकार की दिव्यांग श्रेणियों को मान्यता दी थी। अब हरियाणा सरकार ने इनमें से 10 श्रेणियों को अपनी योजना में शामिल किया है।

उन्होंने कहा, इसके अलावा, हरियाणा में वर्तमान में 2 लाख 8 हजार 71 दिव्यांगजनों को पेंशन के रूप में 3,000 रुपये प्रति माह का मानदेय दिया जा रहा है। कैबिनेट ने यह भी फैसला किया कि थैलेसीमिया और हीमोफीलिया जैसी बीमारियों से पीड़ित रोगियों के लिए पेंशन की आयु सीमा 18 वर्ष को समाप्त कर दिया गया है। पहले, इन रोगियों को 18 वर्ष के बाद पेंशन मिलती थी, लेकिन अब आयु सीमा को खत्म कर दिया गया है, जिससे अधिक लोग इस योजना का लाभ उठा सकेंगे। साथ ही, यह निर्णय भी लिया गया है कि थैलेसीमिया और हीमोफीलिया के रोगियों को वित्तीय सहायता पहले से मिल रही किसी भी अन्य सामाजिक सुरक्षा पेंशन के अतिरिक्त दी जाएगी।

कोऑपरेटिव सोसायटी धोखाधड़ी मामले में

अभिनेता आलोकनाथ और श्रेयस तलपड़े समेत 13 पर मुकदमा

सोनीपत,23 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के सोनीपत की मुरथल थाना पुलिस ने धोखाधड़ी और ठगी के एक मामले में एक बहु–राज्य सहकारी सोसायटी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। मामले में अभिनेता आलोक नाथ और श्रेयस तलपड़े को भी नामजद किया गया है, जो सोसायटी के ब्रांड एंबेसडर के रूप में जुड़े थे और इसके प्रचार में शामिल थे। उन पर एफडी और आरडी खातों के माध्यम से करोड़ों रुपये की ठगी का आरोप है।

सोसायटी के संचालक, ब्रांड एंबेसडर, और कई अन्य अधिकारियों पर इस ठगी में शामिल होने का आरोप है। मामले में नामजद 13 लोगों में इंदौर के नरेंद्र नेगी, दुबई निवासी समीर अग्रवाल, पंकज

अग्रवाल, परिक्षित पारसे, मुंबई निवासी आरके शेट्टी, मुख्य ट्रेनर राजेश टैगोर, संजय मुदगिल, हरियाणा हेड पप्पू शर्मा, चंडीगढ़ निवासी आकाश श्रीवास्तव, चेस्ट ब्रांच अधिकारी रामकंवार झा, पानीपत निवासी शबाबे हुसैन, और ब्रांड एंबेसडर के तौर पर अभिनेता आलोक नाथ और श्रेयस तलपड़े शामिल हैं।

मुरथल थाना प्रभारी देवेंद्र कुमार एक धोखाधड़ी के मुकदमे में अभिनेता आलोक नाथ और श्रेयस तलपड़े के शामिल होने की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि यह मामला उच्च अधिकारियों द्वारा प्राप्त एक शिकायत के बाद सामने आया, जिसमें धोखाधड़ी का आरोप लगाया गया था। जांच उच्च अधिकारियों द्वारा ही की गई। जांच में जो तथ्य सामने आए उनके आधार पर 13 व्यक्तियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है, जिनमें दो अभिनेता भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि यह मुकदमा एक कंपनी द्वारा जनता से एफडी और आरडी जैसी योजनाओं के नाम पर पैसे लेने के बाद लोगों को लाभ न देने के संबंध में दर्ज किया गया है। यह कंपनी 2016 में स्थापित की गई थी और इस मामले में सार्वजनिक रूप से लोगों से पैसे लिए गए थे, लेकिन बाद में उन्हें लाभ नहीं दिया गया। दोनों अभिनेता कंपनी के संबंध में शिकायतकर्ता द्वारा नामित किए गए थे और उनकी भूमिका कंपनी के भीतर बताई गई थी। मामले की गहन जांच की जाएगी और जो भी साक्ष्य सामने आएंगे, उनके आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

भाजपा ने किया प्रदेश के शिक्षा तंत्र को बर्बाद : हुड्डा

चंडीगढ़,23 जनवरी (एजेंसियां)। स्कूल में 96 छात्राओं के लिए सिर्फ एक गेस्ट टीचर की नियुक्ति की गई है। उसी टीचर पर सभी क्लास की छात्राओं को पढ़ाने, स्कूल का रिकॉर्ड मेंटेन करने, मीटिंग्स में जाने व मिड डे मील तक की जिम्मेदारी है। सिरसा के कालांवली से आई यह खबर बताती है कि बीजेपी सरकार ने प्रदेश के शिक्षा तंत्र की क्या हालत बना दी है। क्योंकि सिर्फ कालांवली में ही नहीं, बल्कि पूरे प्रदेश के सरकारी स्कूलों का यही हाल है।

हुड्डा ने बताया कि प्रदेश के 28 प्राइमरी स्कूल ऐसे हैं, जहां एक भी विद्यार्थी नहीं है। 262 ऐसे स्कूल हैं, जहां सिर्फ 1 से लेकर 10 तक ही विद्यार्थी हैं। 520 ऐसे स्कूल हैं, जहां 11 से लेकर 20 तक ही विद्यार्थी हैं। 8 मिडिल स्कूल ऐसे हैं, जहां विद्यार्थियों की संख्या शून्य है। 12 स्कूल ऐसे हैं जहां विद्यार्थियों की संख्या 1 से 10 है और 73 ऐसे हैं जहां संख्या मात्र 11 से 20 है। एक हाई स्कूल भी ऐसा है, जहां एक भी विद्यार्थी नहीं है। यह आंकड़े चीख–चीख कर बीजेपी सरकार की शिक्षा नीति की पोल खोल रहे हैं।बीजेपी ने हरियाणा के सरकारी शिक्षा तंत्र का बंटाधार कर दिया है। इसके चलते सरकारी शिक्षण संस्थानों से विद्यार्थियों की संख्या घट रही है और उनपर ताले लगाए जा रहे हैं।

महिला सुरक्षा के लिए सरकार प्रतिबद्ध : भजनलाल

जयपुर,23 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि महिलाएं हमारी आधी आबादी हैं और बच्चे हमारे भविष्य की नींव हैं। उनके विकास और सशक्तीकरण से ही हमारा देश–प्रदेश मजबूत होगा। उन्होंने कहा कि महिलाओं और बच्चों के जीवन को बेहतर बनाने, उनके स्वास्थ्य एवं गुण–वत्तापूर्ण पोषण सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार निरंतर कार्य कर रही है। साथ ही, राज्य सरकार महिला सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

शर्मा गुरूवार को बिड़ला ऑडिटोरियम में महिला एवं बाल विकास विभाग की 'सशक्त नींव–उज्ज्वल भविष्य' की थीम पर आयोजित आमुखीकरण कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि महिलाओं एवं बच्चों को सशक्त बनाने में महिला एवं बाल विकास विभाग महत्वपूर्ण कड़ी है। महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए विभागीय योजनाओं का प्रभावी रूप से क्रियान्वयन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सभी कार्मिक पूर्ण जिम्मेदारी, पारदर्शिता और निष्ठा से काम करते हुए योजन–ाओं का लाभ धरातल तक सुनिश्चित करें। साथ ही, नवीनतम तकनीक एवं नवाचारों से खुद को अपडेट रखें।मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के लगभग 43 लाख बच्चों और महिलाओं को आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से पोषाहार उपलब्ध कराया जा रहा है। पोषाहार की गुणवत्ता के लिए ओ.टी.पी. आधारित प्राप्ति तथा चेहरे से पहचान जैसे नवाचार किए गए हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अमृत आहार योजना के माध्यम से बच्चों को अतिरिक्त पोषण के रूप में गर्म दूध उपलब्ध कराया जा रहा है।

कृषि उपज मंडियों में 7 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों को मंजूरी

जयपुर,23 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार किसानों की आय को दोगुना कर उनके जीवन को समृद्ध और खुशहाल बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राज्य की विभिन्न कृषि उपज मंडी समितियों में आधारभूत ढांचा विकसित करने के लिए 7 करोड़ 23 लाख रूपये से अधिक की लागत के नवीन निर्माण कार्यों एवं विद्युतीकरण संबंधी कार्यों को मंजूरी दी है।

राज्य सरकार ने 5897 गांवों को अभावग्रस्त घोषित

जयपुर,23 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने संवेदनशील निर्णय करते हुए खरीफ बाढ़ एवं ओलावृष्टि से प्रभावित 21 जिलों के किसानों को एसडीआरएफ से कृषि आदान अनुदान वितरण करने की मंजूरी दी है। इसके लिए 20 जिलों के 33 प्रतिशत या उससे अधिक फसल खराबे वाले 5897 गांव अभावग्रस्त घोषित किए गए हैं। मुख्यमंत्री के इस संवेदनशील निर्णय से प्रभावित किसानों को बड़ा संबल मिलेगा। इस निर्णय के उपरान्त अब आपदा प्रबंधन एवं सहायता विभाग द्वारा इस बारे में अधिसूचना जारी की जाएगी।

शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे

सीएम नीतीश ने सहरसा को दी 210 करोड़ से अधिक की सौगात, 52 योजनाओं का किया उद्घाटन और शिलान्यास

सहरसा (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार प्रगति यात्रा के दौरान सहरसा जिले के सत्तर कट्टैया प्रखंड क्षेत्र के ग्राम मेनहा पहुंचे। जहां सदर भाजपा विधायक डॉ. आलोक रंजन सहित अन्य ने पुष्प गुच्छ देकर अभिवादन किया। सीएम +2 उच्च विद्यालय, मेनहा परिसर में स्थित विद्यालय का उद्घाटन, विभिन्न विभागों के स्टॉल का निरीक्षण, लाभुकों के बीच लाभ का वितरण, खेल मैदान एवं अपशिष्ट प्रसंस्करण इकाई का निरीक्षण, विभिन्न विभागों की योजनाओं का रिमोट के माध्यम से शिलान्यास और उद्घाटन तथा राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल हेतु चिह्नित भूमि का अवलोकन किए।

बता दें कि प्रगति यात्रा के क्रम में गुरुवार को सहरसा पहुंचे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सत्तर कट्टैया प्रखंड क्षेत्र के मेनहा में पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग के छात्राओं के लिए स्वीकृत अन्य पिछड़ा वर्ग विद्यालय का उद्घाटन किया। उन्होंने जीविका दीदी के द्वारा लगाए गए स्टॉल का भी निरीक्षण किया। मौके पर उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, मंत्री विजय चौधरी, विधायक डॉ. आलोक रंजन, गुंजेश्वर साह, आयुक्त राजेश कुमार, डीआईजी मनोज कुमार, डीएम वैभव चौधरी, एसपी हिमांशु सहित अन्य मौजूद रहे। प्रगति यात्रा अंतर्गत नीतीश कुमार मुख्यमंत्री ने कई स्टालों का निरीक्षण किया। स्टॉल प्रदर्शनी में जीविका द्वारा लगाए गए समुदाय आधारित संगठनों को परियोजना के तरफ से 144 करोड़ रुपये का वित्त पोषण, कौशिकी महिला दुग्ध उत्पादन द्वारा 17 हजार पशुपालकों को आठ करोड़ का भुगतान एवं दुग्ध प्रसंस्करण संयंत्रों का प्रदर्शन, सतत् जीविकोपार्जन योजना के लाभुकों को 11.7 करोड़ की सहायता राशि का वितरण, आईसीएफ एवं आरएफ योजना अंतर्गत 25.6 करोड़ की राशि का वितरण, जीविका महिला एफ़पीओ के कृषि उत्पादों का प्रदर्शन का निरीक्षण किया।

कृषि विभाग द्वारा लगाए गए कृषि संबंधित अनुदानित दर पर उपलब्ध राइस मील, ब्रश कटर, पावर स्प्रेयर, सेल्फ प्रोपेल्ड रीयर, सीड ड्रील यंत्र का प्रदर्शन एवं कस्टम हायरिंग सेन्टर की स्थापना के लिए आठ लाख रुपये अनुदान का वितरण किया गया। लाभुकों को ट्रैक्टर की चाबी हस्तगत कराया गया। मशरूम, केला, मखाना, मखाना किट, सब्जी शिमला मिर्च एवं अन्य प्रदर्शन को देखा। इसके बाद मशरूम किट, मैनुअल किट (कृषि उपकरण) एवं मिट्टी जांच प्रमाण पत्र का वितरण किया।

मुख्यमंत्री समेकित चौर विकास योजना एवं मुख्यमंत्री तालाब मात्स्यिकी विशेष सहायता योजना अंतर्गत 10 लाभुकों के लिए 24.09 लाख रुपये अनुदान का वितरण किया गया। मत्स्य पालन के तहत सहरसा मत्स्य प्रोड्यूसर कम्पनी लिमिटेड द्वारा मछली दाना, दवा, बीज आदि का प्रदर्शन एवं समेकित मत्स्य पालन का मॉडल प्रदर्शन का अवलोकन किया गया। मुख्यमंत्री बाल हृदय योजना अंतर्गत चिकित्सा सहायता प्राप्त दो लाभुकों द्वारा मुख्यमंत्री को धन्यवाद ज्ञापन दिया गया। स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगाए गए हेल्थ एण्ड वेलनेस सेन्टर तथा टेली मेडिसीन योजना अंतर्गत दी जाने वाली चिकित्सा सेवाओं का प्रदर्शन का अवलोकन किया गया।

दो लाभुकों को मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना अंतर्गत आयुष्मान कार्ड का वितरण किया गया। मुख्यमंत्री उद्यमी योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 में अंतिम रूप से चयनित एवं प्रशिक्षणोपरांत प्रथम किस्त के रूप में 120 लाभुकों के बीच कुल 2.40 करोड़ रुपये का सांकेतिक चेक वितरण किया गया। बिहार लघु उद्यमी योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 में अंतिम रूप से चयनित एवं प्रशिक्षणोपरांत द्वितीय किस्त के रूप में 402 लाभुकों के बीच कुल 4.02 करोड़ रुपये का सांकेतिक चेक वितरण किया गया। मुख्यमंत्री साइकिल योजना एवं मुख्यमंत्री पोशाक योजना अंतर्गत दो छात्राओं को साइकिल, पोशाक, पुस्तक वितरण किया गया। बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के तहत दो छात्रों को शिक्षा ऋण का वितरण एवं कुशल युवा कार्यक्रम के प्रशिक्षण प्राप्त एक छात्रा को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज प्रगति यात्रा के तीसरे चरण में सहरसा जिले के सत्तर कटैया प्रखंड स्थित 10+2 उच्च विद्यालय, मेनहा के परिसर से 210 करोड़ रुपये से अधिक की कुल 52 विकासात्मक योजनाओं का रिमोट के माध्यम से उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। इनमें 94 करोड़ रुपये की लागत से 36 योजनाओं का उद्घाटन तथा 116 करोड़ रुपये से अधिक लागत की 16 योजनाओं का शिलान्यास शामिल है।

मुख्यमंत्री ने सत्तर कटैया प्रखंड के मेनहा ग्राम में 520 आसनवाले अन्य पिछड़ा वर्ग कन्या आवासीय 10+2 उच्च विद्यालय भवन का शिलापट्ट अनावरण कर एवं फीता काटकर उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने नवनिर्मित भवन के विभिन्न भागों का निरीक्षण किया और परिसर में बनाए गए शिक्षकों के आवास एवं छात्रावास सहित अन्य भागों का जायजा लिया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि यह बहुत अच्छा बना है। शिक्षक इसी परिसर में रहकर छात्रों को अच्छे से पढ़ाएंगे। बच्चों के रहने का भी बेहतर इंतजाम किया गया है। यहां शैक्षणिक कार्यकलाप को बेहतर ढंग से संचालित करें ताकि बच्चों को अच्छी शिक्षा मिल सके। परिसर की साफ-सफाई का भी ध्यान रखें। इस विद्यालय परिसर में लगाए गए विभिन्न विभागों, कृषि विभाग, उद्योग विभाग, स्वास्थ्य विभाग, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग और शिक्षा विभाग आदि के स्टॉलों का मुख्यमंत्री ने निरीक्षण किया। साथ ही जीविका दीदियों के स्टॉल पर लगाए गए विभिन्न उत्पादों को देखा और उनसे बातचीत की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2005 में जब हम लोगों को बिहार में काम करने का मौका मिला तो हमने देखा कि यहां स्वयं सहायता समूह की संख्या नाम मात्र की है। हमलोगों ने विश्व बैंक से कर्ज लेकर स्वयं सहायता समूह की संख्या बढ़ानी शुरू की। हमने ही स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं का नाम 'जीविका दीदी' दिया, जिससे प्रेरित होकर तत्कालीन केंद्र सरकार ने इसका नाम 'आजीविका' किया। इससे बिहार की महिलाओं की आर्थिक स्थिति में काफी सुधार आया है। स्वयं सहायता समूह से जुड़कर महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही है। उनका पहनावा और बोलचाल भी काफी अच्छा हो गया है। वे लोगों से बेहिचक होकर बातें करने लगी हैं। मैं आप सभी जीविका दीदियों को बेहतर कार्य करने के लिए बधाई देता हूं।

सीपीआईएम नेता दीपंकर भट्टाचार्य बोले-

सीएम नीतीश की यात्रा आतंक और अहंकार की यात्रा है

गया (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की प्रगति यात्रा आतंक और अहंकार की यात्रा है। 20 साल से सत्ता में काबिज नीतीश सरकार अब जनता के मुद्दों से पूरी तरह कट चुके हैं। यह बातें गुरुवार को गया शहर के धर्मसभा भवन में सीपीआईएम के 'बदलो बिहार समागम' कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों से बातचीत करते हुए पार्टी के महासचिव दीपंकर भट्टाचार्य ने कही।

उन्होंने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की प्रगति यात्रा नहीं आतंक यात्रा और अहंकार यात्रा है। दीपंकर भट्टाचार्य ने कहा कि करीब 20 वर्षों से बिहार की सत्ता पर काबिज नीतीश कुमार अब आम जनता के मुद्दों से पूरी तरह कट चुके हैं।

प्रदेश में हर वर्ग के लोग अत्याचार से त्रस्त है। उन्होंने बीपीएससी अभ्यर्थियों पर हुए लाठीचार्ज और माले नेताओं की गिरफ्तारी को सरकार की तानाशाही का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार अपने चरम पर है। जनता को राहत देने वाले कोई भी कदम नहीं उठाया जा रहा।

वहीं, दीपांकर भट्टाचार्य ने घोषणा किया कि नौ मार्च को पटना के गांधी मैदान में 'बदलो बिहार समागम' का आयोजन किया जा रहा है। उक्त कार्यक्रम में आंदोलनकारी ताकतें एकजुट होकर सरकार और सिस्टम के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद करेंगे।

वहीं, दिल्ली चुनाव के सवाल पर उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी दो सीटों पर प्रत्याशी उतार रही है। बाकी सीटों पर भाजपा विरोधी पार्टियों का समर्थन करेंगे। महागठबंधन के सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि दिल्ली चुनाव को देखते हुए कोई औपचारिक गठबंधन नहीं हुआ था। हालांकि, भाजपा के खिलाफ महागठबंधन अब भी कायम है। उन्होंने कहा कि बदलो बिहार समागम का लक्ष्य सरकार बदलना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनकी लड़ाई दोनों के खिलाफ है। बिहार को भ्रष्टाचार, तानाशाही और प्रशासनिक आतंक से मुक्त करना ही इस आंदोलन का मुख्य उद्देश्य है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में माले कार्यकर्ता, समर्थक और पदाधिकारी मौजूद रहे।

कर्तव्य पथ पर आकर्षण का केंद्र रहेगी बिहार की झांकी

भगवान बुद्ध और प्राचीन नालन्दा महाविहार होगा शामिल

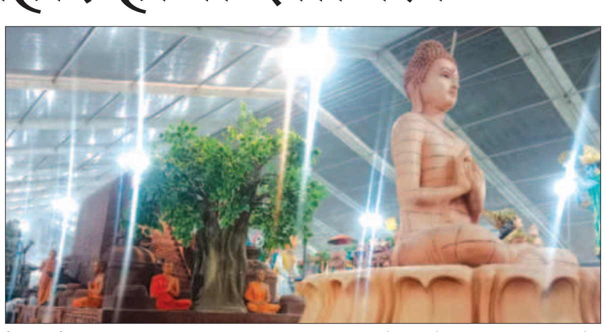

पटना (एजेंसियां)। इस साल दिल्ली में होने वाले गणतंत्र दिवस के मौके पर बिहार की झांकी में बिहार की समृद्ध ज्ञान एवं शांति की परंपरा को प्रदर्शित किया गया है। इस झांकी में शांति का संदेश देते भगवान बुद्ध को प्रदर्शित किया गया है, जिसमें उनकी अलौकिक मूर्ति राजगीर स्थित घोड़ा कटोरा जलाशय में दिख रही है। इस अलौकिक मूर्ति को देखने के लिए प्रत्येक वर्ष लाखों लोग आते हैं। वर्ष 2018 में स्थापित एक ही पत्थर से बनी 70 फीट की भगवान बुद्ध की इस अलौकिक एवं भव्य मूर्ति के साथ घोड़ा कटोरा झील का विकास इको टूरिज्म के क्षेत्र में बिहार सरकार का अनूठा प्रयास है। झांकी के अग्र भाग में बोधिवृक्ष इस बात का संदेश दे रही है कि इसी धरती से ज्ञान का प्रकाश सम्पूर्ण विश्व में फैला है।

बिहार सरकार के द्वारा झांकी के माध्यम से ज्ञानभूमि नालन्दा की प्राचीन विरासत एवं उसके संरक्षण हेतु किए जा रहे राज्य सरकार के प्रयासों को दर्शाने की कोशिश की गयी है। साथ ही नालन्दा विश्वविद्यालय की स्थापना के माध्यम से बिहार को पुनः शिक्षा के मानचित्र पर वैश्विक रूप में स्थापित करने के प्रयास को दर्शाया गया है। इसके अतिरिक्त भगवान बुद्ध की अलौकिक एवं भव्य मूर्ति के साथ घोड़ा कटोरा झील को इको टूरिज्म स्थल के रूप में विकसित करने के बिहार सरकार के अनूठे प्रयास को भी दर्शाया गया है।

प्राचीन काल से बिहार ज्ञान, मोक्ष एवं शांति की भूमि रही है। झांकी में शांति का संदेश देते भगवान बुद्ध को प्रदर्शित किया गया है।

भगवान बुद्ध की यह अलौकिक मूर्ति राजगीर स्थित घोड़ा कटोरा जलाशय में अवस्थित है, जहां प्रतिवर्ष लाखों की संख्या में सैलानी आते हैं।

दो पुलिस अधिकारी और एक सिपाही गिरफ्तार मद्य निषेध थाने में शराब पार्टी चल रही थी

छपरा (एजेंसियां)। जिसके ऊपर शराबबंदी का भार दिया गया हो, अगर वही शराब पार्टी करते गिरफ्तार हो जाए तो समझ लीजिए कि शत-प्रतिशत सफल बनाने में इन लोगों की भूमिका संदिग्ध नजर आ रही है। कुछ इसी तरह का मामला बिहार के छपरा से आ रहा है, जहां उत्पाद विभाग के अधिकारियों द्वारा मद्य निषेध थाने में शराब पार्टी किया जा रहा था।

हालांकि, इसकी सूचना किसी ने सारण पुलिस अधीक्षक डॉ. कुमार आशीष को दे दिया। फिर क्या था पुलिस अधीक्षक द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए मढ़ौरा अनुमंडल के पुलिस पदाधिकारी नरेश पासवान के नेतृत्व में टीम गठित कर देर रात्रि को छापेमारी करवा दिए। शराब पार्टी में शामिल उत्पाद विभाग के सभी पुलिस अधिकारियों को शराब अधिनियम उल्लंघन मामले को लेकर हिरासत में ले लिया गया है। किसी भी तरह से बिहार में शराब पीना या बिक्री पर पूर्ण रूप से बंदी किया गया है, जिसके लिए उत्पाद विभाग को जिम्मेदारी सौंपी गई है। मतलब उत्पाद करने वालों पर नकेल कसने के लिए उत्पाद विभाग को राज्य के सभी जिला मुख्यालयों सहित सीमावर्ती या कुछ चयनित स्थलों पर कार्यालय बनाया गया है।

इसी को लेकर सारण और सीवान जिले की सीमावर्ती इलाके सारण जिलांतर्गत मशरख थाना क्षेत्र के चंदेश्वर मोड के समीप उत्पाद विभाग की मद्य निषेध थाना बनाया गया है। जहां जन्मदिन की पार्टी में शराब पार्टी चल रही थी। लेकिन किसी ने जिले के वरीय पुलिस अधिकारियों तक इसकी सूचना दे दी। उसके बाद सारण पुलिस अधीक्षक के दिशा-निर्देश में मशरक में स्थापित मद्य निषेध थाने पर देर रात्रि को मढ़ौरा डीएसपी नरेश पासवान, मशरख के अंचल पुलिस निरीक्षक और स्थानीय थाने के थानाध्यक्ष के द्वारा संयुक्त रूप से छापेमारी करते हुए उत्पाद विभाग अधिनियम का उल्लंघन के मामले में मद्य निषेध थाने के पुलिस निरीक्षक सुनील कुमार, पुलिस अवर निरीक्षक कुंदन कुमार और सिपाही संतोष कुमार को हिरासत में लिया गया। हालांकि, अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि सारण के पुलिस अधीक्षक डॉ. कुमार आशीष द्वारा नहीं की गई है। लेकिन जांच और पूछताछ शुरू कर दी गई है।

इस संबंध में सारण के पुलिस अधीक्षक डॉ. कुमार आशीष ने बताया कि मशरक थाना को गुप्त सूचना मिली कि उत्पाद थाना मसरख के कर्मियों द्वारा शराब पीकर उत्पाद थाना पर नाच-गान का कार्यक्रम चलाया जा रहा है। उक्त सूचना के आधार पर पुलिस टीम द्वारा त्वरित कारवाई करते हुए मशरक उत्पाद थाना में छापामारी की गई और छापामारी के दौरान कर्मियों के पास से एवं उनके कमरे से कुल पांच लीटर अंग्रेजी शराब बरामद कर तीन पुलिस पदाधिकारी यथा पुलिस निरीक्षक सह मद्यनिषेध थाने के थानाध्यक्ष सुनील कुमार, पुलिस अवर निरीक्षक कुंदन कुमार, सिपाही संतोष कुमार को हिरासत में लिया गया।

हिरासत में लिए पुलिस अवर निरीक्षक कुंदन कुमार और सिपाही संतोष कुमार के शराब पीने की वैज्ञानिक पुष्टि की गई। इस संबंध में छह उत्पाद थाना कर्मियों के विरुद्ध मशरक थाना कांड संख्या- 21/2025 दर्ज किया गया है।

बेउर जेल अधीक्षक हुए निलंबित, आय से अधिक संपत्ति रखने के मामले में हुई है कार्रवाई

पटना (एजेंसियां)। आय से अधिक संपत्ति मामले के आरोपित बेउर जेल अधीक्षक विधु कुमार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। गृह विभाग (कारा) ने इससे संबंधित आदेश बुधवार को जारी कर दिया है। गृह विभाग (कारा) ने यह आदेश बुधवार को जारी किया है। गृह विभाग के द्वारा जारी किये गये आदेश के अनुसार लंबन अवधि में विधु कुमार का मुख्यालय का केंद्रीय कारा निर्धारित किया गया है। गृह विभाग के आदेशानुसार निलंबित जेल अधीक्षक पर अब विभागीय कार्रवाई भी की जाएगी।

4 जनवरी की सुबह केंद्रीय कारा बेउर के अधीक्षक डॉ. विधु कुमार के गांव स्थित पैतृक घर और जेल परिसर के पास स्थित सरकारी आवास पर आर्थिक अपराध इकाई ने छापेमारी की थी। जांच टीम ने बताया था कि ईओयू की प्रारंभिक जांच में उनके पास आय से 146 प्रतिशत अधिक संपत्ति पाई गई। उसी समय उनके खिलाफ विभागीय कार्यवाही शुरू कर दी गई। आर्थिक अपराध इकाई ने विधु कुमार पर आरोप लगाते हुए कहा था कि उन्होंने अवैध कमाई से कई बड़े शहरों में जमीन खरीदी है। उनपर यह आरोप लगा था कि विधु कुमार ने अवैध कमाई से पटना, मोतिहारी, शिवहर, पूर्णिया और कटिहार में एक दर्जन से अधिक जमीनें खरीदीं हैं। छह महीने पहले ही डॉ. विधु कुमार की पटना के बेउर केंद्रीय कारागार में पदस्थापना हुई थी।

आर्थिक अपराध इकाई की एक टीम ने केंद्रीय कारा बेउर के अधीक्षक डॉ. विधु कुमार के करीबी जमीन कारोबारी नीरज कुमार सिंह के आवास पर भी छापेमारी की थी। यह छापेमारी मोतिहारी जिला के मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के पतौरा गांव में की गई थी। इनके घर पर छापेमारी करने के पीछे का कारण यह था कि विधु कुमार पूर्व में मोतिहारी जेल के अधीक्षक थे और इस दौरान नीरज से उनका काफी संपर्क था। नीरज कुमार सिंह के खिलाफ ईओयू को कई सबूत भी हाथ लगे थे।

चरम सीमा पर चोरों का आतंक, सोने और कपड़े की दुकान से लाखों रुपये की चोरी

गोपालगंज (एजेंसियां)। गोपालगंज जिले में कुचायकोट थाना क्षेत्र के सासामुसा बाजार स्थित स्टेट बैंक के पास अज्ञात चोरों ने दो दुकानों को अपना निशाना बनाया है। सोना कारोबारी संजय सोनी और कपड़ा व्यवसायी संदीप कुमार की दुकान से लाखों रुपये के सामानों की चोरी कर ली है। मामले में पुलिस प्राथमिकी दर्ज कर छानबीन करने में जुट गई है।

बताया जाता है कि गोपालगंज के कुचायकोट थाना क्षेत्र के सासामुसा बाजार निवासी स्वर्ण कारोबारी संजय सोनी और कपड़ा व्यवसायी संदीप कुमार बुधवार शाम अपनी दुकान बंद कर घर चले गए। गुरुवार की सुबह जब वे अपना दुकान खोलने पहुंचे तो दुकान का ताला टूटा हुआ मिला। वहीं, दुकान में रखे सोने चांदी के आभूषण, बर्तन और नकद रुपये गायब थे।

वहीं, कपड़ा व्यवसायी संदीप कुमार की दुकान की दीवार पीछे से काटकर चोरों ने चोरी की वारदात को अंजाम दे डाला था।

विदित हो कि दो दिन पूर्व ही इसी बाजार में सोनी ज्वेलर्स की दुकान में ताबड़तोड़ फायरिंग कर दिनदहाड़े लूट की घटना को अंजाम दी गई थी। अभी इसकी जांच चल ही रही थी। तब तक एक ही रात दो दुकानों में चोरों ने चोरी कर व्यवसायियों को दहशत में डाल दिया है। बाजार के व्यवसायी दहशत के माहौल में जी रहे हैं।

वहीं, इस मामले में कुचायकोट थाना अध्यक्ष आलोक कुमार ने बताया है कि पुलिस सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है। साथ ही चोरों की पहचान करने में जुटी हुई है। बहुत जल्द चोरी के आरोपी पुलिस की गिरफ्त में होंगे और चोरी के सारे सामान बरामद कर लिए जाएंगे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com